THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 285 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.6 2080 मंगलवार, 2 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जापान में भूकंप से तबाही

> रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.4

> भारतीय दूतावास ने जारी किए इमरजेंसी नंबर

समुद्र तटीय इलाकों में रहने वालों को घर न लौटने की सलाह, एडवाइजरी जारी करेगी सरकार

टोक्यो, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जापान में सोमवार को 7.6 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद यहां सुनामी आ गई। वाजिमा शहर में करीब 4 फीट ऊंची (1.2 मीटर) लहरें उठीं। हालांकि, शाम को सरकार ने सुनामी की हाईएस्ट वॉर्निंग वापस ले ली। समुद्र के किनारे पर रहने वालों से कहा गया है कि वो फिलहाल घर न लौटें, क्योंकि ऊंची लहरों का खतरा लौट भी सकता है। सरकार जल्द ही नई एडवाइजरी जारी करेगी। वाजिमा शहर में एक बिल्डिंग ढह गई। इसके मलबे मे 6 लोग दबे हैं। यहां 35 हजार घरों में बिजली नहीं है। नॉर्थ कोरिया और रूस ने भी सुनामी का अलर्ट जारी किया था।

कैसे तय होता है कि ये सुनामी है या नहीं :

जापान के 'सुनामी वॉर्निंग सिस्टम' के मुताबिक, अगर भूकंप के बाद सुनामी की एडवाइजरी या अलर्ट जारी होता है और इसके बाद समंदर में 1 मीटर ऊंची लहरें उठती हैं तो इसे सुनामी कैटेगरी में रखा जाता है। इनकी ऊंचाई बाद में 3 से 5 मीटर हो सकती है। अगर 5 मीटर तक लहरें उठती हैं तो इसे 'मेजर सुनामी' कैटेगरी में रखा जाता है।

42 आफ्टरशॉक्स आए :

जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप इशिकावा प्रांत के अनामिजु शहर में आया। इसका केंद्र धरती से 10 किलोमीटर नीचे था। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 12:40 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। कुल 42 आफ्टरशॉक्स आए हैं। सभी की तीव्रता 3.4 से 4.6 के बीच रही।

फुकुशिमा प्लांट पर पैनी नजर :

जापानी मीडिया के मुताबिक फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट पर पैनी नजर रखी जा रही है। दरअसल, जापान में मार्च 2011 में 9 तीव्रता वाले भूकंप के कारण जबरदस्त सुनामी आई थी। तब उठी सुनामी की लहरों ने फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट को तबाह कर दिया था। इसे पर्यावरण को नुकसान के लिहाज से बड़ी घटना माना गया था। तब समुद्र में उठी 10 मीटर ऊंची लहरों ने कई शहरों में तबाही मचाई थी।

इसमें करीब 16 हजार लोगों की मौत हुई थी। जापान भूकंप के लिहाजे से सेंसिटिव है। यहां भूकंप आते रहते हैं, क्योंकि ये दो टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन के पास स्थित है। >14

मरीजों तक नहीं पहुंच पा रहे डॉक्टर

भूकंप में घायल हुए लोगों को इलाज मिलना मुश्किल हो रहा है। इसकी वजह ये है कि भूकंप की वजह से ज्यादातर सड़कें टूट चुकी हैं और डॉक्टर्स प्रभावित जगहों पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जापान की एयरफोर्स के हेलिकॉप्टर्स अब डॉक्टर्स को प्रभावित इलाकों में पहुंचा रहे हैं। जरूरी सामान पहुंचाने में भी इसी वजह से दिक्कत आ रही है। भूकंप के बाद सुनामी का खतरा देखते हुए इंडियन एम्बेसी ने इमरजेंसी नंबर जारी किए हैं।

आने वाले दिनों में खतरा बढ़ेगा

जापान की मेट्रोलॉजिकल एजेंसी ने सोमवार शाम कहा, आने वाले दिनों में देश के कुछ हिस्सों में इसी तरह का भूकंप आने की आशंका है। लिहाजा, लोगों से अपील है कि वो सतर्क रहें।

लोकसभा चुनाव में 290 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस आलाकमान कई बैठकें कर रहा है। वजह है इंडिया गठबंधन के सीट शेयरिंग फोर्मूले को अमल में लाया जाना। कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ बैठक से पहले यह तय करना चाहती है कि पार्टी कितनी सीटों पर सीधे तौर पर चुनाव लड़ेगी? और कितनी सीटों पर गठबंधन के साथ मैदान में जाएगी।

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस 290 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारना चाहती है और 100 सीटों पर गठबंधन के मुताबिक सीटें तय करना चाहती है। ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस ने अपने समीकरणों के मुताबिक यह आंकड़े तय कर लिए हैं और अब विपक्षी दलों के साथ बैठक में इसे रखा जाएगा। अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस 390 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 636 नए मामले दर्ज

3 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 636 नए मामले सामने आए और 3 लोगों की मृत्यु हुई है। अभी कोरोना के कुल सक्रिय मामले 4,394 हैं। दिल्ली में कोरोना के नए वेरिएंट जेएन1 का एक रोगी पाया गया है।

इसके चलते अब दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। एलएनजेपी अस्पताल में मरीजों के लिए 20 बेड आरक्षित किए गए हैं। अभी तक अस्पताल में एक भी मरीज की पुष्टि नहीं हुई है। कोरोना के मरीजों के लिए अस्पताल में अलग हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक और कोरोना का मामला सामने आया है। इस बार 8 साल का बच्चा कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इससे पहले एक 77 वर्षीय महिला कोरोना पॉजिटिव मिली थी, जिनका इलाज मैक्स हॉस्पिटल में चल रहा है। दोनों कोरोना के मरीजों के सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा जा रहा है। कोरोना पॉजिटिव 8 साल के बच्चे को दून अस्पताल में भर्ती किया गया है। बच्चे को सीजनल इंफ्लुएंजा हो गया है। चिकित्सकों के मुताबिक, कोविड और सीजनल इंफ्लुएंजा के लक्षण एक जैसे हैं। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. सीएस रावत ने बताया कि शनिवार को इंफ्लुएंजा के पांच संदिग्ध मरीजों की जांच हुई थी। इसमें एक आठ साल के बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। दोनों मरीजों की रिपोर्ट पोर्टल पर एक दिन बाद जारी हो रही है।

मरीजों की जीनोम सीक्वेंसिंग भी करवाई जाएगी। ऐसे में कोविड का वेरिएंट पता चल जाएगा। स्टेट सर्विलांस अधिकारी डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि स्वाइन फ्लू वायरस अब सीजनल इंफ्लुएंजा यानी मौसमी जुकाम-बुखार के रूप में संचारित हो रहा है। यह साधारण उपचार से ठीक हो जाता है।

मूसेवाला मर्डर का मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ आतंकी घोषित

*** गैंगस्टर लॉरेंस का राइट हैंड * खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा है**

चंडीगढ़, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के राइट हैंड और पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ को आतंकी घोषित कर दिया है।

गोल्डी बराड़ पंजाब में टारगेट किलिंग, एक्सटॉर्शन के साथ-साथ बॉर्डर पार से हथियारों और ड्रग की स्मगलिंग में शामिल है। गोल्डी बराड़ पर लॉरेंस बिश्नोई के साथ पहले यूएपीए के तहत केस दर्ज हुआ था। 29 मई 2022 को कनाडा में बैठे गोल्डी बराड़ में पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या करवा कर सोशल मीडिया पर उसकी जिम्मेदारी ली थी। गोल्डी बराड़ को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम एक्ट (यूएपीए) के तहत आतंकी घोषित किया है। इससे जुड़ी नोटिफिकेशन सोमवार को जारी की गई। जिसमें कहा गया है कि गोल्डी बराड़ खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़ा हुआ है और आतंकी साजिशों में शामिल है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 30 दिसंबर को इसी एक्ट के तहत विदेश में बैठे पंजाब के गैंगस्टर लखबीर सिंह लांडा को भी आतंकी घोषित किया था। कनाडा में बैठकर गोल्डी बराड़ अब तक पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, एनसीआर और राजस्थान में भी लॉरेंस के नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा था। उसी ने लॉरेंस के जेल में होने के बाद गैंग को स्ट्रॉन्ग किया।

जिसके बाद रंगदारी, मर्डर, हत्या प्रयास मामलों में गोल्डी का नाम सामने आने लगा। गोल्डी ने इसके साथ ही पंजाब में हथियारों की सप्लाई चेन बनानी शुरू कर दी। बीते दिनों अमृतसर और बठिंडा में कई गोल्डी के साथी पकड़े गए, जो हथियारों की तस्करी से जुटे थे।

जगन्नाथ मंदिर में ड्रेस कोड लागू

शॉर्ट्स, फटी जींस और स्लीवलेस पहनने वालों को नहीं मिलेगी एंट्री-पान-गुटखा बैन

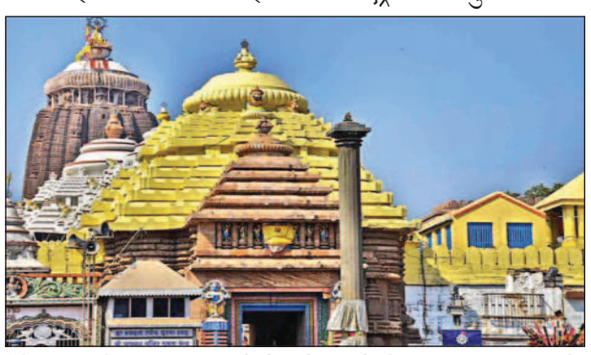

भुवनेश्वर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नए साल से ड्रेस कोड अनिवार्य कर दिया गया है। मंदिर प्रशासन के मुताबिक, नए साल 2024 के पहले दिन से मंदिर परिसर में पान-गुटखा खाने और प्लास्टिक प्रोडक्ट्स यूज करने पर बैन लगा दिया गया है।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के अधिकारी ने कहा हाफ पैंट, शॉर्ट्स, फटी जींस, स्कर्ट और स्लीवलेस ड्रेस पहनने वाले भक्तों को मंदिर में एंट्री नहीं दी जाएगी। मंदिर प्रशासन ने 9 अक्टूबर को ही ड्रेस कोड संबंधी आदेश जारी कर दिया था जिसमें इसे लागू करने की तारीख 1 जनवरी बताई गई थी।

मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए लगाया जा रहा बैन : एसजेटीए

ड्रेस कोड नियम लागू होने से सोमवार को मंदिर में आने वाले पुरुष भक्तों को धोती और तौलिया पहने देखा गया। वहीं, महिलाएं साड़ी या सलवार-कमीज पहने हुई नजर आईं। अधिकारी ने कहा कि मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए परिसर में गुटखा और पान खाने पर बैन लगाया जा रहा है। नियमों को तोड़ने वालों पर जुर्माना लगाया जा रहा है। मंदिर के सिंह द्वार पर तैनात सुरक्षाबल और मंदिर के भीतर प्रतिहारी सेवक इसकी निगरानी करेंगे।

शाम 5 बजे तक 3.5 लाख भक्तों ने किए दर्शन

सेंट्रल रेंज के इंस्पेक्टर जनरल आशीष कुमार सिंह ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले इस बार पहले दिन लगभग दोगुने से अधिक श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। रात करीब 2 बजे से ही भक्तों का आना शुरू हो गया था। नए साल के पहले दिन भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए ढाई लाख से अधिक श्रद्धालु उमड़े हैं। मंदिर के दरवाजे खुलने के बाद से लोग कतारों में खड़े नजर आए। शाम 5 बजे तक 3 लाख 50 हजार से अधिक भक्तों ने जगन्नाथ धाम के दर्शन किए हैं। पुरी पुलिस अधिकारी समर्थ वर्मा ने एक एक्स पर पोस्ट में कहा- भक्तों बिना किसी परेशानी के दर्शन कर सकें, इसके लिए व्यवस्था की गई है। साथ ही पुलिस की ओर से दिव्यांग भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। एसजेटीए और पुलिस प्रशासन ने पीने के पानी, सुलभ कॉम्पलेक्स और बैठने की उचित व्यवस्था की है।

इसरो का एक्सपोसैट मिशन लॉन्च

21 मिनट बाद 650 किमी की कक्षा में सैटेलाइट स्थापित, यह ब्लैक होल्स-न्यूट्रॉन स्टार्स की स्टडी करेगा

श्रीहरिकोटा, 1 जनवरी (एजेंसियां)। एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट (एक्सपोसैट) को आज यानी, 1 जनवरी को सुबह 09:10 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया।

एक्सपोसैट में ब्लैक होल और न्यूट्रॉन स्टार्स की स्टडी के लिए दो पेलोड पोलिक्स और एक्सपेक्ट लगे हैं। 21 मिनट बाद इन्हें पृथ्वी की 650किमी ऊपर की कक्षा में स्थापित किया गया।

इसके अलावा स्पेस टेक स्टार्टअप ध्रुव स्पेस, बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस, टीएम2स्पेस के पेलोड भी पीएसएलवी रॉकेट के साथ भेजे गए हैं। कुल 10 पेलोड इस रॉकेट के साथ भेजे गए हैं। यह भारत का पहला और 2021 में लॉन्च नासा के इमेजिंग एक्स-रे पोलरिमेट्री एक्सप्लोरर के बाद दुनिया का दूसरा पोलरिमेट्री मिशन भी है। सैटेलाइट को 650किमी की कक्षा में स्थापित करने के बाद पावर जनरेट करने के लिए इसके सोलर पैनल खोले गए। वहीं रॉकेट की चौथी स्टेज को पृथ्वी की 350किमी की कक्षा में लाया गया। >14

3 महीने में 4.13 लाख करोड़ कर्ज लेंगे सभी राज्य

नई सरकार वाले राज्य उधार लेने में आगे, एमपी-राजस्थान और छत्तीसगढ़ टॉप-10 में

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने राज्यों का जनवरी-मार्च 2024 तिमाही में उधारी का कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके अनुसार सभी राज्य इस अवधि में बाजार से 4.13 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेंगे।

जारी वर्ष 2023-24 में अप्रैल से अक्टूबर के बीच 7 महीने में कुल 2.58 लाख करोड़ रुपये बाजार से उठाए थे। यानी अगले तीन माह में वे 7 माह में जुटाई राशि से 60 प्रतिशत ज्यादा कर्ज ले रहे हैं। राशि उठाने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ टॉप टेन में शामिल हैं। इन राज्यों के विधानसभा चुनाव 2023 में हुए हैं। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ तो इन तीन महीनों में जो कर्ज ले रहे हैं, वह 2022-23 के 12 महीनों से भी ज्यादा है।

चुनाव में मुफ्त की योजनाएं लाए थे, अब फंड जुटाना चुनौती :

मध्य प्रदेश : 1.31 करोड़ महिलाओं को लाड़ली बहना और गैस सिलेंडर पर 1708 रुपये प्रति माह देना है। 44.13 लाख बिजली उपभोक्ताओं को 388 रुपये प्रति माह सब्सिडी देना है। इन दोनों योजनाओं के लिए सालाना खर्च 21,696 करोड़ रुपये है।

तेलंगाना : हर साल 2.56 लाख करोड़ रुपये सब्सिडी के लिए चाहिए। 4.26 लाख करोड़ रुपये का कर्ज पहले ही ले रखा है। 2023-24 में 38,237 करोड़ रुपये कर्ज लेने की पात्रता है। अक्टूबर तक 33,378 करोड़ रुपये ले लिए हैं

राजस्थान : 450 रुपये में सिलेंडर देने के लिए हर साल 3,720 करोड़ चाहिए। रियायती बिजली योजना चालू है। खर्च हर माह 595 करोड़। पुरानी सरकार की स्मार्टफोन योजना के लिए 3700 करोड़ चाहिए। कुल सालाना खर्च 14,560 करोड़।

छत्तीसगढ़ : मौजूदा सरकार की महतारी योजना में 60 लाख महिलाओं को 1 हजार रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। सालाना बोझ 7,200 करोड़ रुपये। पुरानी सरकार की 13,400 करोड़ की सीधे कैश ट्रांसफर की योजनाएं भी जारी हैं।

कर्नाटक : कांग्रेस पांच गारंटी देकर राज्य की सत्ता में आई है। इनमें फ्री बिजली, बेरोजगारी भत्ता, महिला को राशि और मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त अनाज शामिल है। इन्हें पूरा करने के लिए राज्य को 54 हजार करोड़ रुपये की दरकार है।

3 राज्यों का उधारी लक्ष्य पिछले पूरे साल से 127 प्रतिशत तक ज्यादा :

मध्य प्रदेश अगले तीन महीने में कुल 37.5 हजार करोड़ कर्ज लेगा। पिछले सात माह में यह कर्ज केवल 15 हजार करोड़ था। इसे मिलाकर 31 मार्च तक उसका सालाना कर्ज 50 हजार करोड़ से ज्यादा हो सकता है। >14

'2024 लोकसभा चुनाव में मोदी को रोकना लगभग असंभव'

ब्रिटिश अखबार के लेख में दावा

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में कुछ ही माह का समय बचा है और सभी राजनीतिक पार्टियां आम चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं। इस बीच ब्रिटेन के प्रमुख अखबार द गार्जियन में एक लेख लिखा गया है, जिससे विपक्षी पार्टियों को निराशा हो सकती है। दरअसल लेख में दावा किया गया है कि '2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनना तय है और इसे कोई नहीं रोक सकता।'

'भाजपा को रोकना लगभग असंभव'

यह लेख हन्नाह एलिस पीटरसन ने लिखा है। पीटरसन लिखती हैं कि 'तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में मिली जीत से मिले आत्मविश्वास, पीएम मोदी की लोकप्रियता और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के चलते भाजपा का लगातार तीसरी बार सत्ता में आना तय है और इसे रोकना लगभग असंभव है। तीन राज्यों में मिली जीत के बाद खुद पीएम मोदी भी 2024 में जीत की भविष्यवाणी करने से खुद को नहीं रोक पाए।' लेख के अनुसार, भारत के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य और राजनीतिक विश्लेषकों के बीच एक तरह की सहमति है कि पीएम मोदी और भाजपा की जीत होनी तय है।

'भाजपा के हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के एजेंडे से मतदाता प्रभावित'

पीटरसन लिखती हैं कि 'प्रधानमंत्री की लोकप्रियता और उनकी मजबूत नेता की छवि के साथ ही भाजपा के हिंदू राष्ट्रवादी एजेंडे से बड़ी संख्या में हिंदू मतदाता प्रभावित हैं, खासकर उत्तर भारत की हिंदी बेल्ट में भाजपा खास तौर पर मतदाताओं को लुभा रही है। साल 2014 के बाद से राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर देश का जनमत बड़े पैमाने पर भाजपा की तरफ झुका है।' लेख में लिखा गया है कि 'भारत के दक्षिण और पूर्व के हिस्से में विपक्षी पार्टियां भाजपा के मुकाबले मजबूत हैं लेकिन राष्ट्रीय तौर पर विपक्ष बिखरा हुआ और कमजोर नजर आ रहा है।'

'विपक्षी गठबंधन का कई अहम मुद्दों पर एक होना बाकी'

गार्जियन के लेख में कांग्रेस को लेकर लिखा गया है कि 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हालिया विधानसभा चुनाव में तेलंगाना में जीती है लेकिन यह अभी तीन राज्यों में ही सत्ता में है और पार्टी अंदरुनी कलह से जूझ रही है। विपक्षी पार्टियों ने गठबंधन किया है लेकिन अभी भी विपक्षी पार्टियों को कई अहम मुद्दों पर सहमत होना बाकी है। हालांकि ये सभी पार्टियों भाजपा के खिलाफ लड़ने एकजुट होकर लड़ने की बात कर रही हैं। सामान्य सोच यही है कि अभी भाजपा की जीत तय लग रही है।'

लेख के अनुसार, 'पीएम मोदी साल 2014 में सत्ता विरोधी लहर के सहारे सत्ता में आए थे। वहीं 2019 की जीत में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा का भाव उनके पक्ष में गया और उन्हें जीत मिली। हालांकि यह साफ नहीं है कि क्या भाजपा इस बार 2019 के बहुमत को दोहरा पाएगी या नहीं। भाजपा की राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में जीत पीएम मोदी की लोकप्रियता का सबूत है। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने रणनीतिक रूप से प्रधानमंत्री के चेहरे को प्राथमिकता दी ना कि स्थानीय नेताओं को। प्रधानमंत्री ने विधानसभा चुनाव में दर्जनों रैलियां की और खुद लोगों से पार्टी के लिए वोट मांगा। पीएम मोदी की वोट की अपील का आधार भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ ही उनका राष्ट्रवादी एजेंडा रहा।'

पीएम मोदी आज करेंगे तमिलनाडु और लक्षद्वीप का दौरा

देंगे 21 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो और तीन जनवरी को तमिलनाडु और लक्षद्वीप का दौरा करेंगे। इस दौरान वह कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक, मोदी दो जनवरी को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली पहुंचेंगे और भारतीदासन विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

तिरुचिरापल्ली में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विमानन, रेल, सड़क, तेल और गैस, जहाजरानी और उच्च शिक्षा क्षेत्रों से संबंधित 19,850 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद मोदी लक्षद्वीप के अगत्ती पहुंचेंगे, जहां वह एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। तीन जनवरी को प्रधानमंत्री लक्षद्वीप में दूरसंचार, पेयजल, सौर ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों से संबंधित कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। लक्षद्वीप की अपनी यात्रा के दौरान मोदी 1,150 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

देश में नए साल का जश्न : गोवा-मुंबई और बेंगलुरु में रातभर पार्टी

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नया साल 2024 शुरू हो गया है। लोग अपने परिवार और करीबियों को कॉल और मैसेज के जरिए नए साल की शुभकामनाएं दे रहे हैं। टूरिस्ट और पिकनिक स्पॉट के साथ धार्मिक स्थलों पर भी नए साल की धूम है। देशभर के मॉल, पब और क्लबों में 31 दिसंबर को रातभर पार्टी हुई। इस बार 30 और 31 दिसंबर को वीकेंड के अलावा 1 जनवरी को नया साल होने की वजह से 3 दिन की छुट्टियां हैं। गोवा में समुद्र के किनारे आतिशबाजी के बीच रात के 12 बजे लोगों ने नए साल का स्वागत किया। मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली, गुरुग्राम और कोलकाता जैसे शहरों में भी लोगों ने रातभर पार्टी की। शिमला, मनाली और गुलमर्ग जैसे टूरिस्ट स्पॉट पर लोग पहाड़, जंगल और बर्फ देखने के लिए पहुंचे। इसके चलते मनाली-शिमला में सभी होटल्स लगभग फुल हैं।

श्रीनगर के लाल चौक पर भी नए साल के स्वागत में भारी लोग उमड़े। प्रशासन के मुताबिक, ऐसा नजारा पहले कभी नहीं देखा गया। घंटा घर पर पर्यटन विभाग ने म्यूजिकल प्रोग्राम का आयोजन किया था।

गुजरात में सूर्य नमस्कार का बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

मोढेरा सूर्य मंदिर में 4000 लोगों ने 108 स्थानों पर एक साथ किया सूर्य नमस्कार

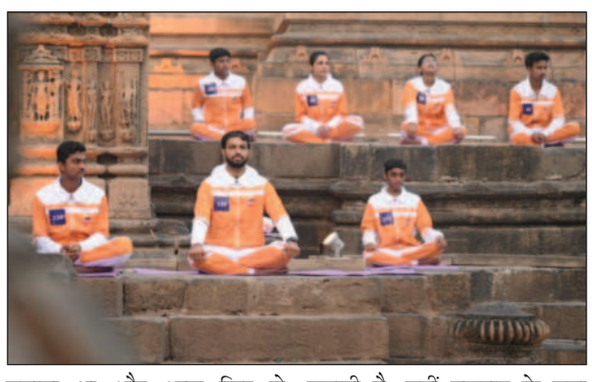

महेसाणा, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल 2024 की पहली सुबह गुजरात के महेसाणा में स्थित मोढेरा सूर्य मंदिर में सूर्य नमस्कार का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। कार्यक्रम में 4000 लोगों ने 108 स्थानों पर एक साथ सूर्य नमस्कार किया। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह मंत्री हर्ष सांघवी भी मौजूद रहे।

4000 से अधिक लोगों ने 'सूर्य नमस्कार' में हिस्सा लिया

मोढेरा सूर्य मंदिर में गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि आज 4000 से अधिक लोगों ने 'सूर्य नमस्कार' में हिस्सा लिया। योग को दुनिया भर में अपनाया जा रहा है। आज गुजरात ने सबसे ज्यादा लोगों के एक साथ सूर्य नमस्कार करने का नया रिकॉर्ड बनाया है। गुजरात के लोगों ने 2023 में सबसे ज्यादा लोगों के एक साथ योग करने का ऐसा ही रिकॉर्ड बनाया था और आज फिर से गुजरात ने विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह कार्यक्रम 108 स्थानों पर आयोजित किया गया था जहां लाखों लोगों ने एक साथ सूर्य नमस्कार किया है।

अनोखी परंपरा के साथ नए साल की शुरुआत

हर्ष सांघवी ने कहा है कि जहां दुनिया परंपरागत रूप से 31 तारीख की आधी रात का जश्न मनाती है, वहीं गुजरात के युवा एक अनोखी परंपरा के साथ नए साल की शुरुआत करते हैं और सूर्य नमस्कार के साथ सूर्योदय का स्वागत करते हैं। यह प्रतीकात्मक इशारा न केवल ऊर्जा का संचार करता है बल्कि एक स्वस्थ, अधिक जीवंत जीवन के प्रति प्रतिबद्धता को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार योग बोर्ड के माध्यम से सूर्य नमस्कार और योग के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करने के प्रयास जारी रखे हुए है। इसका लक्ष्य इन प्रथाओं को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना, गुजरात के लोगों के बीच स्वास्थ्य और दीर्घायु को बढ़ावा देना है।

यह एक नया टाइटल है: डांगरीकर

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के निर्णायक स्वप्निल डांगरीकर ने कहा कि मैं यहां सूर्य नमस्कार करने वाले सबसे अधिक लोगों के रिकॉर्ड को सत्यापित करने के लिए था। यह एक नया टाइटल है, क्योंकि इससे पहले किसी ने भी इस रिकॉर्ड को तोड़ने की कोशिश नहीं की था। सभी सबूतों को देखने और उन्हें मोढेरा में प्रदर्शन करते देखने के बाद उन्होंने कहा कि इन लोगों ने सबसे अधिक लोगों द्वारा सूर्य नमस्कार करने का नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सफलतापूर्वक बनाया है।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड जारी, अभी नहीं मिलेगी निजात

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर भारत के सात राज्यों में 2023 के आखिरी दिन गलन वाली ठंड रही। नए साल का आगाज भी कड़ाके की ठंड में हो रहा है। कई इलाकों में घने कोहरे से रेल, हवाई और सड़क परिवहन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिन में लोगों को भीषण ठंड और घने कोहरे का सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में रविवार को हाड़ कंपा देने वाली ठंड रही। बादल छाए रहे और सूरज नहीं निकला। श्रीनगर व अनंतनाग में पारा माइनस 3.4 डिग्री और गुलमर्ग में माइनस 3.5 डिग्री दर्ज किया गया। सड़कों पर वाहन रेंग-रेंग कर चले। कोहरे के कारण ट्रेनें भी घंटों से गंतव्यों पर पहुंचीं। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ व यूपी के कुछ हिस्सों में 2 जनवरी की सुबह और कुछ क्षेत्रों में उसके बाद तीन दिन बहुत घना कोहरा छाने की संभावना है।

दो दिन पड़ेगी भीषण सर्दी

मौसम विभाग के अनुसार, नए साल में पहले दो दिन पंजाब, हरियाणा, यूपी और उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में भीषण ठंड पड़ सकती है। घने कोहरे की संभावना है। यूपी, राजस्थान व मध्य प्रदेश में 1 जनवरी, पंजाब व हरियाणा में 2 से 4 जनवरी के बीच हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, तमिलनाडु, दक्षिण केरल व लक्षद्वीप में 4 जनवरी तक बारिश का अनुमान है।

लोगों के लिए अच्छा करेंगे तो जेल जाना पड़ेगा

भाजपा-कांग्रेस ने हमारे गारंटी-मैनिफेस्टो शब्द चुराए इन्होंने गारंटियां दीं, पर पूरी नहीं कीं : केजरीवाल

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार (31 दिसंबर) को कहा कि लोगों के अच्छा काम करेंगे तो आपको जेल जाना पड़ेगा। केजरीवाल ने ये बातें पार्टी की 12वीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कहीं। वे बैठक में वर्चुअली जुड़े थे।

दिल्ली के सीएम ने ये भी कहा कि उन्होंने भी गारंटियां दीं, लेकिन पूरी नहीं कीं। भाजपा और कांग्रेस ने हमारा 'गारंटी' और 'मैनिफेस्टो' शब्द तक चुरा लिया। अब ये लोग 'मोदी की गारंटी' और 'कांग्रेस की गारंटी' कहने लगे हैं। इन्होंने गारंटियां तो दीं, लेकिन किसी ने पूरी नहीं की। क्योंकि इनकी नीयत ठीक नहीं है। जबकि हम अपनी गारंटियां पूरी कर रहे हैं। केजरीवाल ने ये भी कहा कि हमारी पार्टी इंडिया का हिस्सा है। हमें सीट शेयरिंग में जितनी सीटें मिलेंगी, हम उतनी सीटों पर अच्छे से चुनाव लड़ेंगे। हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि कि हम वो सभी सीटें जीतें।

केजरीवाल ने पार्टी वर्कर्स को संबोधित करते हुए कहा- लोकसभा चुनाव में हम इंडिया के लिए जमकर प्रचार करेंगे। जिन राज्यों में आप चुनाव नहीं लड़ेगी, उन राज्यों के पार्टी वॉलंटियर्स दूसरे राज्यों में जाकर पार्टी को सपोर्ट करेंगे। हालांकि, आप को इंडिया का हिस्सा बताने के बावजूद केजरीवाल ने कांग्रेस की आलोचना भी की। उन्होंने कहा- कांग्रेस और भाजपा दोनों बड़ी पार्टियां ने देश पर 75 साल राज किया। ये लोग ऐसे ही इतनी आसानी से सत्ता नहीं छोड़ेंगे। केजरीवाल ने कहा-आप ने पिछले 12 साल में वह कर दिखाया जो दूसरी पार्टियां 75 साल में नहीं कर पाईं। देश की 1,350 राजनीतिक दलों के बीच आप तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। अगर हम सफल नहीं होते और कुछ अच्छा नहीं करते तो हमारी पार्टी के नेता जेल नहीं जाते। केजरीवाल ने सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, विजय नायर और चैतर वसावा को लेकर कहा- आज जो 5 आप नेता जेल में हैं, वे हमारे हीरो हैं और हमें उन सभी पर बहुत गर्व है। हमने जनता की भलाई के लिए जिन रास्तों को चुना है, उसमें हमें जेल जाना पड़ेगा। दिल्ली शराब नीति घोटाले में मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और विजय नायर जेल में हैं। इसी मामले में ईडी ने केजरीवाल को 3 जनवरी को पेश होने के लिए कहा है।

सीएम ने सुरक्षा बलों पर हो रहे हमलों पर जताई चिंता

कहा-दिल्ली जाकर नेताओं को स्थिति से अवगत कराएंगे

इंफाल, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य के सुरक्षा बलों पर हो रहे हमले पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दिल्ली जाकर वहां केंद्रीय नेताओं को यहां की स्थिति से अवगत कराएंगे।

सोशल मीडिया पर दी जानकारी

सीएम सिंह का बयान तब आया जब शनिवार को टेंग्नोपाल जिले के मोरेह में हमले के दौरान पांच पुलिस कमांडर घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हवाई मार्ग से इंफाल पहुंचाया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बीरेन सिंह ने कहा, 'मौजूदा समय में राज्य सुरक्षा बलों पर हो रहे ये हमले एक गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा बन गया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए राज्य और केंद्रीय सुरक्षा बल लगातार कोशिश कर रहे हैं।'

दिल्ली जाएंगे प्रतिनिधिमंडल

मणिपुर के सीएम ने रविवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ए शारदा देवी, मंत्री, विधायक और पार्टी के अन्य नेताओं से राज्य की स्थिति को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर बात करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली भेजा जाएगा जो वहां केंद्रीय मंत्रियों से बात करेंगे। बीरेन सिंह ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी है।

रोचक खबरें

22 साल की लड़की ने की थी 57 के बूड्ढे से शादी

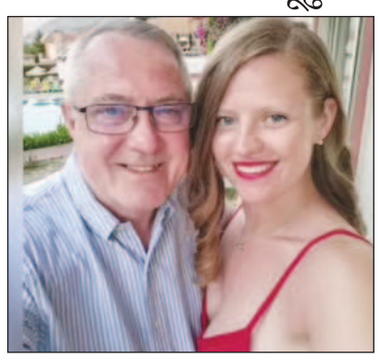

जब पैदा हुई तब पति था 35 का, अब 10 सालों से हैं साथ-साथ!

दुनियाभर में कई ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अपने से बड़े उम्र के लोगों से शादी की. इनमें से कुछ लोगों का रिश्ता पहले की तरह खुशहाली से भरा है तो कुछ लोगों के रास्ते अलग हो गए. हालांकि, उम्र का फासला 8-10 सालों का होता है, तब भी यह दिक्कत आती है. लेकिन आज हम जिस महिला के बारे में बताने जा रहे हैं, उसने अपने से 35 साल बड़े शख्स से शादी की. ऐसे समझिए कि जब महिला पैदा हुई होगी, तब उसके पति की उम्र 35 साल होगी. हालांकि, इस रिश्ते पर लोग कई बार सवाल उठाते हैं, लेकिन इस महिला को इन बातों का कोई फर्क नहीं पड़ता.

महिला का नाम केली लिजा मैरी विल है, जो 32 साल की हैं. केली ने बताया कि जब 35 साल बड़े शख्स के साथ रिलेशनशिप की शुरुआत हुई तब लोगों ने कहा कि ये रिश्ता टिक नहीं पाएगा. इतना ही नहीं, लोगों ने यह तक कहा था कि सिर्फ पेंशन के पैसे की खातिर महिला ने बूढ़े शख्स को चुना है. हालांकि, वे उन लोगों को गलत साबित करने पर तुली हैं, जो ऐसे भद्दे कमेंट्स कर रहे थे. केली ने बताया कि फिलहाल उसका पति 67 साल का है, लेकिन 10 साल पहले इन दोनों की मुलाकात हुई थी. तब पति की उम्र 57 साल थी तो वो महज 22 साल की थी. हाल ही में सोशल मीडिया पर केली ने मएक वीडियो शेयर किया है और लिखा है कि 10 साल एक झटके में गुजर गए और पता भी नहीं चला. केली का ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होते ही वायरल हो गया. इस वीडियो के साथ केली ने एडेले के सुपरहिट गाने के ऑडियो को अटैच किया है. वीडियो में केली ने अपने पार्टनर के साथ पुरानी तस्वीर को भी शेयर किया है. साथ ही लिखा है कि जब हम जवां थे, यह उसकी याद दिलाता है. एक अन्य वीडियो में केली ने अपने पार्टनर के साथ उम्र के फासले का जिक्र करते हुए लिखा है कि लोगों को लगता है कि हमारा रिश्ता नहीं चलेगा, लेकिन शादी के 6 साल हो गए और यह रिलेशन और मजबूत बनता जा रहा है.

2024 में सूर्य पर 'उतरेगा' ये अंतरिक्ष यान !

195 किलोमीटर प्रतिसेकेंड होगी रफ्तार, नासा ने बताई तारीख

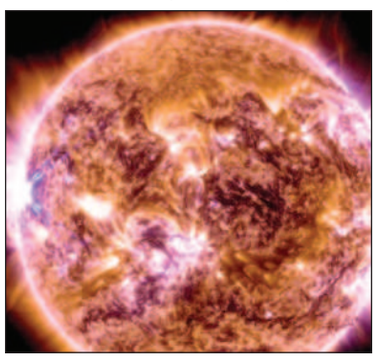

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो (इसरो) ने नए साल के पहले ही दिन एक्सपोसैट सैटेलाइट लॉन्च कर दुनिया में तहलका मचा दिया है. इस मिशन के जरये भारत ब्लैक होल्स और सुपरनोवा जैसी सुदूर चीजों के बारे में पता लगाने की कोशशि करेगा. इस तरह के मिशन पर जाने वाला भारत अमेरकिा के बाद दुनयिा का दूसरा देश बन गया है. बात सिर्फ यहीं खत्म नहीं होती, 2024 अंतरक्षि में दुनयिा में हलचल मचाने वाला साल होगा. अमेरकिी अंतरक्षि एजेंसी नासा (नासा) ने ऐलान कयिा कि इसी साल उनका अंतरक्षि यान पार्कर सोलर प्रोब आग की तरह धधकते सूर्य पर उतरेगा. तब उसकी रफ्तार 195 कलिोमीटर प्रतसिेकेंड होगी. नासा ने जो खुलासे कए हैं, वे हैरान करने वाले हैं.

न्यूयॉर्क से लंदन की दूरी सिर्फ 30 सेकेंड में

नासा पार्कर सोलर प्रोब परयिोजना के साइंटिस्ट डॉ नूर राउफी ने बीबीसी से बातचीत में उस तारीख का भी खुलासा कयिा जब पहली बार को कोई अंतरक्षि यान सूर्य पर उतरने जा रहा है. उन्होंने कहा, 24 दिसंबर, 2024 को पार्कर सोलर प्रोब सूर्य के सबसे करीब पहुंचेगा. इतने करीब आज तक कोई भी मानव निर्मित वस्तु नहीं पहुंची है. उस समय अंतरक्षि यान की गत 195 कलिोमीटर प्रत सिेकंड या 435,000 मील प्रति घंटे होगी. पार्कर सोलर प्रोब की स्पीड को आप ऐसे समझ सकते हैं कि न्यूयॉर्क से लंदन की दूरी सिर्फ 30 सेकेंड में तय हो जाएगी. यह सूर्य पर उतरने की तरह ही होगा. क्योंकि उसके तल पर जाने वाली कोई भी मशीन अब तक नहीं बनी. पार्कर सोलर प्रोब सूर्य की उबलती सतह से अभी 61 लाख किलोमीटर दूर है.

पुलिस की गाड़ी चुराकर घूमने निकल गया शख्स !

वीडियो बनाकर उड़ायी अधिकारियों की नींद

वाहन चोरी की घटना इन दिनों आम बात है। हम आए दिन सोशल मीडिया पर चोरी के कई वीडियो देखते रहते हैं। लेकिन इस बार चोरी की एक ऐसी घटना सामने आयी जिसे सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। दरअसल गुजरात के एक खतरनाक चोर ने पुलिस की ही गाड़ी चुरा ली। बताया जा रहा है कि चोर ने थाना परिसर में खड़ी पुलिस की गाड़ी को उड़ाया और उसी गाड़ी से सैर करने निकल गया। रिपोर्ट के मुताबिक घटना गुजरात के द्वारका की है, जहां मोहित शर्मा नाम का एक चोर पुलिस की आधिकारिक महिंद्रा बोलेरो लेकर स्टेशन परिसर से भाग गया। हालांकि अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई के कारण उसे जल्द ही जाम नगर में पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, मोहित मोटरसाइकिल से द्वारका पहुंचा। शहर पहुंचने के बाद, उसने पुलिस स्टेशन के पास मोटरसाइकिल रोकी और परिसर के अंदर खड़ी महिंद्रा बोलेरो के साथ भाग गया। स्टेशन पर पुलिस गाड़ी के लिए जिम्मेदार ड्राइवर ने कुछ देर बाद देखा कि गाड़ी गायब है।

एसयूवी की गायब होने पर विभाग ने पोरबंदर और जामनगर पुलिस स्टेशनों सहित पड़ोसी पुलिस स्टेशनों और गश्ती इकाइयों को सतर्क कर दिया। सीसीटीवी फुटेज की जांच में देखा गया कि एसयूवी कुरंगा और खंबालिया में टोल गेट को पार कर गई थी। बता दें कि इस चोर ने कार को करीब 200 किलोमीटर तक चलाया। कार चुराने के बाद उसने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बोलेरो के साथ सेल्फी भी शेयर की। पुलिस की बोलेरो का फ्यूल टैंक भरा हुआ था, इसलिए शख्स ने यात्रा के दौरान ईंधन भरने के गाड़ी नहीं रोकी। हालांकि चोर को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है, पुलिस कार्रवाई कर रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 2 जनवरी, 2024 3

युविचार

जिंदगी में अपनेपन का पौधा लगाने से पहले जमीन परख लेना क्योंकि, हर मिट्टी की फितरत में वफा नहीं होता।

नशीले पदार्थ रखने के आरोप में पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर की टास्कफोर्स, दक्षिण पूर्व जोन टीम के साथ चदरघाट पुलिस ने एमडीएमए (एम्फेटामाइन) ड्रग रखने वाले पांच लोगों को गिरफ्तार कियाविा। श्वसनीय सूचना पर, कमिश्नर टास्कफोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने चदरघाट पीएस के कर्मचारियों के साथ नशीला पदार्थ रखने के आरोप मे आयशा फिरदौस, क़िज़रुद्दीन अनस, मोहम्मद अफ्फान अयाज़ खान और शाबाज़ शरीफ को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से पुलिस ने प्रतिबंधित पदार्थ 8 ग्राम एमडीएमए (एम्फेटामाइन) ड्रग जब्त किया है।

सभी आरोपी हैदराबाद के रहने वाले है। सूचना आयुक्त की टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन की टीम ने चदरघाट पुलिस के साथ आयशा फिरदौस उर्फ फिरदौस नाम की एक महिला ड्रग तस्कर को प्रतिबंधित पदार्थ यानी एमडीएमए के साथ चदरघाट पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत नलगोंडा एक्स रोड पर गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ करने पर उसने बताया कि, कुछ दिन पहले वह मुंबई गई थी और 8 ग्राम एमडीएमए ड्रग लेकर आई थी और जरूरतमंद ग्राहकों को सप्लाई करती थी। नए साल के मौके पर वह मुंबई गई और सैदाबाद क्षेत्र के चार छात्रों के लिए एमडीएमए दवा खरीदी। सूचना के आधार पर दक्षिण-पूर्व जोन टास्कफोर्स और चदरघाट पुलिस ने एक महिला तस्कर और चार दलालों को पकड़ा।

तेलंगाना के शराबी 4 दिनों में पी गये 750 करोड़ रुपये की शराब

31 दिसंबर को 125 करोड रुपये शराब की बिक्री हुई

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नए साल से ठीक चार दिन पहले, तेलंगाना में शराबियों ने शराब की बिक्री के माध्यम से राज्य सरकार को 750 करोड़ रुपये की कमाई करने में मदद की। नए साल की पूर्व संध्या 31 दिसंबर को 125 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। तेलंगाना राज्य पेय पदार्थ निगम (टीएसबीसी) ने 2023 के आखिरी दिन लगभग 135 करोड़ रुपये से 150 करोड़ रुपये की बिक्री का अनुमान लगाया था। हालांकि, नए साल की पूर्व संध्या से पहले के दिनों में बेहतर बिक्री देखी गई, आंकड़ों में बढ़ोतरी देखी गई।30 दिसंबर तक जहां 28 दिसंबर को बीयर समेत 133 करोड़ रुपये की शराब बिकी, वहीं 29 दिसंबर को बिक्री का आंकड़ा 179 करोड़ रुपये तक पहुंच गया और 30 दिसंबर को बढ़कर 313 करोड़ रुपये हो गया। तेलंगाना सरकार नए साल के जश्न के दौरान 31 दिसंबर को शराब की बिक्री से 125 करोड़ रुपये की भारी कमाई करने में कामयाब रही। दरअसल, पिछले चार दिनों में राज्य में %50 करोड़ रुपये की शराब बिक्री दर्ज की गई। तेलंगाना राज्य पेय पदार्थ निगम (टीएसबीसी) ने 2023 के आखिरी दिन लगभग 135 करोड़ रुपये से 150 करोड़ रुपये की बिक्री का अनुमान लगाया था। बिक्री के आंकड़ों में बढ़ोतरी देखी गई, 28 दिसंबर को 133 करोड़ रुपये, 179 रुपये दर्ज किए गए। 29 दिसंबर को करोड़, 30 दिसंबर को 313 करोड़ रुपये और 31 दिसंबर को 125 करोड़ रुपये शराब की बिक्री हुई।उत्पाद शुल्क अधिकारियों के मुताबिक, 31 दिसंबर को 19 सरकारी डिपो से 1.30 लाख कार्टन शराब और 1.35 लाख कार्टन बीयर की बिक्री हुई।

शहर में शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 3,258 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी सीमा सहित राज्य भर में नए साल की पूर्व संध्या का जश्न मनाया गया। राज्य के लोगों ने वर्ष 2023 को अलविदा कहा और नए साल 2024 का स्वागत किया। युवा पुरुषों और महिलाओं, बच्चों और वयस्कों ने नए साल के जश्न में भाग लिया और वर्ष 2024 का स्वागत किया।

नए साल के जश्न के दौरान युवाओं को नाचते, बाइक रैलियां निकालते, केक काटते और पटाखे फोड़ते देखा गया। कुछ लोग शराब के नशे में दिखे। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों को पुलिस ने जमकर फटकारा। हैदराबाद में बड़ी संख्या में शराब के शौकीनों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।

नए साल के जश्न के दौरान पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों की व्यापक जांच की। कई स्थानों पर वाहन चालकों की पुलिस से नोकझोंक हुई। पुलिस ने तीनों कमिश्नरेट सीमा में 3258 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने रचाकोंडा सीमा में 517 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए। उन्होंने साइबराबाद कमिश्नरी सीमा में शराब के नशे में गाड़ी चलाने के लिए दो महिलाओं सहित 1,239 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए। 938 दोपहिया वाहन, 21 ऑटो रिक्शा, 275 कारें और सात भारी वाहन जब्त किए गए।

तेलंगाना के डीजीपी रवि गुप्ता ने आज राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

एमजीबीएस में नए साल का जश्न, सज्जनार ने यात्रियों के साथ काटा केक

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के अधिकारियों ने सोमवार को यहां एमजीबीएस परिसर में नया साल मनाया। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार मुख्य अतिथि थे। उन्होंने यात्रियों और चालक दल के साथ केक काटा और सभी को नए साल की शुभकामनाएं दीं। इससे पहले दिन में वह एमजीबीएस गए और यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने बेंगलुरु और कोडाडा जाने वाली बसों में यात्रा करने वालों से बात की। उन्होंने यात्रियों को गुलाब के फूल खिलाए और उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल यात्रियों ने निगम का बहुत समर्थन किया था। पिछले साल की तरह इस साल भी यात्रियों की सहानुभूति उनके निगम को सपोर्ट करनी चाहिए. उन्होंने उम्मीद जताई कि इस नये साल में भी निगम को अच्छे नतीजे मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई महालक्ष्मी मुफ्त बस यात्रा सुविधा योजना को सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। अब तक 6.60 करोड़ से अधिक महिलाओं को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाया गया है। घोषणा के 48 घंटों के भीतर योजना को पूरे राज्य में लागू कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि यह कर्मचारियों के सहयोग से ही संभव हो सका है।

उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन के साथ, उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि टीएसआरटीसी कर्मचारी उनकी प्रतिबद्धता, ईमानदारी और अनुशासन का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने महालक्ष्मी योजना के शांतिपूर्ण कार्यान्वयन के लिए संगठन को बधाई दी है और कहा कि उन्होंने सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है।

सज्जनार ने कहा कि यात्री और कर्मचारी टीएसआरटीसी के लिए दो आंखों की तरह हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के नौ लंबित डीए मंजूर कर दिए गए हैं और शेष बकाया जल्द ही चुका दिया जाएगा, जबकि कर्मचारियों को उनके बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी प्रबंधन ने यात्रियों की भीड़ को पूरा करने के लिए और अधिक नई बसें खरीदने का फैसला किया है और कहा कि सरकार ने चरणबद्ध तरीके से यात्रियों को नई बसें उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। सज्जनार ने इस अवसर पर निगम का समर्थन करने वाले यात्रियों को सम्मानित किया। स्वाति, नारायण, मल्लेश, गोपाल रेड्डी और शाहबुद्दीन को शॉल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में टीएसआरटीसी के सीवीओ डॉ. रविंदर, कार्यकारी निदेशक मुनि शेखर, कृष्णकांत, पुरूषोत्तम, वेंकटेश्वरलू, वित्त सलाहकार विजया पुष्पा, सीएमई रघुनाथ राव, सीईआईटी राजा शेखर, रंगारेड्डी आरएम श्रीधर और अन्य आरटीसी अधिकारियों ने भी भाग लिया।

कैलेण्डर की तरह जीवन की दिशा बदलने की जरूरत : साध्वी डॉ. मंगल प्रज्ञा

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जैन तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी और श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में महाश्रमण वाटिका शमशाबाद के कल्पतरू हाल में साध्वीश्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी द्वारा नववर्ष 2024 के शुभारम्भ पर जैन प्रभावक मंत्रों के साथ बृहद् मंगल पाठ का श्रावण करवाया गया। हैदराबाद, सिकन्दराबाद के लगभग सभी क्षेत्रों के श्रावक-श्राविकाओं ने इस भव्य आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज की। इस अवसर पर साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी ने कहा कि नए वर्ष का शुभागमन हम सबको शक्ति, शान्ति और आनंद के संकल्प ग्रहण की प्रेरणा दे रहा है। जीवन में नवीनता और रमणीयता धारण करने का निमंत्रण दे रहा है। जब नया वर्ष मनाते है पूराना कैलेण्डर बदल दिया जाता है और नए वर्ष का कैलेण्डर लगाया जाता है। पर आवश्यकता है कैलेण्डर की तरह जीवन की दिशा बदले। जो खामियां आचार व्यवहार में दूरियां और कटुता पैदा कर रही हैं उन्हें जीवनपथ से हटाने की कोशिश करें। इस अवसर पर मंगल भावना की श्रृंखला में तेरापंथ वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महेन्द्र भंडारी, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बाबुलाल बैद, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार सुराना, महिला मंडल अध्यक्षा कविता आच्छा, युवक परिषद अध्यक्ष निर्मल दुगड़, श्रीमती चांद बैद ने अपने मंगल उद्गार व्यक्त किए।

होटल कर्मचारियों ने किया कस्टमरों पर हमला

हैदराबाद, 1 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद के ग्रैन्ड होटल कर्मचारियों ने कस्टमरों पर हमला किया। जिन पीडित कस्टमरों या ग्राहकों पर हमला किया गया, उनकी पहचान धूलपेट से संबंधित के रूप में की गई। इस पर अपनी कडी प्रतिक्रिया देते हुए विधायक राजसिंह ने ग्रांड होटल पर हमला करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की एवं उन्होने आबिड्स थाना सीआई से होटल मालिक व हमला करने वालों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की।

इस मामले में पुलिस ने आगे बताया कि, धूलपेट का परिवार जो नए वर्ष उत्सव पर एबिड्स ग्रैंड होटल पहुंचकर बिरयानी का ऑर्डर दिया, पर बिल चुकाने के दौरान बिरयानी ठीक से नहीं बनी मामले पर बहस होकर मारपीट भी हुई। इसके चलते ग्रान्ड होटल स्टाफ ने ग्राहकों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। परिणास्वरूप ग्राहकों के काफी चोटें आयी। इस आपराधिक घटना को लेकर विधायक राजा सिंह गंभीर होकर इस हमले की कडी आलोचना की। पुलिस ने कहा कि इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

वाईएस शर्मिला के बेटे की शादी 17 फरवरी को

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएस शर्मिला के बेटे की शादी, जो अब तक सोशल मीडिया की खबरों तक ही सीमित थी, अब आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा कर दी गयी है। वाईएस शर्मिला ने आधिकारिक तौर पर ट्वीट किया कि उनके बेटे की शादी 17 फरवरी को होगी।

अमेरिका की डलास यूनिवर्सिटी से पढ़ाई पूरी करने वाली वाईएस शर्मिला के बेटे वाईएस राजरेड्डी और एटलुरी की बहू चैटमिस के मुखिया प्रसाद एटलुरी के बीच चार साल प्रेम-प्रसंग तल रहा था। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर खबरें आ रही थीं कि दोनों शादी करने वाले हैं। लेकिन अभी तक दोनों परिवारों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। अब वाईएस शर्मिला ने अपने बेटे के प्रेम विवाह मामले पर आधिकारिक तौर पर प्रतिक्रिया दी है। दोनों की सगाई और शादी की तारीखों का ऐलान हो चुका है।

पुलिस ने चार मनोरोगियों को गुजरात से बचाया

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त सीपी अपराध और एसआईटी, हैदराबाद शहर के अनुरोध पर नगर पुलिस आयुक्त हैदराबा के. श्रीनिवास रेड्डी, डीसीपी, महिला सुरक्षा विंग ने एक टीम को गुजरात (मानव ज्योत आश्रम, कच्छर भुज, गुजरात में) भेजा। एक गीता वरिष्ठ पत्रकार, हैदराबाद की सहायता से चार तेलुगु मनोरोगियों / मानसिक रूप से विकलांग पीड़ितों) की मदद किया। ऐश्वर्या, उम्र लगभग 55 वर्ष, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश के गोपू (लक्ष्मी) उम्र लगभग 48 वर्ष, स्वीटी उम्र करीब 41 साल, 45 वर्षीय नूरा को गुजरात राज्य के एक मानव ज्योत एनजीओ द्वारा बचाया गया और बाहरी प्रयासों से उन्हें पुलिस सुरक्षा के तहत हैदराबाद में सुरक्षित रूप से स्थानांतरित कर दिया गया। उन्हें सयोध्या होम फॉर वूमेन इन नीड एनजीओ को सौंप दिया गया, जो आगे आए। अपनी जिम्मेदारी व्यक्त करते हुए भविष्य में उनका इलाज और देखभाल करने की इच्छा जताई। इंस्पेक्टर एएचटीयू रवि ने समय-समय पर टीम की मॉनिटरिंग की। इस संबंध में सभी से अनुरोध है कि शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग लोगों के प्रति अपनी एकजुटता बढ़ाएं।

लोअर टैंकबंड स्थित जगदीश मंदिर में नव वर्ष पर श्री अग्रसेन महाराज जी की मूर्ति की पूजा-अर्चना करती हुईं अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, प्रीति गोयल, संगीता जाजोदिया, रितु गोयल एवं पवन भुवानिया।

समाज में दर्पण सा कार्य करती श्रीलाल शुक्ल की कृतियां : पं. श्रीराम तिवारी

सोद्देश्य व्यंग्यकार श्रीलाल शुक्ल विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीलाल शुक्ल स्मारक राष्ट्रीय संगोष्ठी समिति, हैदराबाद तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान हैदराबाद केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में सोद्देश्य व्यंग्यकार श्रीलाल शुक्ल विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आई.पी.एस. (से.नि.), आंध्र प्रदेश सरकार, पं. श्रीराम तिवारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि याद करने से व्यक्ति जीवित रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की परम्परा रही है सत्य की खोज। उन्होंने कहा श्रीलाल शुक्ल की कृतियाँ समाज में दर्पण का कार्य करती हैं। कृतियों को सिर्फ पढ़ना और समस्याओं की चर्चा करना ही काफी नहीं है बल्कि उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास भी करना चाहिए। प्रमुख वक्ता डॉ. आशा मिश्रा ने कहा कि श्रीलाल शुक्ल ने अपनी कालजयी कृति राग दरबारी में शिवपालगंज नामक एक साधारण गाँव को एक चरित्र बना दिया। उन्होंने श्रीलाल शुक्ल के कई उपन्यासों की चर्चा करते हुए कहा कि राग दरबारी उपन्यास इतना चर्चित हुआ कि उसने श्रीलाल शुक्ल की अन्य कृतियों को दबा दिया। डॉ. सुपर्णा मुखर्जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज मूल्य हीनता से ग्रसित है, सुधार पहले भी नहीं था और आज भी नहीं है। साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति, हैदराबाद की संस्थापक अध्यक्षा डॉ. अहिल्या मिश्रा ने संदेश के माध्यम से संयोजिका एवं चि. आकाश तिवारी को अपना आशीर्वाद दिया। सथ ही उत्तर भारत भारतीय संघ के संस्थापक सदस्य एवं प्रथम महामंत्री स्व. पं. बाला प्रसाद तिवारी को स्मरण करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. गंगाधर वानोडे ने कहा कि श्रीलाल शुक्ल एक विलक्षण गद्यकार हैं। वे किरदार नहीं मनुष्य को रचते हैं। उन्होंने आगे कहा कि श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों की काफ़ी चर्चा हुई है। प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने अपने सुझाव में कहा कि साहित्य का कार्य सुधार करना नहीं है, सुधार के लिए प्रेरित करना है। आगे उन्होंने कहा कि केवल लिखना और पढ़ जाना ही काफी नहीं है, उसे आचरण में लाना और समस्याओं को सुधारने के लिए प्रयत्नशील रहना व प्रयास करना। आगे उन्होंने कहा कि शिक्षा के बावजूद नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि न्यायिक अधिकारी हैदराबाद के ठाकुर गोपाल सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि गाँव में आज भी भ्रष्टाचार हो रहा है। इसी श्रृंखला में सम्माननीय अतिथि के. सार्वभौमा राव, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट (भारत) नई दिल्ली ने आयोजन की सफलता की कामना करते हुए संदेश भेजा।

कार्यक्रम का आरंभ शंखनाद एवं सरस्वती वंदना से हुआ जिसे अभियन्ता चि.आकाश तिवारी एवं चि.श्याम के सहयोग से पूर्ण किया गया। विषय प्रवर्तक, तथा कार्यक्रम की संयोजिका, अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा (रजि.) कानपुर की राष्ट्रीय अध्यक्षा (महिला प्रकोष्ठ) डॉ.सीमा मिश्रा ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB0003

प्रपत्र 10-01

सार्वजनिक अधिसूचना

एतद्वारा दमरे के निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि, तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को तत्संबंधित निर्दिष्ट तिथि को या इसके बाद उर्जावान(एनर्जाइज) किया जायेगा। अतः तत्संबंधित निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनों को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइनों के निकट न पहुंच सकेगा न कोई कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शन	दिनांकः
ब्रेक वैन साइडिंग के साथ संशोधित वर्तमान एससीसीएल साइडिंग का विद्युतीकरण एवं सिकंदराबाद डिवीजन के काजीपेट-बल्हारशाह सेक्शन में आसिफाबाद रोड स्टेशन से रवाना होनेवाली न्यू इंजन एक्सेप लाइन, ट्रैक्शन मास्ट स्थान से:एसीसीएल/2(सीएचः/842.146) से स्थानः एसीसीएल/41 एंड 42(सीएचः 2515.376)	05.01.2024

A0003 वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/टीआरडी/सिकंदराबाद

NOTICE

IN THE COURT OF THE HONBLE 1st SENIOR CIVIL JUDGE CITY CIVIL COURT : HYDERABAD OS NO : 145 OF 2023

BETWEEN :-

Smt. Supriya W/o. Sourabh Baid & 3 others. ...Plaintiff/Petitioner's 1 to 3.

AND

Sri. Manish Gour S/o. Sri Prakash Gour. .... Defendent/Respondent No. 4.

To,

(D-4) **Sri. Manish Gour S/o. Sri Prakash Gour,** Aged about : 42 years, Occ : Manager: Shree Jain Seva Sangh, R/o H.No 108, Jaya Residency, Surya Nagar Colony, Medchal Hyderabad. 501401.

Please Take Notice that the above Plaintiff's has filed the above Suit for Order VII Rule I R/w Section 26 of CPC, Suit for Compensation of Rs. 50,00,000/- (Rupees Fifty Lakhs Only) for Death of father of Plaintiff No.1(Late Kamal Bachawat) and Wife & Son of Deceased due to negligence of Defendants. The said suit matter is Posted on 23-01-2024 at 10:30 A.M for your appearance. You are requested to appear in person or through your Counsel on said date and time without fail. Otherwise the matter will be decided as per the law.

//BY ORDER OF THE COURT// Sd/- P.Pradeep kumar & Hari Prasad, Advocate's # Flat No. 803, 8 th Floor Raghav Ratna Towers, Abids, Hyderabad (T.S)-01. Ph.No. 7777934793

आईआईटी-वीएचयू रेप केस

3 दिन बाद आरोपियों ने शहर छोड़ा था

मध्यप्रदेश में सोशल मीडिया जॉइन किया; 5वें दिन पीड़ित ने फुटेज से पहचाना था

वाराणसी, 1 जनवरी (एजेंसियां)। आईआईटी-बीएचयू में बीटेक छात्रा से गैंगरेप के तीनों आरोपियों ने वारदात के 3 दिन बाद यानी 5 नवंबर को शहर छोड़ दिया था। वे मध्य प्रदेश चले गए थे। तीनों आरोपियों से पूछताछ में यह बात सामने आई है। आरोपियों ने बताया कि आईआईटी-बीएचयू में छात्रों के जबर्दस्त प्रदर्शन के बाद वे डर गए थे। घटना 1 नवंबर आधी रात के बाद की है।

सूत्रों के मुताबिक, तीनों आरोपी कुणाल, सक्षम और आनंद उर्फ अभिषेक से शुरुआती पूछताछ में यह भी पता चला कि वो लोग करीब हर रात घूमने के लिए बीएचयू कैंपस जाते थे। 1 नवंबर की शाम नाटी इमली के लक्खा मेले को देखकर निकले। इसके बाद उन्होंने पहले शराब पी, फिर बीएचयू कैंपस पहुंचे। वहां, रात करीब 1.30 बजे लड़की को दोस्त के साथ टहलता देख तीनों ने बुलेट रोक ली। पीड़ित के दोस्त को भगा दिया। फिर जोर-जबर्दस्ती की। वारदात को अंजाम देने के बाद बीएचयू के हैदराबाद गेट से तीनों बाहर निकल गए।

1 नवंबर की वारदात के बाद वाराणसी पुलिस ने 6 किमी तक 300 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज चैक किए। सूत्रों के मुताबिक, 5 नवंबर को पुलिस को बुलेट पर सवार इन तीनों आरोपियों का फुटेज मिला। कन्फर्म होने के बाद पुलिस ने पीड़ित को सीसीटीवी दिखाया। विक्टिम ने फुटेज देखकर आरोपियों के चेहरे पहचान लिए। बताया कि यही वे तीनों लोग थे, जिन्होंने गन पॉइंट पर न्यूड वीडियो बनाया।

गैंगरेप के तीनों आरोपी

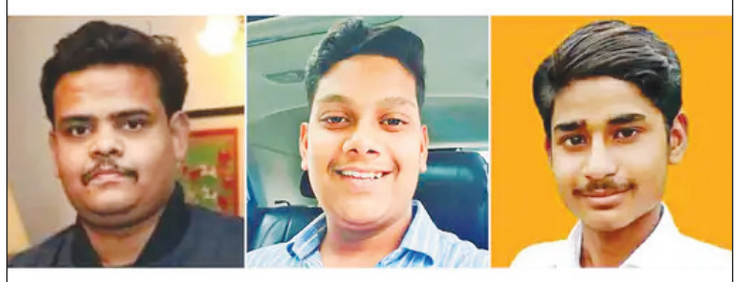

कुणाल पांडेय	सक्षम पटेल	आनंद उर्फ अभिषेक चौहान
संयोजक	सह-संयोजक	कार्य समिति सदस्य
BJP IT सेल	BJP IT सेल	BJP IT सेल
वाराणसी महानगर	वाराणसी महानगर	वाराणसी महानगर

पुलिस कड़ियां जोड़ते हुए आरोपियों तक पहुंची

आरोपियों के चेहरे कन्फर्म होने के बाद पुलिस ने उनकी शिनाख्त शुरू की। उनका नाम-पता और अन्य चीजों की जानकारी जुटाई। सीसीटीवी फुटेज इकट्ठा किए। तीनों आरोपियों का मोबाइल नंबर पता चलने के बाद वारदात के वक्त उनकी लोकेशन ट्रेस की। आपस में यह सभी कड़ियां जुड़ती चली गईं। इधर, 5 राज्यों में नवंबर में चुनावी सरगर्मी बढ़ी हुई थी। ऐसे में तीनों आरोपियों को मध्य प्रदेश चुनाव में बीजेपी सोशल मीडिया का काम मिल गया। हालांकि, पुलिस इस पूरे केस पर नजर बनाए हुए थी। इलेक्ट्रॉनिक सबूत जुटाती रही। वहीं, तीनों आरोपी आश्वस्त हो गए कि अब पुलिस उन तक नहीं पहुंच पाएगी। हालांकि, सारी कड़ियां मिलने और कन्फर्म होने के बाद 30 दिसंबर को पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी कुणाल, सक्षम और आनंद से पूछताछ में सामने आया कि 1 नवंबर की शाम नाटी इमली के लक्खा मेले को देखने पहुंचे थे। वहां से बीएचयू कैंपस पहुंचे और वारदात को अंजाम किया। सूत्रों के मुताबिक, तीनों आरोपी जब बीएचयू के हैदराबाद गेट से बाहर निकले तो वहां लगे सीसीटीवी में ट्रेस हो गए। नाइट विजन कैमरा नहीं होने से फुटेज क्लीयर नहीं आई। पुलिस ने बीएचयू के सिंह द्वार के बाहर लगे सीसीटीवी को चैक किया। उसमें बुलेट पर तीन लोग रात 1 बजे अंदर जाते हुए दिखाई दिए। पुलिस को रात 1 बजे कैंपस के अंदर जाते बुलेट सवार लड़कों पर शक हुआ।

तीनों आरोपियों ने वारदात कबूली

सूत्रों के मुताबिक, तीनों आरोपियों ने वारदात कबूल ली है। उन्होंने कहा कि रात को छात्रा और एक छात्र को कैंपस में घूमते हुए देखा। वहां छात्रा से जबर्दस्ती की और वीडियो शूट किया।

हालांकि, अपनी सफाई में उन्होंने यह भी कहा कि वीडियो बनाने के अलावा कुछ नहीं किया। बहरहाल, इस मामले में तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के 24 घंटे बाद भी पुलिस का कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है। फिलहाल, रविवार 31 दिसंबर देर रात तीनों आरोपियों को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के बाद 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया। मजिस्ट्रेट के सामने पेशी के दौरान इन आरोपियों का चेहरा सफेद कपड़े से ढंका हुआ था।

मायावती ने नए साल की बधाई के साथ भाजपा-कांग्रेस पर बोला हमला

लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि लोगों की जेब में खर्च के लिए पैसे न हों, तो देश के विकास का ढिंढोरा किस काम का है? बेरोजगारों की फौज के साथ विकसित भारत कैसे संभव है? केंद्र की सरकार हो या राज्य की सरकारें, दोनों महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ापन जैसी बुनियादी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही हैं। लोगों का ध्यान बांटने के लिए गारंटी वितरण में ही लगी हैं, जो समाधान कम और छलावा ज्यादा है।

बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को देश और प्रदेशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देने के साथ अपने संदेश में कहा कि इज्जत की रोजी-रोटी के लिए सरकार को केवल रोजगार की गारंटी सुनिश्चित करनी होगी। सरकार केवल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ की राजनीति कर रही हैं, जिससे मुक्ति पाये बिना वास्तविक देशहित कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि देश की जनता को इस चुनावी साल में इसके प्रति जरूर गंभीर होना चाहिये, वरना भाजपा की संघ तुष्टीकरण की नीतियों तथा इनका संकीर्ण राष्ट्रवाद देश के बहुजनों के आरक्षण को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बना देगा। साथ ही, जातीय जनगणना आदि के भूल सुधार के प्रयास का विरोध करके इनकी तरक्की नहीं होने देगा। पहले कांग्रेस और अब भाजपा की जातिवादी, अहंकारी व गैर-समावेशी सरकार के दुष्प्रभाव से गरीबों का विकास लगातार बाधित है। इसीलिए अब बसपा की सर्वजन हितैषी सरकार जरूरी है।

बसपा से बेहतर कानून-व्यवस्था नहीं

उन्होंने कहा कि यूपी में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था तथा जनकल्याण एवं विकास के मामलों में बसपा सरकार से बेहतर क्या किसी सरकार का रिकार्ड रहा है? यह ऐसा कार्य है जो सर्वसमाज के लोगों ने देखा और महसूस किया। वहीं दूसरी पार्टियों की सरकारों के दावे हवा-हवाई ज्यादा हैं।

पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी की गैंगस्टर एक्ट के तहत 31 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त

मेरठ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बसपा सरकार में मंत्री रहे मीट कारोबारी याकूब कुरैशी और उनके परिजनों व कर्मचारियों के नाम खरीदी गई 31 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत पुलिस जब्त कर ली है। याकूब कुरैशी फिलहाल जमानत पर जेल से बाहर हैं। इस मामले में याकूब कुरैशी के अलावा उनकी पत्नी संजीदा बेगम उर्फ समजीदा बेगम, पुत्र इमरान कुरैशी व फिरोज उर्फ भूरा के अलावा उनके कर्मचारी मोहित त्यागी निवासी के-ब्लॉक शास्त्री नगर, फैजाब निवासी घोसीपुर थाना खरखौदा.मुजीब निवासी नरहेड़ा थाना खरखौदा भी आरोपी हैं। इन सभी के खिलाफ कई थानों में विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

लालू-राबड़ी आवास के बाहर लगे पोस्टर पर मंदिर को बताया गया मानसिक गुलामी का प्रतीक

जेडीयू ने जताई नाराजगी; दी हिदायत

पटना, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी चल रही है। इस बीच पटना में विवादित पोस्टर लगाए गए हैं। पटना में लालू-राबड़ी आवास के घर के बाहर विवादित पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर में मंदिर को मानसिक गुलामी का प्रतीक बताया गया है। इस पोस्टर के बाद जेडीयू ने भी आपत्ति जताई है। पोस्टर पर एक कोट लिखा हुआ है, जिसमे आखिरी में सावित्रीबाई फूले का नाम लिखा गया है। इसमें लिखा है, "मंदिर का मतलब मानसिक गुलामी का मार्ग और स्कूल का मतलब होता है जीवन में प्रकाश का मार्ग। जब मंदिर की घंटी बजती है तो हमें संदेश देती है कि हम अंधविश्वास, पाखंड, मूर्खता और अज्ञानता की ओर बढ़ रहे हैं और जब स्कूल की घंटी बजती है तो हमें संदेश मिलता है कि हम तर्कपूर्ण ज्ञान, वैज्ञानिकता और प्रकाश की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अब आपको तय करना है कि आपको किस ओर जाना चाहिए?"

पोस्टर पर आरजेडी विधायक फतेह बहादुर सिंह की तस्वीर लगी हुई है। फतेह बहादुर सिंह विवादित बयानों के लिए जाने जाते हैं। इसके पहले उन्होंने मां सरस्वती को लेकर विवादित बातें कहीं थी। उन्होंने मां सरस्वती को चरित्रहीन बताया था। उनके बयान के बाद जेडीयू ने भी आपत्ति जताई है और उन्हें हिदायत भी दी है। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, "पहली बार विधायक बने और उनका नाम तो फतेह बहादुर सिंह है, लेकिन उनका काम कायर बहादुर सिंह वाला है। देवी देवताओं पर टिप्पणी तो करते हैं लेकिन उन्हीं की पूजा में लोगों के घर जाकर भोज भी खाते हैं। लोगों के घर जाकर शादी समारोह में हिस्सा लेते हैं। अगर वह ऐसा मानते हैं तो उनको वहां भी नहीं जाना चाहिए।" नीरज कुमार ने कहा, "कायर बहादुर सिंह को यह घोषणा करनी चाहिए कि जिसके घर में भी पूजा पाठ होता है, अगरबत्ती जलता है, मंत्रोच्चारण के साथ शादी संपन्न होती है, उनके घर पर वह कभी नहीं जाएंगे।

नाव पलटने से चार लोग टोंस नदी में समाए-तीन बचाए गए, एक की तलाश जारी

प्रयागराज, 1 जनवरी (एजेंसियां)। कौंधियारा इलाके कोहंड़ार घाट पर टोंस नदी में मछली मारने गए लोगों की नाव पलट गई। नाव में सवार चार लोग डूबने लगे।

तीन लोगों को किसी तरह बचा लिया गया, लेकिन एक युवक का पता नहीं चला। उसकी खोजबीन की जा रही है। घटना से परिवार में चीख पुकार मच गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस भी गोताखोरों की मदद से युवक की खोजबीन में जुट गई है। कोहड़ार क्षेत्र के मई गांव के नाविक मछली मारने नदी में सुबह नौ बजे के करीब गए थे। नाव पर एक ही परिवार के चार लोग सवार थे। मछली मारते समय नाव अचानक बीच नदी में डूब गई। जिससे चारों नदी में समा गए।

न्यू ईयर का पहला दिन...योगी ने किया रुद्राभिषेक

केशव बोले-मोदी के नेतृत्व में सफल वर्ष होगा

लखनऊ, 1 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2024 का आज पहला दिन है। नए साल की शुरुआत सीएम योगी ने रुद्राभिषेक और हवन अनुष्ठान के साथ किया। वहीं, बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी नए साल पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी।गोरखनाथ मंदिर में योगी आदित्यनाथ ने विधि-विधान से रुद्राभिषेक किया। विद्वत आचार्य और पुरोहितों ने रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूरा कराया। रुद्राभिषेक के बाद योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन और आरती की। इसके बाद उन्होंने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

साल 2024 के पहले दिन आज बसपा सुप्रीमो मायावती ने नए साल की शुभकामनाएं दी। वहीं, मायावती ने देश की स्थिति को लेकर लोगों से इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में हितैषी सरकार बनाने की अपील भी की।

मायावती ने सोशल मीडिया पर लिखा...देश और दुनियाभर में रहने वाले भारतीय भाई-बहनों, उनके परिवार को नव वर्ष साल 2024 की दिली मुबारकबाद। यह साल आप सब के लिए आत्म-सम्मान के साथ सुख, शांति, सुरक्षा और सफलता लेकर आए... इसकी शुभकामनाएं। आर्थिक असमानता और अन्य गैर-बराबरी आदि से मुक्त लोगों का जीवन खुश-खुशहाल बने।

'आबादी के हिसाब से रोजगार की जरूरत'

मायावती ने कहा- इस नव वर्ष से सरकार केवल 'रोजगार की गारंटी' सुनिश्चित कर सच्ची देशभक्ति और राजधर्म का निर्वहन करे, क्योंकि बाकी सरकारी गारंटियां संकीर्ण राष्ट्रवाद के छलावा की राजनीति ज्यादा साबित हुई है, जिस कारण लगभग 100 करोड़ लोगों का जीवन लगातार गरीब, पिछड़ा, मजलूम और मोहताज बना हुआ है। आबादी के हिसाब से रोजगार की जरूरत है।

'लोकसभा चुनाव में हितैषी सरकार बनाएं'

कुल मिलाकर पहले कांग्रेस और अब भाजपा की लंबी चली जातिवादी, अहंकारी और गैर-समावेशी सरकार के दुष्प्रभाव से करोड़ों गरीबों का विकास प्रभावित है। अब इस संसदीय चुनाव में जनहित और जनकल्याण को समर्पित बहुजनों की उम्मीदों की सर्वजन हितैषी सरकार बनाएं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया पर लिख...नववर्ष 2024 भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबसे सफल वर्ष होगा।

दो दिन पहले हुए आईटीसी के ठेकेदार हत्याकांड का खुलासा

मुंगेर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मुंगेर के कोतवाली थाना क्षेत्र के वासुदेवपुर ओपी अंतर्गत दो दिन पहले हुए बसगढा आईटीसी पार्क के पास आईटीसी के लेबर सप्लाई करने वाले ठेकेदार बास्केट राय हत्याकांड का मुंगेर पुलिस ने उद्भेदन करते हुए दो अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। इस हत्याकांड में 4 अपराधी शामिल थे। दो अन्य की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। दरअसल, शनिवार की दोपहर 12 बजे बासुदेवपुर ओपी क्षेत्र के बसगढ़ा आईटीसी पार्क के पास चंडिका स्थान के रहने वाले बास्केट राय की हत्या होने पर उनकी बहू प्रिया रानी ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला बासुदेवपुर ओपी में दर्ज करवाया था। इस संबंध में जानकारी देते हुए एएसपी आलोक रंजन ने बताया कि मृतक बास्केट राय आईटीसी में लेबर सप्लाई करता था। 10 दिन पूर्व उसने अपने एक मजदूर को काम से हटा दिया था।

कंबल ओढ़कर आए बदमाशों ने टीचर को गोली मारी

अमरोहा, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अमरोहा में बदमाशों ने दिनदहाड़े एक टीचर को गोली मार दी। सोमवार सुबह करीब 8:50 बजे 2 बदमाश कंबल ओढ़कर टीचर की रेकी करते हुए आए। जैसे ही वो कार में बैठे तो पास आकर एक बदमाश ने पेट में तमंचा सटाकर गोली मार दी। वारदात के बाद दोनों बदमाश बड़े आराम से फरार हो गए।

इसके बाद गोली लगने से घायल टीचर लहूलुहान हालत में कार से बाहर निकले और शोर मचाया। फिर खुद ही कार चलाकर थाने गए। पुलिस को पूरा मामला बताया। तब तक उनकी हालत बिगड़ गई। पुलिस ने उन्हें गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उन्हें मेरठ रेफर कर दिया गया। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। फुटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है।

सुशील बोले-लालू से हाथ मिला तेजस्वी को सीएम बनाने की तैयारी में थे ललन, नीतीश ने रास्ते से हटाया

पटना, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा से राज्यसभा सांसद और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ललन सिंह पर एक बार फिर से निशाना साधा है। शनिवार को पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हमने पहले भविष्यवाणी कर दी थी कि ललन सिंह को हटाए जाएंगे। क्योंकि, उन्होंने जदयू पार्टी से 12-13 विधायकों को तोड़ लिया था। सुशील मोदी ने आरोप लगाया कि ललन सिंह ने लालू यादव से हाथ मिलाकर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी कर ली थी। लेकिन, सीएम नीतीश कुमार को इसकी भनक लग गई। इसलिए उन्होंने समय रहते ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से हटा दिया। सुशील मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि ललन सिंह को हटाना खेल की शुरुआत है। अभी बहुत कुछ बाकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गलतफहमी है कि इंडी गठबंधन उन्हें संयोजक या पीएम पद के लिए पार्टी का चेहरा बनाएगा। एनडीए में आने के सवाल पर सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा के दरवाजे बंद हो गए हैं।

ललन बाबू किस खेत की मूली हैं गिरिराज सिंह ने भी इस मामले पर तंज कसते हुए कहा था कि नीतीश कुमार जी वह व्यक्ति हैं जिनका इतिहास देखना होगा। इन्होने जोर्ज फर्नांडिस को नहीं बर्दाश्त किया, शरद जी को नहीं बर्दाश्त किया। उनके सबसे करीबी उनको भी नहीं बक्शा। तीन-तीन राष्ट्रीय अध्यक्ष को हटाने का काम किया, तो फिर ललन बाबू किस खेत की मुली हैं। उनको भी अगर हटा देते हैं तो कोई बड़ी बात नहीं।

मुख्यमंत्री का दोहरा चरित्र है

लोक जन शक्ति पार्टी रामविलास प्रमुख चिराग पासवान भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर बरसे थे। चिराग पासवान ने कहा कि आज नीतीश कुमार जी ने ललन बाबू से राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद छीन कर स्वयं राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गये हैं और बोल रहे हैं कि मैं चुनौती स्वीकार करता हूं और फिर आप कह रहे है कि मैं बनना नहीं चाहता तो ये दोहरा चरित्र क्या दर्शाता है।

एक ने पिल्लों के मुंह पकड़े, दूसरे ने शराब पिलाई

बरेली में पिल्ले ठंड में चिल्लाते रहे, शराबियों ने ढक्कन भर-भर के पिलाई, फिर पानी डाल दिया

बरेली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के बरेली में शराबियों ने डॉग के छोटे पिल्लों के साथ क्रूरता की। सर्दी में सुबह के समय 4 शराबी एक झुंड में बैठे थे। जिनमें दो की उम्र 40 साल के करीब है। वहां पर छोटे छोटे 2 पिल्ले पहुंचे तो शराबियों ने एक-एक करके पिल्लों को जबरन मुंह खोलकर शराब पिला दी। उसके मुंह में पानी भी डाला। शराबी युवकों के साथ खड़े एक युवक ने पूरी घटना की वीडियो बना ली। इसके बाद इस वीडियो को सोशल मीडिया के जरिए डीजीपी को भेजी गई है। यह घटना बरेली के थाना आंवला के मोहल्ला गौसिया चौक के पास की है। पुलिस से एक्स यानी ट्विवटर माध्यम के जारी शिकायत करता हिमांशु पटेल ने जानकारी दी है। कि गांव की सड़कों पर आवारा घूम रहे पिल्ले को जबरदस्ती पकड़ कर प्रताड़ित कर उसके मुंह में शराब पिलाई गई शराबियों की यह करतूत वीडियो में साफ देखा गया। गांव के रहने वाले बादशाह , डेला, शान, चंद्रपाल जबरदस्ती पिल्लों शराब पिला रहे हैं। जब पुलिस आरोपियों के घर पहुंची तो वह फरार हो गए।

हड़ताल से हाहाकार : बरेली समेत पूरे मंडल में वाहनों का चक्का जाम

बरेली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली में वाहन चालकों की हड़ताल से नए साल के पहले दिन ही वाहनों के पहिए थम गए। इस दौरान लोगों को गंतव्य तक जाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा।

बिथरी थाना क्षेत्र में इनवर्टिस जीरो प्वाइंट पर एक चालक डीसीएम खड़ी करके चला गया, जिससे सड़क पर जाम लग गया। पुलिस ने वाहन को हटवाकर रास्ता खुलवाया। कुछ अन्य स्थानों पर भी जाम लगाया गया। रोडवेज बस चालक भी हड़ताल हैं, जिससे बस अड्डे पर यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए दिक्कतों को सामना करना पड़ा है। हड़ताल में ऑटो ई-रिक्शा चालक भी शामिल हो गए हैं। जिससे नए साल पर शहर में एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में लोगों के पसीने छूटते रहे। उधर, शाहजहांपुर में भी वाहन चालक हड़ताल पर चले गए हैं। पीलीभीत में रविवार रात 12 बजे से निजी व सरकारी सभी चालक हड़ताल पर चले गए। सुबह रोडवेज बस अड्डे से बसों को निकालकर चालकों ने बीएसए कार्यालय के बाहर सड़क, पेट्रोल पंप तक आड़ा तिरछा खड़ा कर दिया और विरोध प्रदर्शन किया।

चालकों का कहना था कि इस कानून से तो गाड़ी चलाना ही मुश्किल हो जाएगा। कोई भी जानबूझकर टक्कर नहीं मारता। इसके अलावा टाटा मैजिक, इको आदि डग्गामार गाड़ियां भी नहीं चलीं। इससे लोगों का आवागमन के लिए कोई वाहन नहीं मिल सका। लोग जहां थे वहीं फंसे रह गए। पूरनपुर, बीसलपुर आदि जगहों से लोग मुख्यालय तक नहीं आ सके। बदायूं जिले में भी वाहन चालकों ने हड़ताल शुरू कर दी। रोडवेज और निजी बसों के चालकों ने धरना प्रदर्शन किया। चालकों की हड़ताल से यातायात व्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा है। तमाम यात्रियों को दिक्कत हो रही है।

22 जनवरी को दीवाली मनाने की अपील पर तेज प्रताप यादव बोले-राम तब आएंगे जब इंडिया सरकार बनेगी

पटना, 1 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 22 जनवरी को दीवाली मनाने के आह्वान पर बिहार के मंत्री तेज प्रताप यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। तेज प्रताप ने पटना में कहा कि भगवान राम तभी घर आएंगे जब केंद्र में इंडिया (इंडिया) गठबंधन का झंडा लहराएगा।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिन पहले अयोध्या दौरे के वक्त कहा था कि ये ऐतिहासिक क्षण बहुत भाग्य से हम सभी के जीवन में आया है। हमें देश के लिए नव संकल्प लेना है, खुद को नई ऊर्जा से भरना है। इसके लिए आप सभी 140 करोड़ देशवासी 22 जनवरी को अपने घरों में श्रीराम ज्योति जलाएं, दीपावली मनाएं।

'अपने घरों में राम ज्योति जलाएं, दीपावली मनाएं'

प्रधानमंत्री मोदी ने 30 दिसंबर को कहा था कि ये ऐतिहासिक क्षण बहुत भाग्य से हम सभी के जीवन में आया है। हमें देश के लिए नव संकल्प लेना है, खुद को नई ऊर्जा से भरना है। इसके लिए आप सभी 140 करोड़ देशवासी 22 जनवरी को अपने घरों में श्रीराम ज्योति जलाएं, दीपावली मनाएं।

अयोध्या का फैसला जजों ने सर्वसम्मति से लिया था : सीजेआई

डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा-संघर्ष के लंबे इतिहास को देखते हुए फैसले पर एक राय बनी

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अयोध्या केस का फैसला जजों ने सर्वसम्मति से लिया था। उन्होंने कहा- अयोध्या में संघर्ष के लंबे इतिहास और विविध पहलुओं को ध्यान में रखते हुए ही इस केस से जुड़े सभी जजों ने फैसले पर एक राय बनाई। सीजेआई ने दिए एक इंटरव्यू में सेम सेक्स मैरिज पर दिए फैसले को लेकर भी बात की। सीजेआई ने बताया कि फैसले के बाद जो भी नतीजे आए, उन पर कोई पछतावा नहीं है। वे उस फैसले की खूबियों पर टिप्पणी नहीं करेंगे, जिसमें समलैंगिक विवाह को कानूनी दर्जा देने से इनकार कर दिया गया था।

ज्यूडीशियरी : भरोसा बढ़े, इसलिए कई बदलाव किए सीजेआई ने कहा कि हमने पिछले साल कुछ नए इनीशिएटिव लिए हैं। इन्हें इंडियन ज्यूडीशियरी में लोगों की बढ़ी हुई पहुंच और ट्रांसपेरेंसी बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें कॉन्स्टिट्यूशनल बेंच में होने वाले मामलों की सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग शामिल है।

सेम सेक्स मैरिज केस : फैसला कभी भी जज के लिए निजी नहीं होता समलैंगिकों ने अपने अधिकारों को हासिल करने के लिए लंबी और कठिन लड़ाई लड़ी। सेम सेक्स मैरिज को वैध बनाने से इनकार करने वाले 5 जजों की कॉन्स्टिट्यूशनल बेंच के फैसले के बारे में सीजेआई ने कहा कि किसी मामले का नतीजा कभी भी जज के लिए निजी नहीं होता है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ बोले- हमारी ट्रेनिंग हमें एक बात सिखाती है कि एक बार जब आप किसी मामले में फैसला सुना देते हैं, तो आप खुद को उससे दूर कर लेना है। एक जज के तौर पर, हमारे लिए फैसले कभी भी व्यक्तिगत नहीं होते। मैं कई मामलों में बहुमत, तो कई मामलों में अल्पमत में रहा, लेकिन मुझे कभी इसका पछतावा नहीं होता। एक जज के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा कभी भी खुद को किसी मुद्दे से नहीं जोड़ना होता है।

जालंधर में पोस्टमास्टर ने खत्म किया पूरा परिवार

पहले पत्नी-2 बेटियों और नातिन का गला घोंटा, फिर फंदा लगाया; कर्ज से परेशान था

जालंधर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में कर्ज से तंग पोस्टमास्टर ने पत्नी, 2 बेटियों और नातिन की हत्या कर खुदकुशी कर ली। उसने चारों का गला घोंट दिया। इसके बाद फंदे पर लटक गया। जब परिवार घर से बाहर नहीं निकला तो लोग दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे। जिसके बाद इस खौफनाक वारदात का पता चला। यह घटना आदमपुर के गांव डरौली खुर्द गांव में हुई।

खुदकुशी करने वाला मनमोहन सिंह (55) है। उसने पत्नी सरबजीत कौर, बड़ी बेटी प्रभजोत कौर उर्फ ज्योति (32), छोटी बेटी गुरप्रीत कौर उर्फ गोपी (31) और बेटी प्रभजोत की बेटी अमन (3) है। पोस्ट ऑफिस में पोस्टमास्टर मनमोहन का बेटा विदेश में रहता है।

पुलिस को पता चला है कि गांव के 2 लोग उसे कर्जे को लेकर परेशान कर रहे थे। उनसे भी पूछताछ होगी। पुलिस मृतक के बेटे के विदेश से लौटने का इंतजार कर रही है। मनमोहन ने सुसाइड नोट और कर्ज की 2 किश्तें भी छोड़ी। जिसमें उसने कर्ज को ही खुदकुशी की वजह बताया।

मनमोहन सिंह | सरबजीत कौर | प्रभजोत कौर उर्फ ज्योति | गुरप्रीत कौर उर्फ गोपी

दरवाजा नहीं खोला तो पड़ोसी की मदद से अंदर घुसे

सरबजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि रात करीब साढ़े आठ बजे वह ससुराल पहुंचा। काफी देर खटखटाने के बाद भी किसी ने दरवाजा नहीं खोला। जिसके बाद मौके पर मौजूद पड़ोसी ने पुलिस बताया कि शनिवार रात के बाद से पूरे परिवार का कोई भी सदस्य घर से बाहर नहीं देखा गया। दरवाजा अंदर से बंद किया गया था। अंदर से कोई आवाज नहीं आई। किसी के चीखने-चिल्लाने की भी आवाज नहीं आई। शनिवार रात को मनमोहन का दामाद सरबजीत सिंह उनके घर पहुंचा तो इस वारदात का पता चला।

गांव वासियों ने दी पुलिस को सूचना

घटना के बारे में शनिवार रात करीब 9 बजे पुलिस कंट्रोल रूम में गांव वासियों द्वारा सूचना दी गई थी। जिसके बाद सबसे पहले एरिया पीसीआर टीम क्राइम सीन पर पहुंची। घटना पुख्ता होने के तुरंत बाद आदमपुर एरिया के डीएसपी विजय कुंवर प्रताप, थाना आदमपुर के एसएचओ मंजीत सिंह पड़ोसियों की मदद से दामाद दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा। अंदर उसने देखा कि ससुर मनमोहन सिंह पंखे से लटका हुआ था और बाकी का परिवार नीचे बेड पर बेसुध पड़ा हुआ था। सबकी मौत का पता चलते ही वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सुसाइड नोट में लिखा- कर्ज लेकर जो काम किया, सब फ्लॉप हुआ

पुलिस को मिले सुसाइड नोट में मुख्य तौर पर मनमोहन ने कर्ज को अपनी मौत का कारण बताया है। सुसाइड नोट में मनमोहन ने लिखा कि उसने कर्ज लेकर मुर्गी खाना खोला, मगर वह फ्लॉप हो गया। जिसके बाद उसने कर्ज लेकर फिल्मिंग का काम शुरू किया। मगर वह भी फ्लॉप हो गया। जिसके बाद उसने कर्ज लेकर किसी तरह अपने बेटे को विदेश भेजा। सभी को मिलाकर उसके सिर पर काफी कर्ज हो गया था। मनमोहन ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि उसकी मौत के बाद किसी पारिवारिक सदस्य को तंग न किया जाए। मनमोहन पर 30 लाख से ज्यादा का कर्ज था। वहीं, मनमोहन द्वारा लिए गए कर्ज के बारे में किसी भी पारिवारिक सदस्य को जानकारी नहीं थी। हालांकि कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि कर्ज को लेकर घर में अक्सर विवाद भी रहता था।

और देहात पुलिस की सीआईए स्टाफ अपनी-2 टीमों के साथ जांच के लिए मौके पर पहुंच गए थे।

पंजाब के बुजुर्ग हवाई जहाज से तीर्थ यात्रा करेंगे

केंद्र से ट्रेन न मिलने के बाद फैसला; सरकार ने चार्टर्ड फ्लाइट्स बुक कराई

चंडीगढ़, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा ट्रेन मुहैया न करवाए जाने के बाद अब पंजाब सरकार ने नया फैसला लिया है। सरकार अब हवाई जहाज से बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा कराएगी। इसके लिए सरकार ने चार्टर्ड फ्लाइट्स बुक करवा दी है। इसका ऐलान सीएम भगवंत सिंह मान आज दोपहर 3 बजे पंजाब भवन में होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर सकते हैं। पंजाब सरकार द्वारा 27 नवंबर 2023 को श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर स्पेशल मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की शुरुआत की गई थी। तब से लेकर अब तक केवल एक ट्रेन श्रद्धालुओं को लेकर जा पाई है। पहला जत्था श्री हजूर साहिब के लिए रवाना हुआ था। रेलवे की तरफ से रही दिक्कत की वजह से 6 दिसंबर को जालंधर से वाराणसी जाने वाली ट्रेन रद्द हो गई थी। अब 15 दिसंबर को मालेरकोटला से अजमेर शरीफ जत्था जाना था, लेकिन रेलवे की तरफ से असमर्थता जता दी गई है। हालांकि राज्य सरकार ने 15 दिसंबर की ट्रेन के लिए 1.34 करोड़ रेलवे को जमा करवाए हुए हैं। सरकार की तरफ से यह यात्रा लोगों को एसी ट्रेन में करवाई जा रही है, जबकि रेलवे का तर्क है कि उनके पास जनरेटर कारों का अभाव है।

टीएमसी स्थापना दिवस : 'किसी भी बुरी ताकत के आगे नहीं झुकेंगे'

पार्टी कार्यकर्ताओं से बोलीं ममता बनर्जी

कोलकाता, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने सोमवार को पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में टीएमसी के कार्यकर्ताओं को बधाई दी। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं से बुरी ताकतों का विरोध करने को कहा। गौरतलब है कि साल 1998 में आज ही के दिन यानी एक जनवरी को ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का गठन किया था।

एक जनवरी, 1998 में हुआ टीएमसी का गठन

ममता बनर्जी ने मातृभूमि का सम्मान करने, राज्य के हितों के लिए कार्य करने और जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ विश्वास की अभिव्यक्ति के रूप में एक जनवरी, 1998 को हुए टीएमसी के गठन का महत्व रेखांकित किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वह पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता और समर्थक के समर्पण और आत्म-बलिदान का विनम्रतापूर्वक सम्मान करती हैं। आज, टीएमसी परिवार को सभी के प्यार और स्नेह का आशीर्वाद मिला है।

लड़ाई जारी रखने का संकल्प

बनर्जी ने देश के आम लोगों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, 'यह आपके अटूट समर्थन के बल पर हम इस महान लोकतांत्रिक देश में सभी के लिए आवाज उठाते रहेंगे। किसी भी बुरी ताकत के सामने झुकेंगे नहीं।'

तीसरी बार बनी हैं सीएम

गौरतलब है, वर्ष 1998 में कांग्रेस से अलग होकर ममता बनर्जी ने टीएमसी का गठन किया। पार्टी 2001 और 2006 में दो असफल प्रयासों के बाद 2011 में वाम मोर्चा सरकार को हराकर सत्ता में आई। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक प्रमुख शख्सियत बनर्जी ने 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को शानदार जीत दिलाई और लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं।

सुखोई-30 को साल 2045 तक फ्लीट में रखने की तैयारी

आईएएफ का सबसे ताकतवर फाइटर जेट किया जा रहा अपडेट; ज्यादा हथियार ले जा सकेगा

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन एयरफोर्स सुखोई -30 एमकेआई फाइटर जेट के लाइफ स्पेन को 20 साल और बढ़ाने पर काम कर रहा है। इसके लिए कई सारी टेस्टिंग की जा रही हैं और जेट में बदलाव किए जा रहे हैं। यह रूसी फाइटर जेट बीते दो दशकों से इंडियन एयरफोर्स में शामिल है। डिफेंस के अधिकारियों ने कहा कि SU-30MKI के कार्यकाल को 20 साल और बढ़ाने पर काम चल रहा है। इसके लिए एचएएल (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) की मदद ली जा रही है। रूस के फाइटर जेट्स की एयरफ्रेम और दूसरे कंपोनेंट्स काफी मजबूत होते हैं। इसको लेटेस्ट एवियोनिक्स, हथियार और देश में तैयार हुए विरुपाक्ष रडार से लैस किया जा रहा है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारतीय वायुसेना सक्रिय रूप से अपने उपकरण सूची को स्वदेशी बनाने के मिशन पर काम कर रही है। जल्द ही भारतीय कंपनियों से 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के उपकरण खरीदने की तैयारी में है।

सुखोई -30 एमकेआई की खासियत...

खरीदे जाएंगे 12 सुखोई फाइटर जेट

वहीं, सितंबर 2023 में भारत सरकार ने 45,000 करोड़ रुपए के नौ रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी थी। इसके तहत 12 सुखोई लड़ाकू प्लेन (Su-30 MKI) और हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें ध्रुवास्त्र खरीदी जाएंगी। साथ ही डोर्नियर विमान का अपग्रेडेशन किया जाएगा। नवंबर 2023 में बाड़मेर के उतरलाई एयरबेस पर तैनात मिग-21 की एक स्क्वाड्रन को सुखाई-30 MKI की स्क्वाड्रन से रिप्लेस किया गया था। इस एयरबेस पर सुखाई-30 MKI की दो स्क्वाड्रन तैनात हैं। बाड़मेर जिले में पिछले 9 साल में 8 मिग क्रैश हो चुके थे। इसके बाद मिग-21 को एयरबेस से हटाने की चर्चा शुरू हुई थी। हालांकि देश में उतरलाई के अलावा बाकी जगहों पर मिग-21 की तैनात है।

- सुखोई-30 एमकेआई रूसी मूल का ट्विन सीटर ट्विन इंजन मल्टीरोल फाइटर जेट है।
- इंडियन एयरफोर्स के पास 260 से ज्यादा सुखोई-30 एमकेआई हैं।
- इन्हें साल 2002 में एयरफोर्स के फ्लीट में शामिल किया गया था।
- ये जेट सबसे ताकतवर फाइटर प्लेन में से ये एक है।
- यह 8 हजार किलोग्राम बाहरी हथियार के साथ वन एक्स 30 मिमी जीएसएच गन ले जाने में सक्षम है।
- इसे किसी भी तरह के हथियारों से लैस किया जा सकता है।
- सुखोई-30 हवा से जमीन और हवा से हवा में एक साथ टारगेट को अटैक कर सकता है।
- सुखोई-30 एमकेआई 3 हजार किमी तक हमला करने में सक्षम है।

ग्रामीण विकास निधि खर्च न होने से बंगाल सरकार चिंतित

कोलकाता, 1 जनवरी (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष समाप्त होने में सिर्फ तीन महीने बचे हैं, पश्चिम बंगाल में ग्रामीण विकास के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत कुछ जिलों में दी गई धनराशि खर्च न हो पाने की वजह से तृणमूल कांग्रेस सरकार चिंतित है। राज्य सरकार ने हाल ही में जिलाधिकारियों को संबंधित पंचायत अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करने के लिए कहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके जिलों के लिए आवंटित अव्ययित धनराशि का चालू वित्तीय वर्ष के शेष तीन महीनों के दौरान लगन से उपयोग किया जाए।

खर्च न किए गए धन को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चिंता इस तथ्य से बढ़ गई है कि विपक्षी भाजपा ने पहले ही इस तथ्य को उजागर करते हुए एक अभियान शुरू कर दिया है कि सत्तारूढ़ दल मनरेगा योजनाओं के तहत किए गए काम के लिए केंद्रीय बकाया का भुगतान न करने के लिए केंद्र सरकार पर हमला कर रहा है। बावजूद इसके कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास के लिए दी गई केंद्रीय राशि खर्च करने में असमर्थ है। 305.11 करोड़ रुपये के साथ, मुर्शिदाबाद जिले में सबसे अधिक अप्रयुक्त धनराशि पड़ी हुई है, इसके बाद दक्षिण 24 परगना में 298,03 करोड़ रुपये हैं। अन्य जिले जहां फंड का उपयोग दयनीय रूप से कम हुआ है, वे हैं उत्तर 24 परगना, हुगली, पूर्वी बर्दवान, बीरभूम और नादिया, जहां 100 करोड़ रुपये तक की अव्ययित धनराशि है। ग्रामीण विकास परियोजनाओं के लिए धन का उपयोग मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल में त्रि-स्तरीय पंचायत प्रणाली के दो स्तरों, अर्थात जिला परिषद और ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाता है।

उत्तराखंड में भू-काननू पर सीएम धामी का बड़ा फैसला

बाहरी व्यक्तियों के जमीन खरीदने पर रोक

देहरादून, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में भू-काननू को लेकर कुछ दिनों पहले जमकर विरोध हुआ था। भू-काननू के विरोध में देहरादून समेत कई जिलों में स्थानीय लोगों और कई समाज सेवी संस्थाओं ने रैली निकाली थी। अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नए साल पर भू कानून को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। धामी ने बाहरी लोगों के उत्तराखंड में जमीन खरीदने पर रोक लगा दी है। धामी ने आदेश दिया है कि अग्रिम आदेश तक जिलाधिकारी उत्तराखंड से बाहर के व्यक्तियों को कृषि एवं उद्यान के उद्देश्य से भूमि क्रय करने की अनुमति नहीं देंगे। यानी प्रदेश में बाहरी व्यक्तियों के कृषि एवं उद्यान के उद्देश्य से जमीन खरीदने पर अंतरिम रोक लगा दी गई है। हालांकि इसके पहले भी मुख्यमंत्री उत्तराखंड में भूमि क्रय से पूर्व खरीदार के भूमि खरीदने के कारण पृष्ठभूमि के सत्यापन के उपरांत ही भूमि क्रय करने के निर्देश दिये थे।

मुख्यमंत्री धामी ने मुख्यमंत्री आवास पर भू काननू को लेकर अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि भू-कानून के लिए बनाई गई कमेटी द्वारा बड़े पैमाने पर जन सुनवाई की जाए और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों और विशेषज्ञों की राय ली जाए। भू- कानून के लिए विकेंद्रीकृत व्यवस्था के लिए गढ़वाल और कुमाऊं कमिश्नर को भी शामिल किया जाए। उत्तर प्रदेश जमींदारी एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950 की धारा 154 में वर्ष 2004 में किए गए संशोधन के अनुसार ऐसे व्यक्ति जो उत्तराखंड राज्य में 12 सितंबर 2003 से पूर्व अचल संपत्ति के धारक नहीं है, उन्हें कृषि व औद्यानिकी के उद्देश्य से भूमि क्रय करने की जिला अधिकारी द्वारा अनुमति प्रदान किए जाने का प्रावधान है। भू- कानून समिति की आख्या प्रस्तुत किये जाने तक या अग्रिम आदेशों तक जिलाधिकारी उत्तराखंड राज्य से बाहरी व्यक्तियों को कृषि एवं उद्यान के उद्देश्य से भूमि क्रय करने की अनुमति के प्रस्ताव में अंतिम निर्णय नहीं लेंगे।

तीन बच्चों के साथ ट्रेन के सामने कूदकर की आत्महत्या

अहमदाबाद, 1 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के बोटाड जिले में एक व्यक्ति अपनी दो बेटियों और एक बेटे के साथ ट्रेन के सामने छलांग लगाकर आतमहत्या कर ली, जिसमें चारों की मौत हो गई। यह घटना निंगाला और आलमपुर रेलवे स्टेशन के बीच करीबन साढ़े छह बजे घटी। इन चारों ने भावनगर से गांधीधाम की तरफ जा रहे एक पैसेंजर ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। जमानत पर बाहर आया था मृतक व्यक्ति की पहचान 42 वर्षीय मंगाभाई विजुडा के तौर पर की गई है।

एसएफआई प्रदेश अध्यक्ष के. अनुश्री समेत आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

राज्यपाल का पुतला जलाने का आरोप

तिरुवनंतपुरम, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने एसएफआई राज्य अध्यक्ष के. अनुश्री समेत आठ लोगों के खिलाफ पय्यम्बलम बीच के पास रविवार की शाम राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के विशाल पुतले पर पेट्रोल डालकर उसे जलाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एसएफआई नेता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 143, 147 और 285 के तहत मामला दर्ज किया गया है। नए साल के मौके पर बीच पर राज्यपाल के 30 फीट के पुतले पर आग लगाने के आरोप में कन्नुर पुलिस ने खुद ही मामला दर्ज किया है। राज्यपाल के पुतले को के. अनुश्री ने जलाया था, उनके साथ अन्य सदस्य उस दौरान नारेबाजी कर रहे थे। राज्य के कुछ विश्वविद्यालयों की सीनेट में राज्यपाल द्वारा की गई नियुक्तियों के मुद्दे पर उनके, मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और एसएफआई के बीच बहस हुआ।

अबूझमाड़ में नक्सली ठिकानों को ध्वस्त करने की तैयारी

खात्मे के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में कहा था कि सरकार नक्सलवाद पर नकेल कसने में जुटी है और ये समस्या खात्मे के कगार पर पहुंच चुकी है। इसी क्रम में बचे-खुचे नक्सली गढ़ों में आखिरी चरण के अभियान को गति देने के लिए करीब 3,000 बीएसएफ जवानों को ओडिशा से छत्तीसगढ़ भेजा जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, बीएसएफ की इन तीन बटालियनों के अलावा इतनी ही आईटीबीपी इकाइयां भी अबूझमाड़ के नक्सली गढ़ में आगे बढ़ेंगी।

गृह मंत्री शाह ने एक दिसंबर को बीएसएफ की स्थापना की 59वीं वर्षगांठ पर जवानों को संबोधित करते हुए कहा था कि वामपंथी उग्रवाद पर बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईटीबीपी जैसे बलों के आखिरी प्रहार की प्रक्रिया जारी है। सुरक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में छह नए सीओबी या कंपनी ऑपरेटिंग बेस बनाने का निर्देश दिया गया है, जिसमें शुरुआत में ओडिशा के मलकानगिरी में स्थित अपनी एक बटालियन को अंतर-राज्य सीमा के पार ले जाया जाएगा। बीएसएफ की एक बटालियन में 1,000 से अधिक जवान होते हैं।

अभी पुलिस का कोई स्थायी ठिकाना नहीं

अबूझमाड़ के वन क्षेत्रों में 237 गांव आते हैं, जहां रहने वाले लगभग 35,000 लोगों की आबादी मुख्यतः आदिवासी हैं। फिलहाल इस क्षेत्र में केंद्रीय या राज्य पुलिसबल का कोई स्थायी ठिकाना नहीं है। कहा जाता है कि सशस्त्र माओवादी कैडर राज्य के दक्षिण बस्तर क्षेत्र में ओडिशा से लगती सीमा के रास्ते इधर-उधर आते-जाते रहते हैं और प्रशिक्षण भी चलता रहता है। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि नक्सली ओडिशा के मलकानगिरी, कोरापुट और कंधमाल जैसे जिलों में आने-जाने के लिए छत्तीसगढ़ के बस्तर गलियारे का उपयोग कर रहे हैं। इसलिए केंद्रीय बलों को सीमावर्ती क्षेत्र पर अधिक फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस बनाने को कहा गया है। जनवरी में विभिन्न एजेंसियों की बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोध अभियान तेज करने पर रणनीति बनेगी जिसे कगार नाम दिया जा सकता है।

चर्च ने मंत्री चेरियन पर साधा निशाना

पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल हुए पादरियों पर उठाए थे सवाल

तिरुवनंतपुरम, 1 जनवरी (एजेंसियां)। कैथोलिक चर्च ने सोमवार को केरल सरकार के मंत्री साजी चेरियन की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें चेरियन ने क्रिसमस के मौके पर पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने वाले पादरियों पर सवाल उठाए थे। केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल के प्रवक्ता फादर जैकब पालकापिल्ली ने चेरियन के बयान की आलोचना की और कहा कि उच्च पदों पर बैठे लोगों को इस तरह के बयान देने से बचना चाहिए।

कैथोलिक बिशप काउंसिल ने मंत्री साजी चेरियन की आलोचना की इस पर केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल के प्रवक्ता फादर पालकापिल्ली ने कहा कि राजनीतिक पार्टियां का यह काम नहीं है कि वह इसाईयों के राजनीतिक मामलों को तय करें। पालकापिल्ली ने कहा कि क्रिसमस का कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी ने आयोजित किया था और इसमें देश में ईसाई समुदाय के योगदान पर चर्चा की गई। बता दें कि कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने देश के ईसाई समुदाय की देश की आजादी की लड़ाई में भूमिका की तारीफ की थी।

पाकिस्तान का दोहरापन

पाकिस्तान जब भी फंसता है तो संयुक्त राष्ट्र व अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को ही पीडित बताने लगता है, जबकि हकीकत से दुनिया वाकिफ है कि पाकिस्तान ने आतंक की जमीन तैयार करने व उसे फलने-फूलने में कितना बडा योगदान दिया है। अक्सर वह अपने को पीडित बता कर दुनिया से सहानुभूति हासिल करना चाहता है तो दूसरी ओर कई आतंकी संगठनों को अपने ठिकानों से अपनी गतिविधियां चलाने की अघोषित छूट भी देते रहने की उसकी फितरत बदस्तूर जारी है। इसी क्रम में दुनिया का सबसे बडा घोषित आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद का कई बहानों के जरिए उसका बचाव करता रहता है। यही नहीं उसका संरक्षण करना भी वह अपनी 'जिम्मेदारी' समझता है! यही कारण है कि हाफिज सईद के खिलाफ सबूतों का बंडल होने के बावजूद वह उसे कानून के कठघरे में खड़ा करने को लेकर उदासीन रवैया अपनाता रहा है। अगर भारत की ओर से इस तरह की कोई मांग उठाई जाती है तो वह इससे बचने की ही कोशिश करता है। 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के अलावा भारत के अन्य कई हिस्सों में आतंकवाद फैलाने के अनेकानेक मामलों में हाफिज सईद को सौंपने की मांग भारत करता रहा है। लेकिन पाकिस्तान पर इसका कोई असर नहीं पडता है। उल्टे वह खुद ही पीडित होने का राग अलापने लगता है। हाल ही में एक बार फिर भारत ने कहा है कि हाफिज सईद की यहां आतंकी हमलों के कई मामलों में तलाश है और वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी भी है। इसलिए कई प्रासंगिक और ठोस सहायक दस्तावेजों के साथ पाकिस्तान सरकार से एक विशेष मामले में मुकदमे का सामना करने के लिए सईद को भारत में प्रत्यर्पित करने की मांग की गई है। लेकिन हैरानी की है कि ठोस सबूतों और दस्तावेज के बावजूद पाकिस्तान इस तरह की मांग पर बचकाने तर्क देकर उसे बचाने की कोशिश करता दिखाई देता है। बता दें कि इस बार फिर हाफिज सईद का प्रत्यर्पण करने की भारत की वाजिब मांग पर पाकिस्तान ने एक विचित्र राग अलापा है कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण से जुड़ा कोई करार नहीं है। सवाल है कि इस तकनीकी पहलू की आड़ लेकर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिह्नित आतंकी हाफिज सईद को बचाने की कोशिश कर रहा है, क्या वह विश्व समुदाय के सामने अपने इरादे का औचित्य साबित कर पाएगा? पाकिस्तान के रुख का अंदाजा इससे भी लगाया सकता है कि वहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक घोषित आतंकवादी हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद के चुनाव लड़ने पर भी कोई रोक नहीं है। यही नहीं वह अपना पूरा पैनल खडा कर रहा है, जिससे वहां की मुख्य पार्टियों के नेताओं के चेहरे की हवाईयां उडी हुई हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार ने 2022 में एक अधिसूचना जारी की थी, जिसके मुताबिक भारत में लश्कर के हमलों के लिए आतंकियों को नियुक्त करना, उनके लिए धन का इंतजाम करना और हमलों की योजना बनाना तल्हा सईद की जिम्मेदारी है। अब वही तल्हा सईद पाकिस्तान में चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटा है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि पाकिस्तान में अगर कोई कट्टरपंथी आतंकी संगठन राजनीति की मुख्यधारा में आ जाता है और उससे जुड़े लोग चुनाव लड़ते हैं तब स्थितियां और भी जटिल हो जाएंगी। देखा जाए तो पाकिस्तान में ऐसी हरकतों को एक रणनीति के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है। जबकि आतंकी संगठनों की मुख्यधारा की राजनीति में भागीदारी और उनकी गतिविधियों का भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ता है। इस लिहाज से देखें तो हाफिज सईद को प्रत्यर्पित करने की भारत की मांग का संदर्भ समझा जा सकता है। मगर हाफिज सईद को कानून के कठघरे में खड़ा करने की राह में अड़चन पैदा करना पाकिस्तान के दोहरे चेहरे को ही बेनकाब कर रहा है।

जिम्मेदारी की भावना लाएगा हिट एंड रन बिल?

डॉ. सत्यवान सौरभ

हिट एंड रन मामले वे होते हैं जहां सड़क दुर्घटना का कारण बनने वाले वाहन का चालक घटनास्थल से भाग जाता है। भारतीय न्याय संहिता में लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई मौत के लिए जेल की सजा को बढ़ाकर सात साल तक की जेल और जुर्माना करने का भी प्रस्ताव किया गया है, जो गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में आता है। आईपीसी की धारा 304ए के तहत मौजूदा प्रावधान, जो ₹दो साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों₹ का प्रावधान करता है। ये प्रस्तावित प्रावधान गलती करने वाले ड्राइवरों के लिए निवारक साबित होने की संभावना है, जो अक्सर जुर्माना देकर बच जाते हैं या कम जेल की सजा काटते हैं। वर्तमान में, हिट एंड रन मामलों में आरोपियों पर उनकी पहचान के बाद धारा 304ए के तहत मुकदमा चलाया जाता है और इसलिए वे ज्यादातर मामलों में मामूली सजा के साथ भी बच जाते हैं। धारा 104 (2) के तहत नए प्रावधान कोई लापरवाही से या गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में आने वाले किसी भी व्यक्ति की मौत का कारण बनता है और घटना स्थल से भाग जाता है या घटना की रिपोर्ट करने में विफल रहता है। घटना के तुरंत बाद पुलिस अधिकारी या मजिस्ट्रेट को 10 साल तक की कैद की सजा दी जाएगी और इसके लिए उत्तरदायी भी होगा। हिट-एंड-रन मामला भारत में सड़क दुर्घटनाओं का एक आम मामला बन गया है। सरल शब्दों में, हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं को एक ऐसे मामले के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जहां एक व्यक्ति गाड़ी चलाते समय दूसरे वाहन को टक्कर मारता है और मौके से भाग जाता है। अपने वाहन से संबंधित सड़क दुर्घटना की रिपोर्ट करना ड्राइवर की आपराधिक और नागरिक जिम्मेदारी है। जैसे-जैसे भारत में हिट-एंड-रन के मामले बढ़ रहे हैं, मोटर वाहन अधिनियम को समझना आवश्यक है, जो हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं में शामिल किसी भी व्यक्ति पर लगाए गए कानूनों की व्याख्या करता है। सड़क दुर्घटना के आंकड़े बताते हैं कि कैसे सड़कें हर किसी के लिए असुरक्षित जगह बन गई हैं। भारत में सभी सड़क दुर्घटनाओं में से 30 प्रतिशत से अधिक हिट-एंड-रन के मामले हैं, लेकिन हिट-एंड-रन दुर्घटना के केवल 10 प्रतिशत ड्राइवरों पर ही मामला दर्ज किया जाता है। दूसरे व्यक्ति की सुरक्षा के प्रति चिंता की कमी, लापरवाही से गाड़ी चलाना आम हैं। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में ऐसा कानून शामिल है जो हिट-एंड-रन दुर्घटना में शामिल व्यक्ति को कड़ी सजा देता है। हिट-एंड-रन की घटनाओं के पीड़ितों पर आईपीसी की धारा 279, 304ए और 338 लगाई जाती हैं। लापरवाही से गाड़ी चलाने और हिट एंड रन के मामलों में सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चार वर्षों में भारतीय सड़कों पर हिट एंड रन के मामलों में कुल एक लाख से अधिक लोग मारे गए। आमतौर पर वर्तमान में पुलिस जांच अधिकारी आईपीसी से संबंधित धाराओं में प्रशिक्षित होते हैं और मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के बारे में शायद ही जानते हों। इसलिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि पुलिस अधिकारी एमवी अधिनियम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसके प्रावधानों को भी समझें।₹ प्रस्तावित विधेयक में तेज गति से या लापरवाही से गाड़ी चलाने से मानव जीवन को खतरे में डालने या किसी अन्य व्यक्ति को चोट या चोट पहुंचाने की संभावना के लिए आईपीसी के समान प्रावधान को बरकरार रखा गया है।

इजराइल-हमास में शांति क्यों संभव नहीं है ?

राजेश कुमार पासी

गाजा में शासन करने वाले फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठन हमास ने 7 अक्टूबर को इजराइल पर एक बड़ा हमला किया था। जिसमें 2000 से ज्यादा इजराइली नागरिक और सैनिक मारे गये और 250 से ज्यादा इजराइलियों को हमास पकड़कर अपने साथ ले गया। इजरायल ने हमास के हमले के बाद गाजा पर जबरदस्त हमला किया। गाज़ा सरकार के अनुसार अब तक इसमें इक्कीस हजार से ज्यादा गाज़ा निवासी मारे गए हैं और ये संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। पूरी दुनिया इस युद्ध को बंद कराने की कोशिश कर रही है क्योंकि इस युद्ध में निर्दोष नागरिक मारे जा रहे हैं। सवाल यह उठता है कि क्या सच में लोग इस युद्ध को बंद कराना चाहते हैं या सिर्फ बंद कराने का नाटक कर रहे हैं? सवाल ये भी है कि जब सब इस युद्ध को बंद कराना चाहते हैं तो फिर ये युद्ध बंद क्यों नहीं हो रहा है? इन सवालों के जवाब में ही सारा सच छुपा हुआ है। गाजा में फिलिस्तीनी मुस्लिम रहते हैं और इजराइल के हमलों ने उनका जीना दूभर कर दिया है। स्वास्थ्य व्यवस्था खत्म हो गई है, खाद्य पदार्थों की बहुत कमी है. बिजली, पानी की किल्लत हो रही है। गाज़ा पूरी तरह से इजरायल पर निर्भर है और इजरायल बहुत बहुत सीमित मात्रा में सामान जाने की इजाजत दे रहा है। इजराइल के हमलों से मुस्लिम जगत में इजराइल के प्रति गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इजरायली हमले में बच्चों, महिलाओं और अन्य निर्दोष नागरिकों के मारे जाने से गैर मुस्लिम देशों में भी इजराइल के प्रति गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इसलिए चारों तरफ से इजरायल पर हमले रोकने का दबाव बढ़ता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के द्वारा भी इजराइल पर दबाव बनाने के लिए युद्ध विराम करने का प्रस्ताव पास किया जा चुका है। इसके बावजूद इजरायल किसी के भी रुकने से रुक नहीं रहा है। उसके सबसे बड़े समर्थक और सहयोगी अमेरिका ने भी उसे आम नागरिकों पर हमले रोकने को कहा है लेकिन इजराइल उसकी भी नहीं सुन रहा है। इजराइल गाजा पर पूरा नियंत्रण चाहता है और वो इसके लिये लगातार हमले कर रहा है। गाजा धीरे-धीरे इजराइल के कब्जे में आता जा रहा है। यह तय है कि जब तक उसका पूरे गाजा पर नियंत्रण नहीं हो जाता, तब तक वो रुकने वाला नहीं है। इसका दूसरा पहलू यह है कि पूरा दबाव इजराइल पर बनाया जा रहा है लेकिन हमास की बात करने के लिए कोई तैयार नहीं है। अमेरिका और पश्चिमी देश जरूर हमास के खिलाफ हैं लेकिन मुस्लिम जगत से उसके खिलाफ कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही है। क्या हमास नहीं जानता था कि अगर वो इतना बर्बर हमला करके इजराइली नागरिकों और सैनिकों की हत्याएं करेगा तो इजराइल पलटवार करेगा। हमास ने सब कुछ जानते हुए भी इतनी जबरदस्त तैयारी से इजरायल पर हमला किया और उसे भयानक नुकसान पहुंचाया। आज वही हमास विक्टिम कार्ड खेल रहा है। वास्तव में देखा जाये तो सभी हत्याओं के लिये पूरी तरह से हमास जिम्मेदार है, फिर वो चाहे इजराइल के नागरिकों की हो या गाजा के निवासियों की। आज पूरा मुस्लिम जगत हमास के साथ खड़ा हुआ है। सभी मुस्लिम देश चाहते हैं कि इजराइल हमले रोक दे लेकिन वो हमास से यह कहने की हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं कि वो बंधकों को छोड़ दे। विडम्बना है कि जब हमास ने इजराइल पर हमला करके उसके हजारों लोगों की हत्या कर दी थी और सैकड़ों नागरिकों का अपहरण कर लिया था तो कई मुस्लिम देशों में जश्न मनाया जा रहा था। वास्तव में मुस्लिम जगत इजराइल को रोकना चाहता है लेकिन हमास के बारे में उसने चुप्पी साध रखी है। उसको आतंकवादी संगठन भी मानने को तैयार नहीं है। उसकी कार्यवाहियों को फिलिस्तीनियों की आजादी की जंग कहा जा रहा है। अगर इजरायल को अमेरिका और पश्चिमी देशों से मदद मिल रही है तो हमास को भी मुस्लिम देशों से मदद मिल रही है। इजराइल का कहना है कि अगर वो युद्ध विराम कर देता है तो हमास बड़ी तैयारी से दूसरा बड़ा हमला कर सकता है। क्या मुस्लिम जगत हमास की तरफ से यह गारंटी दे सकता है कि अगर इजरायल युद्ध विराम कर देता है तो हमास उस पर हमला नहीं करेगा। वास्तव में न तो मुस्लिम जगत बंधकों की रिहाई में मदद करने को तैयार है और न ही ऐसी गारन्टी वो दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र भी ऐसी गारंटी नहीं दे सकता और वैसे भी संयुक्त एक असफल संस्था बन कर रह गई है। इसलिए इजराइल तभी रुकेगा जब कि उसे अपना उद्देश्य नहीं हासिल हो जाता है। ज्यादातर देश और संयुक्त राष्ट्र फिलिस्तीन और इजरायल समस्या का हल दो राष्ट्रों के सिद्धांत में ढूंढते हैं। सवाल यह है कि क्या सच में दो राष्ट्र सिद्धांत इस समस्या का हल हो सकता है। इस सिद्धांत के पीछे सोच यह है कि फिलिस्तीनी और यहूदी एक साथ नहीं रह सकते, अगर उन्हें अलग-अलग दो राष्ट्र बनाकर दे दिए जायें तो वो शांतिपूर्वक रह सकते हैं। समस्या खत्म हो सकती है। जिन्ना ने यह सिद्धांत भारत के बारे में दिया था, उसने कहा था कि हिंदू और मुस्लिम एक साथ नहीं रह सकते, अगर इन्हें दो अलग देश बनाकर दे दिए गए तो दोनों अपने-अपने देशों में शांतिपूर्वक रह सकते हैं। क्या यह सिद्धांत दोनों देशों में शांति स्थापित कर पाया, इसका जवाब सबको देना चाहिए। जब से पकिस्तान बना है, उसका एकमात्र उद्देश्य भारत पर कब्जा करना या उसे बर्बाद करना है। वास्तव में पाकिस्तान का अस्तित्व ही भारत विरोध पर टिका हुआ है। पाकिस्तान बरबादी की कगार पर पहुंच गया है लेकिन भारत से उसकी दुश्मनी खत्म नहीं हुई है। जब तक पाकिस्तान खत्म नहीं होगा तब तक उसकी भारत को बर्बाद करने की कोशिश नहीं रुक सकती। हमास की विचारधारा भी यही है कि जब तक दुनिया से यहूदी नहीं खत्म हो जाते तब तक वो रुकने वाला नहीं है। एक सर्वे में यह बात पता चली कि 88% फिलिस्तीनी दो राष्ट्र सिद्धांत पर विश्वास नहीं करते हैं, 60% का कहना है कि उन्हें पूरा फिलिस्तीन चाहिए और 51% का कहना है कि वो एक दिन सफल हो जायेंगे। 66% कहते है कि 2028 तक इजरायल खत्म हो जाएगा और पूरा फिलिस्तीन उनका होगा। हमास का दावा है कि वो 2048 तक इजरायल को खत्म करके पूरे फिलिस्तीन पर कब्जा कर लेगा। दूसरी तरफ 65% इसराइली जनता भी दो राष्ट्र सिद्धांत पर भरोसा नहीं करती है। वास्तव में न तो फिलिस्तीनी जनता शांति चाहती है और न ही इजराइली जनता शांति चाहती है। दोनों तरफ राष्ट्रवादी और कट्टरवादी नेताओं का वर्चस्व है। पहली बार इजरायल के प्रधानमंत्री यित्ज़ाक राबिन ने फिलिस्तीन के साथ शांति समझौता करने की कोशिश की तो इजराइल के कट्टरवादियों ने उनकी हत्या कर दी। इजरायल में फिलिस्तीन समर्थक रूख अपनाने पर राजनीतिक नुकसान होता है।

फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफात जब तब इजराइल से लड़ते रहे, वो पूरे मुस्लिम जगत के हीरो बने रहे जब उन्होंने शांति की बात की तो उन्हें धीमा जहर देकर मार दिया गया। सिर्फ फिलिस्तीनी ही नहीं बल्कि इजराइल के पड़ोसी मुल्क के नागरिक भी इजराइल के साथ शांति नहीं चाहते। ईजिप्ट के नेता अनवर सादात ने इजरायल के साथ शांति समझौता साइन किया तो उनके ही लोगों ने उनकी हत्या कर दी। इसलिए इजराइल के पड़ोसी मुस्लिम देशों के नेता इजराइल के साथ किसी भी शांति समझौते से बचते हैं क्योंकि उनके देशों की मुस्लिम जनता उनके खिलाफ खड़ी हो सकती है। फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक इलाके में शासन करने वाले संगठन फताह के नेता महमूद अब्बास इजराइल के प्रति उदार रवैया रखते हैं। गाजा में इजरायल से नफरत करने वाले संगठन हमास का कब्जा है और उसकी इजरायल विरोधी नीतियों के कारण वो वेस्ट बैंक इलाके में भी लोकप्रिय होता जा रहा है। गाजा पर हमले के कारण हमास का समर्थन वेस्ट बैंक में बढ़ता जा रहा है।

भारत बना एक्सपीओएसएट लांच करने वाला दूसरा देश

अशोक भाटिया

पूरा देश और दुनिया नव वर्ष के उत्साह में डूबे हुए हैं। इसी बीच 1 जनवरी 2024 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने साल के पहले ही दिन इतिहास रच दिया है। पिछले वर्ष चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने से लेकर सूर्य मिशन लॉन्च करने के बाद इस वर्ष 1 जनवरी 2024 को इसरो फिर से इतिहास रच दिया। अमेरिका के बाद भारत बना एक्सपीओएसएट लांच करने वाला दूसरा देश बन गया है।गौरतलब है कि चंद्रमा के बाद ब्लैक होल पर भारत की नजर है। इस साल चंद्रमा पर इतिहास रचने के बाद भारत 2024 की शुरुआत ब्रह्मांड और इसके सबसे स्थायी रहस्यों में से एक ब्लैक होल के बारे में और अधिक समझने के एक और महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत करेगा। 1 जनवरी की सुबह भारत एक उन्नत खगोल विज्ञान वेधशाला लॉन्च करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है, जो विशेष रूप से ब्लैक होल और न्यूट्रॉन सितारों के अध्ययन के लिए तैयार है। 1 जनवरी को इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान द्वारा यह किया जा रहा है। बता दें कि वेधशाला को एक्सपीओएसएट, या एक्स-रे पोलारिमीटर उपग्रह कहा जाता है। ब्रह्मांड की खोज में एक साल से भी कम समय में यह भारत का तीसरा मिशन है। जब सबसे बड़े तारों का ईंधन खत्म हो जाता है और वे 'मर जाते हैं', तो वे अपने गुरुत्वाकर्षण के कारण नष्ट हो जाते हैं और अपने पीछे ब्लैक होल या न्यूट्रॉन तारे छोड़ जाते हैं। भारत का उपग्रह, जिसका नाम एक्सपीओएसएट या एक्स-रे पोलारिमीटर सैटेलाइट है, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के विश्वसनीय रॉकेट, पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल द्वारा लॉन्च किया जाएगा।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे के खगोल भौतिकीविद् डॉ। वरुण भालेराव ने कहा, "नासा के 2021 के इमेजिंग एक्स-रे पोलारिमेट्री एक्सप्लोरर या आईएक्सपीई नामक मिशन के बाद यह दूसरा मिशन है। मिशन तारकीय अवशेषों या ब्लैक होल समझने की कोशिश करेगा।" एक्स-रे फोटॉन और विशेष रूप से उनके ध्रुवीकरण का उपयोग करके, एक्सपीओएसएटी ब्लैक होल और न्यूट्रॉन सितारों के पास से विकिरण का अध्ययन करने में मदद करेगा।डॉ भालेराव के अनुसार ब्लैक होल ऐसी वस्तुएं हैं जिनका गुरुत्वाकर्षण बल ब्रह्मांड में सबसे अधिक है और न्यूट्रॉन सितारों का घनत्व सबसे अधिक है। इसलिए मिशन अति-चरम वातावरण के रहस्यों को उजागर करेगा जो अंतरिक्ष में देखा जाता है। खगोल वैज्ञानिक ने कहा कि न्यूट्रॉन तारे छोटी वस्तुएं हैं जिनका व्यास 20 से 30 किलोमीटर के बीच होता है। ब्रह्मांड का पता लगाने के लिए भारत के एक साल के अंदर यह तीसरा मिशन है। पहला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन था, जिसे 14 जुलाई, 2023 को लॉन्च किया गया था और इसके बाद 2 सितंबर, 2023 को समर्पित सौर वेधशाला, आदित्य-एल1 लॉन्च किया गया था।टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के खगोलशास्त्री डॉ एआर राव का कहना है कि यह एक अनोखा मिशन है। उन्होंने कहा, 'एक्स-रे ध्रुवीकरण में सब कुछ आश्चर्यचकित करने वाला है क्योंकि खगोलीय अन्वेषण के इस क्षेत्र में सब कुछ नया है।' भारत के एक्सपीओएसएट उपग्रह की लागत लगभग 250 करोड़ (लगभग $ 30 मिलियन) थी जबकि NASA IXPE मिशन के लिए $ 188 मिलियन के परिव्यय की आवश्यकता थी। नासा मिशन का नाममात्र जीवन दो साल है जबकि एक्सपीओएसएट के पांच साल से अधिक समय तक चलने की उम्मीद है।रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु के वैज्ञानिक प्रोफेसर बिस्वजीत पॉल, जो एक्सपीओएसएट मिशन के प्रमुख चालकों में से एक हैं, का कहना है कि यह ब्रह्मांडीय वस्तुओं में तीव्र चुंबकीय क्षेत्र की संरचना और चरम में पदार्थ और गुरुत्वार्षण विकिरण के व्यवहार की जांच करेगा।बताया जाता है कि इसके बाद पीएसएलवी के चौथे चरण (पीएस-4) को 350 किमी निचली कक्षा में लाया जाएगा। इसके लिए पीएस-4 के इंजन को दो बार चालू और बंद किया जाएगा। पीएस-4 को निचली कक्षा में लाने के दौरान उसमें बचे हुए ईंधन को मुख्य इंजन के जरिए उपयोग में लाया जाएगा। इस दौरान पहले ऑक्सीडाइजर का उपयोग होगा, उसके बाद ईंधन का प्रयोग किया जाएगा। ऐसा भविष्य के री-एंट्री मिशनों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।पहले मिशन के दौरान टैंक के दबाव को निकालकर पीएस-4 को निर्षक्रिय (पैसिवेशन) किया जाता था और वह प्रक्रिया भी साथ-साथ चलेगी। पैसिवेशन के बाद पीएस-4 का नियंत्रण पीएसएलवी आर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल (पीओईएम) एवियोनिक्स के जरिए होगा।पीओईएम में कुल दस पे-लोड लगे हैं जो विभिन्न प्रयोग करेंगे। इनमें से तीन पे-लोड इसरो के हैं। यह चौथा अवसर है जब पीएस-4 के आखिरी चरण का इस्तेमाल विभिन्न प्रयोगों के लिए किया जाएगा। एक उपग्रह प्लेटफार्म के तौर पर इस्तेमाल के लिए पीएस-4 में लिथियम आयन बैटरी और सौर पैनल भी लगे हैं। नेविगेशन और नियंत्रण पीओईएम एवियोनिक्स के जरिए होगी। प्रक्षेपण से पहले इसरो अधिकारियों ने रविवार को परंपरा के मुताबिक तिरुमला जाकर तिरुपति बालाजी मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की।इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने एक्सपीओएसएट मिशन और सामान्य रूप से भारतीय वैज्ञानिक मिशनों के बारे में एक छोटी सी चिंता व्यक्त की है कि उपयोगकर्ता समुदाय अभी भी छोटा है। उन्होंने कहा कि भारत के युवा खगोलविदों को इन महंगे राष्ट्रीय मिशनों में शामिल करने की जरूरत है।हालांकि, वरिष्ठ भारतीय वैज्ञानिक इस मिशन को लेकर बहुत उत्साहित हैं। सोनीपत में अशोक विश्वविद्यालय के खगोल वैज्ञानिक डॉ दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि भारत लक्षित बैक-टू-बैक मिशनों के साथ ब्रह्मांड की खोज कर रहा है और देश ब्रह्मांड के कई रहस्यों को सुलझाने में बड़ा प्रभाव डाल सकता है।एक्सपीओएसएट मिशन में यह प्रक्षेपण यान की 60वीं उड़ान है। 469 किलोग्राम के एक्सपीओएसएट को ले जाने के अलावा, 44 मीटर लंबा, 260 टन का रॉकेट 10 के साथ भी उड़ान भर रहा है।बताया जाता है कि जब तारों का ईंधन ख़त्म हो जाता है और वे 'मर जाते हैं', तब वे अपने गुरुत्वाकर्षण के कारण खत्म हो जाते हैं और अपने पीछे ब्लैक होल या न्यूट्रॉन तारे छोड़ जाते हैं।एक्स-रे फोटॉन और विशेष रूप से उनके ध्रुवीकरण का उपयोग करके, एक्सपीओएसएट ब्लैक होल और न्यूट्रॉन सितारों के पास से विकिरण का अध्ययन करने में मदद करेगा। डॉ। भालेराव ने कहा कि ब्लैक होल ऐसी वस्तुएं हैं जिनका गुरुत्वाकर्षण बल ब्रह्मांड में सबसे अधिक है और न्यूट्रॉन सितारों का घनत्व सबसे अधिक है, इसलिए मिशन ऐसे वातावरण के रहस्यों को उजागर करेगा जो अंतरिक्ष में देखा जाता है।खगोल वैज्ञानिक ने कहा कि न्यूट्रॉन तारे छोटी वस्तुएं हैं, जिनका व्यास 20 से 30 किलोमीटर के बीच होता है। लेकिन वे इतने घने हैं कि एक न्यूट्रॉन तारे के केवल एक चम्मच पदार्थ का वजन माउंट एवरेस्ट से भी अधिक हो सकता है।

यह कैसी पीड़ा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मेरा प्यारा पोता! कैसा है रे तू? मुझे बड़ी जमकर भूख लगी है। तेरी माँ से पूछकर कुछ खाने को देना – घर के आंगन में खड़ी दादी ने पोते के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा। पोता घर के भीतर जाकर माँ से दादी के लिए खाना परोसने की चिरौरी करने लगा। माँ ने खाना देने के बजाय उसे दो तमाचे लगा दिए। कहा – चला है बड़ा दादी का नौकर बनने! बित्ते भर का हुआ नहीं कि मुझ पर हुकुम चला रहा है। वैसे भी गलती तेरी नहीं, मेरी सास की है जो आए दिन हमारे घर-संसार में आग लगाने आ जाती है। इतनी उमर हो गई है फिर मर क्यों नहीं जाती। दुनिया भर के लोगों को मौत आती है। बस इन्हें नहीं आती। मरे तो पिंड छुड़ाऊँ। लड़के के रोने की आवाज सुन पिता बाहर आ गए। देखते ही पूरा माजरा समझ गए।

घर के बाहर आंगन में आकर माँ से कहने लगे - माँ! अब तेरे कलेजे को ठंडक मिली अपने पोते को मार खिलाकर। तू तो हमारे जान की आफत बन गई है। एक पल चैन से रहने नहीं देती। अच्छे खासे घर में आग लगाने आ जाती है। तू सठिया गई है। लाख समझाऊँ लेकिन समझने का नाम नहीं लेती। तुझे कितनी बार याद दिलाऊँ कि संपत्ति के साथ-साथ तेरा बंटवारा भी हो गया है। सोमवार से गुरुवार तक तू भैया की और शुक्रवार से रविवार तक मेरी जिम्मेदारी है। आज मंगलवार है। फिर तू यहाँ क्यों चली आई? बेटे की बात सुन माँ ने धीमे से कहा – जानती हूँ बेटा मेरा बंटवारा हो गया है। गाय-गोरु के साथ मुझे भी बांट दिया गया है। मुझसे तो ज्यादा नसीब वाले गाय-गोरु हैं जिन्हें समय से खाने को तो मिल जाता है। इस बुढ़ापे में तुम लोगों की सुई सी चुभती बातें सुनने का शौक थोड़े न है। बेटा! तेरा भैया अपने परिवार के साथ कहीं बाहर गया है। मैं कल से भूखी हूँ। बड़ी कमजोरी सी लग रही है। चक्कर भी आ रहा है। अगर कुछ हो गया तो दुनिया के लोग क्या कहेंगे कि दो-दो जवान बेटों के रहते माँ की क्या हालत हो गई। दूसरों के घर जाकर मांग भी नहीं सकती। वे देने को तो कुछ न कुछ दे देंगे, लेकिन मेरे बच्चों के बारे में लाख भला-बुरा कहेंगे। मैं सब कुछ सह सकती हूँ लेकिन तुम लोगों को कोई कुछ कह दे, मैं कतई बर्दाश्त नहीं कर सकती। मैं तेरे हाथ जोड़ती हूँ। पैर पड़ती हूँ। कुछ खाने को है तो दे दे। तेरा बड़ा उपकार होगा।

बेटे ने देखा कि पत्नी नाक-भौं सिकुड़ रही है। उसने कहा - माँ! अभी-अभी हम खाकर उठे हैं। घर में खाना नहीं है। तू रात को आ जाना तब कुछ इंतजाम करते हैं। इतना सुनते ही पोता अचानक से बीच में बोल पड़ा – पिता जी! माँ ने थोड़ा चावल और दाल उठाकर रखा है। वही दे दो न! पोते की बात सुन दादी वहाँ से जाने लगी। पोते ने दौड़कर दादी का हाथ पकड़ लिया। मासूमियत भरे करुण स्वर में कहने लगा – दादी चलो न! कुछ खालो न! दादी ने पोते को गले लगाते हुए कहा – बेटा! मैं तुझसे बड़ी हूँ। मैं भूखी रह सकती हूँ, लेकिन तू नहीं रह सकता। वह जो खाना बचा है उसे तेरी माँ ने तेरे लिए उठाकर रखा है।

अलविदा 2023 - परवान चढ़ी देश की उम्मीदें !

मनोज कुमार अग्रवाल

2023 में देश की उम्मीदों को नई उड़ान मिली। भारत के लिए ये साल बेहद खास रहा। इस साल भारत ने चांद पर फतह हासिल करने के अलावा जी 20 समिट आयोजित कर दुनियाभर में अपना लोहा मनवाया। वर्ल्डकप में भी भारत की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया बेशक अंतिम मैच हाथ से निकल गया और देश की टीम के हाथ से वर्ल्डकप चूक गया। देश के लिए इस साल ने कई बेशकीमती पल बख्शे जिन पर आम भारतीय गर्व गौरव और सही दिशा में प्रगति का आतमबोध कर सका। आप जानते हैं कि इस साल देश को नया संसद भवन मिला। 28 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के एक हिस्से के रुप में नए संसद भवन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही 19 सितंबर 2023 को पुराने संसदभवन में एक छोटे से कार्यक्रम के बाद आखिरकार संसद की कार्रवाई नए संसद भवन में शुरु हो गई और पुरानी बिल्डिंग को संग्रहालय बनाने की मंजूरी भी मिल गई। जी20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी कर भारत ने विश्व पटल पर छाप छोड़ी है। 9-10 सितंबर को भारत ने दुनियाभर के नेताओं की मेजबानी की, जी20 शिखर सम्मेलन आयोजन जितना विशाल था राजधानी दिल्ली को भी उसी शान के साथ सजाया गया था। सजी हुईं सड़कें, खूबसूरत फव्वारे और चमचमाते फुटपाथ से जी 20 की राहें रोशन की गई थीं। बात करें इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के परिणामों की तो उसमें अफ्रीकी संघ को समूह में शामिल करना। ग्लोबल बायो फ्यूल गठबंधन, टिकाऊ बायो फ्यूल को अपनाने की दिशा में भी कदम उठाए गए। भारत अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए 2023 उपलब्धियों का साल रहा। इस साल चंद्रयान-3 चंद्रमा पर गया और पूरी दुनिया ने लैंडर विक्रम को 23 अगस्त की शाम चंद्रमा की सतह पर उतरते और इस इतिहास को रचते देखा। इसके बाद बड़े ही शान से रोवर प्रज्ञान भी लैंडर विक्रम से बाहर आया और चंद्रमा की सतह पर चहलकदमी की। लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान एक चंद्रमा की सतह पर चहलकदमी की। लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान एक चंद्रमा दिवस तक चंद्रमा पर एक्टिव रहे। इस दौरान वहां कई परीक्षण किए और आंकड़े धरती पर भेजते रहे। चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था।

नॉर्थ ईस्ट के तीन राज्यों में बीजेपी की सरकारें बनी। त्रिपुरा में चुनाव जीत कर बीजेपी काबिज हुई। मेघालय और नागालैंड में बीजेपी गठबंधन वाली सरकार का हिस्सा है। त्रिपुरा के चुनाव में पूर्व कांग्रेस नेता और प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देबबर्मा के नेतृत्व वाली आदिवासी पार्टी टिपरा मोथा की भी अच्छी राजनीतिक शुरुआत नजर आई कर्नाटक में कांग्रेस की जीत मई में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जबरदस्त जीत हासिल की। इसके जरिए एक बार फिर कांग्रेस की दक्षिणी राज्य में वापसी हुई। इससे पहले कई चुनावी असफलताएं देख चुकी कांग्रेस के लिए ये जीत मायने रखती है। चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए दो मजबूत दावेदार उभरे- सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार। इन सबके बावजूद पार्टी ने एकजुटता दिखाई। कई दौर की बातचीत के बाद, शिवकुमार उप मुख्यमंत्री बनने के लिए राजी हो गए और सिद्धारमैया को सीएम का पद सौंप दिया गया। भाजपा के लिए राजनीतिक हालात बेहतर प्रदर्शन के चलते साल के उत्तरार्द्ध में शुभ संकेत बन गए। पांच राज्यों के चुनावी नतीजेनवंबर में पांच राज्यों में चुनाव हुए। जिनके नतीजे दिसंबर में आए। जिसमें बीजेपी ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान पर जीत हासिल की। कांग्रेस ने तेलंगाना में जीत दर्ज की। चुनाव से पहले तक छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश, इन दोनों राज्यों में अपनी जीत के लिए कांग्रेस आश्वस्त थी, लेकिन ये दोनों ही राज्य कांग्रेस के हाथ से तो निकले ही, बीजेपी ने यहां बंपर जीत हासिल की। अब इन राज्यों में लोकसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं मणिपुर में हिंसा की आग केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ विपक्ष के लिए आलोचना का मुद्दा बनी। 3 मई 2023 को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़क उठी। मैतई और कुकी समुदायों के बीच भड़की हिंसा में करीब 200 लोगों की मौत हो गई। करीब 5 हजार घरों को आग के हवाले कर दिया गया। अभी भी वहां से हिंसा की खबरें सामने आती रहती है। इस साल मणिपुर में महिलाओं के साथ नग्नता और अभद्रता ने देश का ध्यान खींचा। इस हिंसा में 70 हजार से ज्यादा लोग अपने ही देश और राज्य में शरणार्थी बनकर रह गए हैं।सरकार इस मामले को समयबद्ध तरीके से निबटने में कहीं न कहीं नाकाम रही। देश को इस साल बालासोर ट्रेन हादसा बड़ी दुर्घटना की चोट दे गया। 2 जून 2023 को ओडिशा के बालासोर जिले में तीन ट्रेनें आपस में टकरा गई।

कोरोमंडल एक्सप्रेस बहनागा बाजार रेलवे स्टेशन के पास मेन लाइन में जाने की बजाए पूरी स्पीड में पासिंग लूप में चली गई और एक मालगाड़ी से टकरा गई। ज्यादा स्पीड होने के कारण कोरोमंडल एक्सप्रेस के 21 डिब्बे पटरी से उतर गए और उनमें से तीन डिब्बे दूसरी पटरी से गुजर रही SMVT बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन से टकरा गए। इस ट्रेन में हादसे में 296 लोगों की मौत हो गई।

रायपुर में विराजित हैं हनुमानजी

भगवान श्रीराम चंद्र के सबसे बड़े भक्त वीर हनुमान के बारे में कौन नहीं जानता। मान्यताओं के अनुसार आज भी हनुमान जी जीवित हैं। हनुमान जी का छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे देश के अलग-अलग हिस्सों में मूर्ति स्थापित की गई है। इन सभी मूर्तियों में से एक खास मूर्ति छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भी है। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम लला का प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। भगवान राम नन्हें रूप में स्थापित होंगे। छत्तीसगढ़ के इस मंदिर में बाल हनुमानजी शयन मुद्रा में विराजमान हैं। दावा है कि छत्तीसगढ़ में शयन मुद्रा में बाल हनुमानजी का इकलौता मंदिर है।

हनुमान मंदिर के पुजारी प्रमोद मिश्रा ने बताया कि हनुमान जी की बाल मूर्ति राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती रुद्र चौक पर स्थापित है। यहां मंदिर में हनुमान जी बाल रूप में शयन मुद्रा में विराजमान हैं। इस तरह की मूर्ति बहुत है। इसके बड़े रूप में मूर्ति इलाहाबाद में है। एक औरंगाबाद में है। छत्तीसगढ़ में केवल इसी स्थान पर बाल हनुमान शयन मुद्रा में हैं। भक्तों की काफी श्रद्धा बाल हनुमान जी के ऊपर है। भक्त मनोकामना स्वरूप हनुमानजी का श्रृंगार कराते हैं जिससे उनकी मनोकामना बिल्कुल पूरी होती है।

काफी प्राचीन है मूर्ति

हनुमान जी का श्रृंगार मंगलवार और शनिवार को होता है। यहां भक्त दूर-दूर से आते हैं। नागपुर से आये भक्तों ने इस प्रकार के बाल हनुमान जी के शयन मुद्रा में पहली बार देखने की बात कही थी। शयन मुद्रा में बाल हनुमानजी की मूर्ति का प्रायः सभी भक्त अपने मोबाइल से फ़ोटो लेकर जाते हैं। भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण हो रही है इसलिए भक्तों का श्रद्धा भाव बना हुआ है। मूर्ति काफी प्राचीन है। यहां बने मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 2015 में हुई है।

मैं तुम्हारे लिए प्रतीक्षा करता हूं, राह देखता हूं

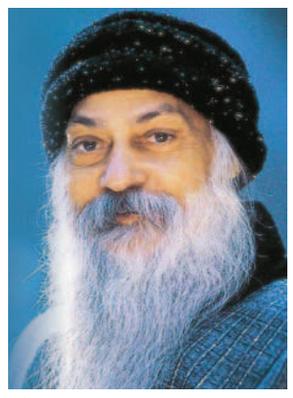

फिर लड़का और बड़ा होता चला गया और वृक्ष के पास आने के दिन कम होते चले गए। जो आदमी जितना बड़ा होता चला जाता है महत्वाकांक्षा के जगत में, प्रेम के निकट आने की सुविधा उतनी ही कम होती चली जाती है। उस लड़के की एंबीशन, महत्वाकांक्षा बढ़ रही थी। कहां वृक्ष! कहां जाना!

फिर एक दिन वहां से निकलता था तो वृक्ष ने उसे कहा, सुनो! हवाओं में उसकी आवाज गूंजी कि सुनो, तुम आते नहीं, मैं प्रतीक्षा करता हूं! मैं तुम्हारे लिए प्रतीक्षा करता हूं, राह देखता हूं, बाट जोहता हूं!

उस लड़के ने कहा, क्या है तुम्हारे पास जो मैं आऊं? मुझे रुपये चाहिए! हमेशा अहंकार पूछता है कि क्या है तुम्हारे पास जो मैं आऊं? अहंकार मांगता है कि कुछ हो तो मैं आऊं। न कुछ हो तो आने की कोई जरूरत नहीं। अहंकार एक प्रयोजन है, एक परप।ज है। प्रयोजन पूरा होता हो तो मैं आऊं! अगर कोई प्रयोजन न हो तो आने की जरूरत क्या है! और प्रेम निष्प्रयोजन है। प्रेम का कोई प्रयोजन नहीं। प्रेम अपने में ही अपना प्रयोजन है, वह बिल्कुल परप। जलेस है।

वृक्ष तो चैंक गया। उसने कहा कि तुम तभी आओगे जब मैं कुछ तुम्हें दे सकूं? मैं तुम्हें सब दे सकता हूं। क्योंकि प्रेम कुछ भी रोकना नहीं चाहता। जो रोक ले वह प्रेम नहीं है। अहंकार रोकता है। प्रेम तो बेशर्त दे देता है। लेकिन रुपये मेरे पास नहीं हैं। ये रुपये तो सिर्फ आदमी की ईजाद है, वृक्षों ने यह बीमारी नहीं पाली है। उस वृक्ष ने कहा, इसीलिए तो हम इतने आनंदित होते हैं, इतने फूल खिलते हैं, इतने फल लगते हैं, इतनी बड़ी छाया होती है; हम इतना नाचते हैं आकाश में, हम इतने गीत गाते हैं; पक्षी हम पर आते हैं और संगीत का कलरव करते हैं; क्योंकि हमारे पास रुपये नहीं हैं। जिस दिन हमारे पास भी रुपये हो जाएंगे, हम भी आदमी जैसे दीन-हीन मंदिरों में बैठ कर सुनेंगे कि शांति कैसे पाई जाए, प्रेम कैसे पाया जाए। नहीं-नहीं, हमारे पास रुपये नहीं हैं।

मरुधरा के प्रसिद्ध हनुमान मंदिरों का इतिहास

मरुधरा के हनुमान मंदिरों से जुड़ी मान्यताएं सदियों पुरानी हैं और महाभारत कालीनयुग तक से जुड़ी हैं। यूं तो गांव-शहरों में कई हनुमानजी के मंदिर हैं, लेकिन कुछ प्रसिद्ध मंदिरों की ख्याति देशभर हैं। अंजनि सुत और राम भक्त हनुमान के भक्तगण हर मंगलवार और शनिवार को दर्शनार्थ आते हैं। कुछ मौकों पर प्रसिद्ध मंदिरों में मेला भी लगता है। ऐसी मान्यता है कि हनुमानजी के बालाजी स्वरूप सबकी मनोकामनाएं जल्द पूरी करते हैं।

सालासर बालाजी: देश में एकमात्र दाढ़ी-मूंछ वाले हनुमानजी

सालासर धाम राजस्थान के चूरू और सीकर जिले की सीमा पर स्थित है। चूरू के गांव सालासर में बालाजी मंदिर की स्थापना का इतिहास बड़ा रोचक है। करीब तीन सौ साल पहले मोहनदास की भक्ति से प्रसन्न होकर बालाजी ने इन्हें मूर्ति रूप में प्रकट होने का वचन दिया। मान्यता है कि भक्त मोहनदास को दिया वचन पूरा करने के लिए बालाजी नागौर जिले के आसोटा गांव के खेत में 1811 में प्रकट हुए। तब बालाजी के मूर्ति ने बाजरे के चूरमे का पहला भोग लगाया। इसलिए सालासर बालाजी को चूरमे का भोग लगता है। जब मूर्ति प्रकट हुई तो बालाजी ने सपने में आसोटा के ठाकुर को इसे सालासर ले जाने को कहा। उधर बालाजी ने मोहनदास को सपने में बताया कि बैलगाड़ी जहां पर खुद रुक जाए, वहीं मूर्ति स्थापित करनी है। मूर्ति को उस समय वर्तमान स्थान पर स्थापित किया गया।

बालाजी पर हर साल चढ़ते हैं करीब 25 लाख नारियल

यह भी मान्यता है कि मोहनदास को पहली बार बालाजी ने दाढ़ी मूंछों के साथ दर्शन दिए थे, इसलिए देशभर में संभवतः यहीं पर दाढ़ी-मूंछों वाले हनुमानजी यानी बालाजी के दर्शन होते हैं। इस मंदिर में हर साल करीब 25 लाख नारियल चढ़ते हैं। बालाजी सबकी मन्नत पूरी करते हैं। मनौती के इन नारियलों का दोबारा उपयोग न हो इसलिए इन्हें खेत में गड्ढा खोदकर दबा देते हैं। सालासर में हनुमान जन्मोत्सव पर चैत्र पूर्णिमा के तीन दिवसीय मेले में तीन लाख से ज्यादा लोग बालाजी के दर्शन करेंगे। मेले के दौरान मंदिर रोज 19 घंटे खुला रहेगा।

मेंहदीपुर बालाजी: नकारात्मक बुराइयों से मिलती है मुक्ति

राजस्थान के दौसा जिले में मेंहदीपुर बालाजी मंदिर हनुमान जी को समर्पित है। इस मंदिर में तीन देवता लगभग 1 हजार साल से विराजमान हैं। ऐसी मान्यता है कि अरावली पहाड़ियों के बीच हनुमान जी की मूर्ति अपने-आप बनी है। इसे काफी कल्याणकारी माना गया है। कहते हैं कि भूत-प्रेत की बाधाओं और नकारात्मक बुराइयों से बचने के लिए प्रेतराज सरकार के दरबार में हर रोज 2 बजे कीर्तन होता है। यहां पर भैरवबाबा की मूर्ति है। जहां जाकर सभी को नकारात्मक बाधाओं से मुक्ति मिल जाती है। यह भी मान्यता है कि घाटा मेहंदीपुर में माता अंजनी के सान्निध्य में बाल रूप हनुमानजी ने बाल लीलाएं की तथा यहां उनकी किलकारियां गूंजी थी। इस कारण घाटा मेहंदीपुर विशेष धार्मिक स्थान है। यहां हर शनिवार व मंगलवार के अलावा भी दर्शनों के लिए बडी तादाद में श्रद्धालुओं का जमघट लगा रहता है। इससे यहां आए दिन मेले जैसा दृश्य नजर आता है।

पांडुपोल : महाभारतकालीन लेटे हुए हैं बजरंगबली

राजस्थान के अलवर जिले से 60 किलोमीटर दूर सरिस्का

में स्थित है पांडुपोल हनुमान मंदिर। ऐसी मान्यता है कि जब अज्ञातवास के दौरान पांडव यहां पर पहुंचे तो उन्हें आगे रास्ता नहीं मिला। तब भीम ने पहाड़ पर गदा के प्रहार से रास्ता बनाया था। यहां से एक किलोमीटर पर मंदिर है, जिसमें हनुमान जी की प्रतिमा लेटे हुए है। भीम को अपनी ताकत पर अभिमान हो गया था। हनुमानजी वृद्ध बंदर के वेश में रास्ते में लेटे हुए मिले। भीम ने अहंकार में पूंछ हटाने के लिए कहा तो हनुमानजी बोले कि आप खुद ही हटा लो। लाख कोशिशों के बाद भी भीम आगे बढ़ने के लिए उनकी पूंछ हटाकर रास्ता नहीं बना पाए। बाद में हनुमानजी ने उनको दर्शन दिए तो भीम को अपनी गलती का अहसास हुआ और हनुमानजी को करबद्ध प्रणाम किया।

सामोद: सदियों प्राचीन मंदिर में 1108 सीढ़ियां चढ़कर दर्शन

जयपुर जिले के सामोद के निकट नांगल भरड़ा की पहाड़ी पर हनुमानजी की आदमकद प्रतिमा विराजित है। ऐसी मान्यता है कि छह सौ साल से ज्यादा प्राचीन यह प्रतिमा स्थापित नहीं है, बल्कि पहाड़ी पर स्वयं प्रकट हुई है। यह मंदिर रामानंद संप्रदाय के संतों की तपोस्थली भी रही है। संवत 1452 में यहां हनुमानजी ने चट्टान पर महाराज को दर्शन दिए। बाद में नगनदासजी महाराज ने इसी शिला को मंदिर के लिए चुना व प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कराई।

खोले के हनुमानजी : सदियों पहले संत ने चट्टान पर उकेरी थी छवि

राजस्थान के राजधानी में जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-8 से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर खोले के हनुमान जी का मंदिर है। पहाड़ों की खोल में स्थित होने के कारण खोले के हनुमानजी नाम पड़ा। ऐसी मान्यता है कि संत निर्मलदास जी ने सदियों पहले पहाड़ उठाकर संजीवनी बूटी लाते हनुमानजी की छवि को पत्थर पर उकेरा था। बाद में हनुमानजी मंदिर की स्थापना पंडित राधे लाल चौबे ने की। उन्होंने ही मंदिर के विकास के लिए 1961 में नरवर आश्रम सेवा समिति नाम से संस्था भी बनाई। यही संस्था इस मंदिर का संचालन कर रही है। मंदिर के लोग बताते हैं कि मूर्ति मिलने से पहले यहां लक्ष्मण डूंगरी काफी दुर्गम और निर्जन थी। लेकिन अब इस मंदिर का स्वरूप बहुत बड़ा हो चुका है। इस मंदिर पर बड़ी संख्या में लोग आते हैं। यहां पर अक्सर गौठ यानी भंडारा किया जाता है।

चलें अंजनी पर्वत पर स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन करने हम्पी

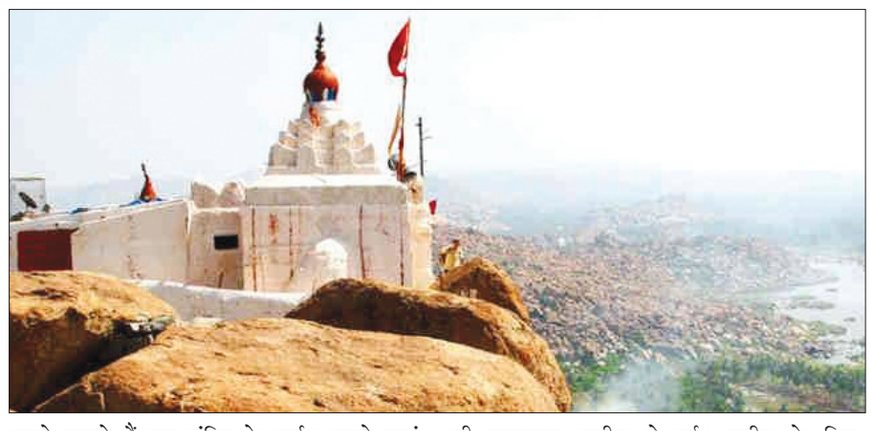

आइये चलते हैं उस मंदिर के दर्शन करने जहां हनुमान और श्री राम की हुई थी पहली भेंट, ये मंदिर कर्नाटक के बेल्लारी में अंजनी पर्वत पर स्थित है।

यहीं मिले राम से हनुमान पहली बार

कर्नाटक का बेल्लारी जिला और यहां का एक छोटा-सा शहर 'हम्पी' कभी मध्यकालीन हिंदू राज्य विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हुआ करता था। हम्पी तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित है। यह नगर प्राचीन काल में 'पंपा' के नाम से भी जाना जाता था। माना जाता है कि पंपा में ही भगवान श्रीराम जी की पहली भेंट भगवान श्री हनुमानजी से हुई थी।

कैसे हुई भेंट- पौराणिक कथाओं के अनुसार जब रावण, महाराष्ट्र में नासिक के पास, पंचवटी से माता सीता का अपहरण कर लंका ले गया था। तब सीता कहां गईं श्रीराम और लक्ष्मण को पता नहीं था। वह जंगल-जंगल भटके, लेकिन माता सीता का कुछ भी पता नहीं चल पाया। उस समय सीता की खोज करते हुए दोनों भाई किष्किंधा पहुंचे। इस क्षेत्र में ही अंजनी पर्वत पर बजरंगबली के पिता महाराज केसरी का राज था, जहां बजरंगबली रहते थे। वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और लक्ष्मण की मुलाकात सुग्रीव से हुई। सुग्रीव के मित्र, बजरंगबली थे जब उन्हें पता चला कि दो राजकुमार उनके क्षेत्र में आए हैं। तब वह ब्रह्मण रूप में उनसे मिलने पहुंचे। उन्होंने विनम्रता से कहा, 'सांवले शरीर वाले आप कौन हैं, क्या आप ब्रह्मा, विष्णु, महेश इन तीन देवताओं में से कोई हैं या आप दोनों नर और नारायण हैं?'हंपी ही है पंपा- इस पर श्री रामचंद्रजी ने कहा, 'हम अयोध्या नरेश महाराज दशरथ के पुत्र हैं और पिता का वचन पूरा करने वनवास पर निकले हैं। हमारे राम-लक्ष्मण नाम हैं, हम दोनों भाई हैं। हमारे साथ सुंदर सुकुमारी स्त्री थी। यहां वन में राक्षस ने मेरी पत्नी जानकी को हर लिया।' 'हे ब्राह्मण! हम उसे ही खोजते फिरते हैं। हमने तो अपना चरित्र कह सुनाया। अब हे ब्राह्मण! आप अपनी बारे में सुनाइए, आप कौन हैं?' प्रभु को पहचानकर हनुमानजी उनके चरण पकड़कर पृथ्वी पर नतमस्तक हो गए। उन्होंने साष्टांग दंडवत प्रणाम कर स्तुति की। अपने आराध्य को समाने देख वो हर्ष से सराबोर थे। जहां हनुमानजी की भेंट भगवान श्रीराम से हुई यह ओर कोई नहीं हंपी ही थी जिसे प्राचीन काल में पंपा कहते थे।

उत्तराखंड में इस जगह सीता माता का मंदिर
मेले में सीता के केश के रूप में प्रसाद में बांटी जाती है 'घास'

पौड़ी गढ़वाल. देवभूमि उत्तराखंड में महाभारत काल के तो कई प्रमाण मिलते हैं, लेकिन त्रेतायुग के भी यहां साक्ष्य मिलते हैं। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के सितोलस्यूं पट्टी के फलसवाड़ी गांव में सीता माता ने अपने वनवास के दिन बिताए थे। यहां माता सीता का मंदिर भी स्थित है। धार्मिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होने के चलते 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सीता सर्किट बनाए जाने की घोषणा की थी। हालांकि अभी तक सीता सर्किट को लेकर कार्य नहीं हो पाया है। यहां सीता माता मंदिर के अलावा कई अन्य मंदिर भी स्थित हैं। यहां हर साल मनसार मेले का आयोजन किया जाता है। जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर स्थित सितोलस्यूं पट्टी का रामायण काल से सीधा संबंध है। इसी क्षेत्र में माता सीता ने अपना समय बिताया और लव-कुश की परवरिश की। एक दूसरी मान्यता के अनुसार, यहां सीता ने भू समाधि ली थी। सीता माता मंदिर के पुजारी सचिदानंद भट्ट बताते हैं कि एक तथ्य यह भी माना जाता है कि जब श्रीराम चंद्र ने सीता का त्याग किया, तो देवप्रयाग तक वह स्वयं सीता को छोड़ने आए थे। यहां से उन्होंने लक्ष्मण को आदेश दिया कि वह सीता को सकुशल वाल्मीकि आश्रम तक छोड़ आएं लेकिन जब सीता इस स्थान पर पहुंचीं, तो उन्होंने यहां भू समाधि ले ली। लक्ष्मण ने जब यह दृश्य देखा तो वह सीता माता को जमीन में समाधि लेने से रोकने की कोशिश करते रहे, लेकिन उनके हाथ केवल सीता के कुछ बाल लगे। उन्होंने आगे कहा कि आज भी यहां हर साल मेले का आयोजन होता है, जिसमें सीता माता के केश के रूप में बाब्युल (एक तरह की घास) को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है।

लव-कुश के जन्म की भी मान्यता

वहीं एक दूसरी मान्यता के अनुसार, यह भी कहा जाता है कि इस क्षेत्र में ही माता सीता ने लव-कुश को जन्म दिया व उनका पालन पोषण किया। सचिदानंद भट्ट कहते हैं कि दोनों घटनाओं का एक ही जगह होना संभव नहीं है, लेकिन यहां सीता माता की समाधि स्थल व उससे कुछ दूर वाल्मीकि मंदिर मौजूद होना मान्यताओं को बल देता है।

सीता सर्किट बनने का इंतजार

उन्होंने आगे कहा कि सीता माता मंदिर को 20 साल पहले ही मंदिर का स्वरूप दिया गया। इससे पूर्व यहां पर एक चबूतरा हुआ करता था। कहा यह भी जाता है कि यहां एक छोटा मंदिर था, जो समय के साथ भूमिगत हो गया। यहां से कुछ ही दूरी पर वाल्मीकि मंदिर, सीता माता के स्नान करने का कुआं और लक्ष्मण मंदिर भी है। ग्रामीण चाहते हैं कि जल्द ही सीता सर्किट तैयार हो, जिससे कि इस ऐतिहासिक क्षेत्र का प्रचार-प्रसार हो सके।

जूनियर एनटीआर ने 'देवरा' के नए पोस्टर के साथ टीजर रिलीज डेट की घोषणा की

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी फिल्म 'देवरा' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फैंस बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। वहीं अब फैंस के उत्साह को बढ़ने के लिए फिल्म के टीजर को लेकर नई जानकारी सामने आई है। नए साल के मौके पर जूनियर एनटीआर ने फैंस को तोहफा दिया और 'देवरा' के टीजर की रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी।

आज एक जनवरी, सोमवार को जूनियर एनटीआर ने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर एक साझा किया और बताया कि 'देवरा' की पहली झलक 8 जनवरी, 2024 को जारी की जाएगी। उन्होंने लिखा, '8 जनवरी को देवरा की झलक का अनुभव करने के लिए आप सभी का इंतजार नहीं कर सकता।' इसके साथ ही अभिनेता अपने प्रशंसकों को नए साल की शुभकामनाएं भी दीं और लिखा, 'आप सभी को नए साल की बधाई।'

टीजर की घोषणा के साथ जूनियर एनटीआर ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म का एक नया पोस्टर भी साझा किया। पोस्टर में वे समुद्र के बीच नाव पर खड़े नजर आ रहे थे। उन्होंने काली पैंट के साथ शर्ट भी पहन रखी थी। ऐसा लगा रहा था कि तूफान से टकराने के लिए जूनियर एनटीआर पूरी

तरह से तैयार हैं।

'देवरा' के जरिए जूनियर एनटीआर ब्लॉकबस्टर हिट 'जनता गैराज' के प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता कोराताला शिवा के साथ फिर से जुड़े हैं। 'देवरा' जान्हवी कपूर की दक्षिण फिल्मों में पहली फिल्म और जूनियर एनटीआर के साथ उनका पहला सहयोग है। 'आरआरआर' की तरह इस तेलुगु फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस होंगे, जो दर्शकों के होश उड़ा देंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देवरा को भारी बजट पर बनाया जा रहा है। कथित तौर पर निर्माता इसके वीएफएक्स पर 140 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं।

'देवरा' जूनियर एनटीआर की 30वीं फिल्म भी है। कथित तौर पर अभिनेता इस फिल्म में पिता और पुत्र दोनों का किरदार पर्दे पर निभाएंगे। फिल्म में सैफ अली खान और राम्या कृष्णा जैसे अन्य कलाकार भी होंगे। ऐसी खबरें हैं कि अभिनेत्री चैत्रा राय स्टार कास्ट में शामिल होंगी। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 'देवरा' का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है। संगीत रचना अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा की जाएगी। यह फिल्म पांच अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'आसान नहीं था किंग ऑफ रोमांस के साथ रोमांस करना' तापसी ने बताया शाहरुख के साथ अपनी केमेस्ट्री का राज

'डंकी' फिल्म में पहली बार तापसी पन्नू ने शाहरुख खान के साथ किया है। फिल्म में उनकी और शाहरुख की जबरदस्त केमेस्ट्री ने दर्शकों की खूब तारीफें बटोरी हैं। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी और शाहरुख की रोमांटिक जोड़ी को भले ही दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है, लेकिन तापसी के लिए फिल्म में शाहरुख के साथ रोमांस करना बिलकुल आसान नहीं था। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में तापसी ने इसका खुलासा भी किया है।

मुश्किल रहा शाहरुख के साथ रोमांस करना

तापसी शाहरुख के साथ फिल्म में किए रोमांस के बारे में बात करते हुए कहती हैं, 'मेरे लिए शाहरुख खान के साथ रोमांस करना बहुत मुश्किल था। शूटिंग के शुरुआती दिनों में मैं जब भी उनकी तरफ देखती थी। तब वे प्यार से मेरी तरफ देख रहे होते थे। अब ऐसे में कोई भी कोई भी रोमांटिक दृश्य उनके साथ फिल्माना बिना फ्रोजन हुए नामुमकिन था। शाहरुख जब आपकी तरफ प्यार से देखते हैं। तब आपको उनकी सभी क्लासिक रोमांटिक फिल्में याद आने लगती हैं, जब हकीकत में वही इंसान आपके सामने आपके साथ रोमांस कर रहा हो तब आप कैसे नहीं फ्रीज होंगे।'

मिलनसार स्वाभाव के हैं शाहरुख

शाहरुख के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए तापसी बताती हैं, 'आप उनकी रोमांटिक फिल्में देख चुके होते हैं। आपको पता होता है कि पर्दे पर वो कैसे दिखते हैं, कैसे प्यार करते हैं, लेकिन जब आप उनसे हकीकत में मिलते हैं, तब भी वे उतने ही प्यार से आपको मिलते हैं। शाहरुख बहुत ही मिलनसार स्वाभाव के इंसान हैं। उन्हें जरा भी नहीं लगता कि वे इतने बड़े स्टार हैं। मैं जब उनसे मिली तब बार-बार खुद को झकझोर कर यकीन दिलाने की कोशिश करती रही कि यही सच है, शाहरुख खान मेरे सामने हैं। मैं

उनके साथ फिल्म में काम कर रही हूं।'

तापसी पन्नू का वर्कफ्रंट

तापसी पन्नू के लिए गुजरा हुआ साल काफी सफल रहा है। उन्होंने 'डंकी' के अलावा 'दोबारा' और 'तड़का' जैसी फिल्मों से अपनी अभिनय का लोहा मनवाया है। 2024 में उनकी फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' के आने की सम्भावना है। इस फिल्म में उनके साथ विक्रांत मैसी दिखाई देंगे। यह फिल्म 2021 में आयी 'हसीन दिलरुबा' की अगली कड़ी होगी।

बेघर होते ही नील ने की विनर की घोषणा ! पत्नी के एक्स के दावों पर भी दी प्रतिक्रिया

'बिग बॉस 17' किसी न किसी वजह से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शो में आए दिन घरवालों के बीच घमासान देखने को मिलता है। अब बिग बॉस ने हाल ही में, डबल एविक्शन से अपने दर्शकों को भी काफी हैरान कर दिया है। 'बिग बॉस 17' में कल रात पहला डबल एविक्शन देखा गया। यह नील भट्ट और रिंकू धवन ही थे जिन्होंने सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो को अलविदा कह दिया है। अब बाहर आते ही नील ने 'बिग बॉस 17' के विनर का नाम भी घोषित कर दिया है।

शुरू से ही रिंकू और नील दोनों ने अच्छा रुख बनाए रखा। पिछले हफ्ते नील की पत्नी ऐश्वर्या शर्मा भट्ट घर से बेघर हो गई थीं और अब नील के बाहर निकलने के बाद अभिनेता ने कई दिलचस्प बातें भी शेयर की हैं। जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है।

मुनव्वर, आयशा और मन्नारा की

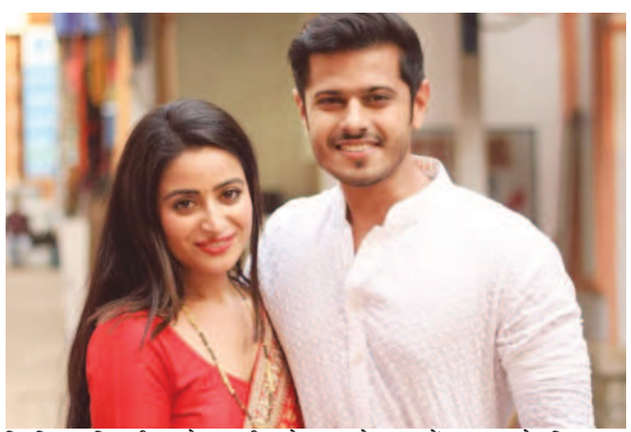

स्थिति पर टिप्पणी करते हुए नील ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मुनव्वर की निजी जिंदगी को राष्ट्रीय टेलीविजन पर खींचना उचित था। मुनव्वर, मन्नारा और आयशा के बीच एक अच्छा संबंध है। आयशा और मुनव्वर का एक इतिहास है। मैंने मन्नारा को अलग-अलग मौकों पर यह भी बताया था कि उसके मन में मुनव्वर के लिए कुछ भावनाएं हैं, जिनसे उसने इनकार किया और जब सलमान सर ने पूछा तो उसने उन्हें स्वीकार कर लिया।

यह पूछे जाने पर कि वह किसे 'बिग बॉस 17' का खिताब जीतते हुए देखते हैं, नील भट्ट ने कहा, ₹अगर मुनव्वर या अभिषेक अपना तरीका सुधार लें तो शो जीत सकते हैं।₹ नील ने विक्की जैन और अंकिता लोखंडे के खेल पर भी अपनी राय व्यक्त की। "मुझे नहीं लगता कि विक्की का खेल सही रास्ते पर है। विक्की स्थिति का बहुत शोषण करने वाला हो गया है। वे हमेशा लड़ाई लड़ने और उसे आगे बढ़ाने का सहारा लेता रहता है। शो में विक्की के लिए करने के लिए और कुछ नहीं बचा है।

नील भट्ट ने ऐश्वर्या शर्मा के पूर्व बॉयफ्रेंड राहुल पंड्या के दावों पर प्रतिक्रिया दी है। नील ने कहा, "राहुल जो भी कह रहे हैं वो सब बेबुनियाद है।₹ उन्होंने इस विषय पर अधिक बात नहीं की। मौजूदा प्रतियोगियों की बात करें तो घर के अंदर अरोरा, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, मुनव्वर फारुकी, ईशा मालविया, अभिषेक कुमार, आयशा खान, अनुराग डोभाल उर्फ यूके राइडर, मन्नारा चोपड़ा, अरुण महाशेट्टी, समर्थ जुरेल हैं।

अगले महीने रकुल प्रीत सिंह लेंगी सात फेरे, डेस्टिनेशन वेडिंग का ये है पूरा प्लान

काफी लंबे समय से अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और निर्माता - एक्टर जैकी भगनानी की शादी की खबरें सुनने को मिल रही है। मिली जानकारी के मुताबिक रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने अब शादी करने का फैसला कर लिया है और अगले महीने गोवा में शादी करने जा रहे हैं। इस समय रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बैंकॉक में एक साथ छुट्टियां मना रहे हैं।

चर्चा थी कि रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी साल 2023 में ही शादी करने वाले हैं, और जैकी भगनानी के पिता वासु भगनानी इस शादी को गैंड बनाने की तैयारी कर रहे हैं । लेकिन अब सुनने में आ रहा कि शादी बहुत ही साधारण समारोह में अगले महीने 22 फरवरी को गोवा में होगी, जिसमे कुछ खास मेहमानों को ही आमंत्रित किया जाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक जैकी भगनानी इस शादी को बहुत ही अतरंग रखना चाहते हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि भगनानी का परिवार बहुत निजी है और शादी को भी निजी रखना चाहते हैं।

नए साल पर अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बैंकॉक में बैचलर पार्टी एंजॉय कर रहे हैं। साल 2021 में रकुल सिंह के जन्मदिन पर जैकी भगनानी ने अपने प्यार का इजहार किया था। रकुल प्रीत सिंह ने भी जन्मदिन पर जैकी भगनानी के साथ सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करके अपने दिल की बात लिखी थी। रकुल प्रीत सिंह ने जैकी भगनानी को अपना सबसे अच्छा और स्पेशल गिफ्ट बताया था।

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी की शादी की खबरें काफी लंबे समय से सुनने में आ रही है। साल 2023 में ही ऐसी चर्चा थी कि दोनो कपल शादी करने वाले हैं। और, जैकी भगनानी के पिता वासु भगनानी इस शादी को गैंड बनाने की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन बताया जा रहा है कि 22 फरवरी 2024 को दोनो कपल शादी के बंधन में बंधने जा रहें हैं, जिसमे कुछ खास मेहमानों को ही आमंत्रित किया जाएगा। जैकी भगनानी इस शादी को निजी रखना चाहते हैं। हालांकि इस बारे में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह की तरफ से कोई आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं हुई है।

जॉन अब्राहम ने मुंबई के खार में खरीदा शानदार बंगला 75 करोड़ रुपये में अभिनेता ने किया सौदा

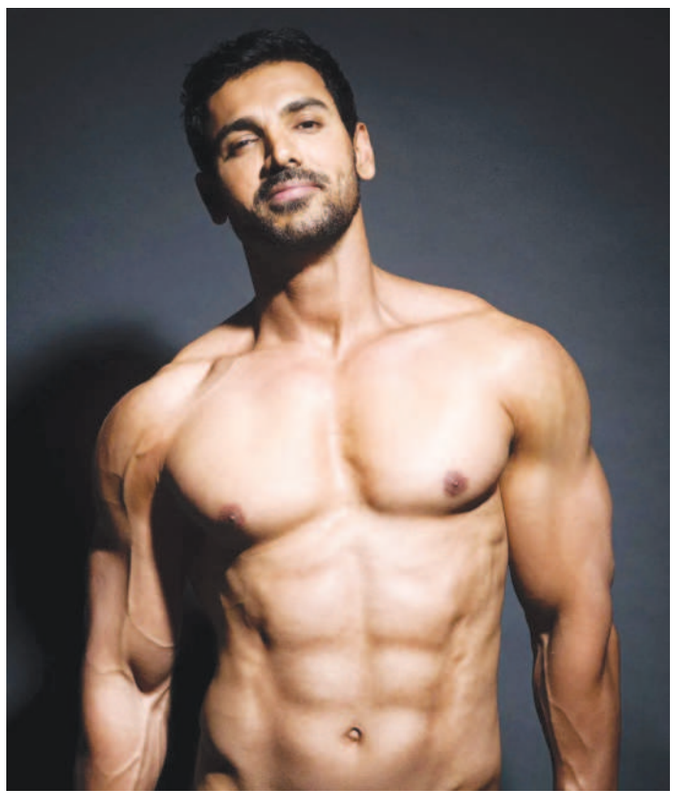

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम शानदार अभिनेता-निर्माता होने के साथ-साथ एक अच्छे बिजनेसमैन भी हैं। उन्हें बिजनेस की समझ रखने वाला माना जाता है। जॉन अब्राहम इंडियन फुटबॉल लीग में एक स्पोर्ट्स टीम के भी मालिक हैं। अब खबरें आ रही हैं कि जॉन अब्राहम ने खार में 75 करोड़ रुपये का बंगला खरीदा है। यह संपत्ति लिंकिंग रोड में स्थित है।

अभिनेता ने खरीदी शानदार संपत्ति

जॉन अब्राहम का कार्यालय भी एक आकर्षक बांद्रा बंगले में स्थित है और यह उनकी दूसरी खरीद है। जॉन की यह संपत्ति खार, लिंकिंग रोड पर 372 निर्मल भवन है, जो एक ग्राउंड के साथ दो मंजिल के साथ आता है। कहा जा रहा है कि अभिनेता ने 27 दिसंबर को 75 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। स्टांप ड्यूटी के तौर पर अभिनेता ने 4.25 करोड़ रुपये अतिरिक्त चुकाए गए।

रियल एस्टेट में भी कर चुके हैं निवेश

उन्होंने अभी तक इस खरीदारी की खबर की पुष्टि नहीं की है। वे पहले से ही बांद्रा में एक आलीशान अपार्टमेंट के मालिक हैं। उनका घर दो फ्लैटों को एक साथ मिलाकर दो मंजिलों पर डिजाइन किया गया है। इसमें एक निजी छत भी है, जहां से अरब सागर का नजारा दिखता है। जॉन अब्राहम उन बॉलीवुड हस्तियों में से एक हैं, जिन्होंने रियल एस्टेट में भारी निवेश किया है। 2009 में उन्होंने एक पारसी परिवार रतनशास से पेटिट स्कूल के पास यूनियन पार्क में एक प्रमुख भूखंड खरीदा था।

जॉन का फिल्मी करियर

वहीं बात करें जॉन अब्राहम के फिल्मी करियर की तो साल 2023 उनके लिए काफी अच्छा था। उन्होंने 'पठान' में शाहरुख खान के साथ काम किया था, जिसमें उन्होंने नकारात्मक किरदार निभाया। फलम ने दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर एक हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की कमाई की थी। जॉन के किरदार 'जिम' को साल का सर्वश्रेष्ठ नकारात्मक किरदार माना गया।

अक्षय-टाइगर ने नए साल पर दिया खास तोहफा, 'बड़े मियां छोटे मियां' से नया लुक जारी

बॉलीवुड खिलाड़ी यानी कि अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' जल्द ही बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म का टीजर गणतंत्र दिवस के दौरान रिलीज किया जाएगा। फिल्म का टीजर देखने के लिए दर्शक जितने उत्सुक है, उससे ज्यादा फिल्म की टीम इस टीजर को रिलीज करने के उत्सुक हैं। अब साल की शुरुआत में ही अक्षय और टाइगर ने फैंस को खास तोहफा दिया है और फिल्म से नया लुक जारी किया है।

जैसे ही नए साल की शुरुआत हुई पैन इंडिया फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' की बहुप्रतीक्षित घोषणा से उत्साहित प्रशंसकों ने उत्साह के साथ 2023 का स्वागत किया। बॉलीवुड की सबसे शानदार एक्शन जोड़ी, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ को पहली बार स्क्रीन साझा करते हुए देखा जाएगा।

साल की शुरुआत करने के लिए अभिनेताओं और फिल्म के निर्माताओं सोशल मीडिया का रुख किया और फिल्म की एक झलक साझा करते हुए फैंस को नए साल की शुभकामनाएं भी दी। अक्षय और टाइर ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा, आपका नया साल बड़ा बने, छोटी छोटी खुशियों से बड़े मियां छोटे मियां की ओर से नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। सिनेमाघरों में हमसे मिलने के लिए #Eid2024 को ब्लॉक करना न भूलें। आइए 2024 में धूम मचाएं!

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर 'बड़े मियां छोटे मियां' 2024 ईद के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इससे पहले करीब 75 दिन फिल्म का प्रमोशन किया जाएगा।

यह एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा, संगीत और थ्रिल के साथ एक बड़ी फिल्म है।

फिल्म के निर्माता त्योहारी रिलीज के सभी पहलुओं के साथ बड़े पैमाने पर काम करेंगे।

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को उन्होंने ही लिखा है।

वहीं, वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी, हिमांशु किशन मेहरा और अली अब्बास जफर ने फिल्म को निर्मित किया है। यह फिल्म ईद 2024 के दौरान पांच भाषाओं में रिलीज होने के लिए तैयार है।

नए साल में गांठ बांध लें ये बातें, स्वस्थ व लंबी आयु होगी

साल 2024 का काउंटडाउन शुरू हो गया है, कुछ ही दिनों में हम 2024 में प्रवेश करने जा रहे है। इससे पहले अगर साल 2023 पर एक नजर डालें तो पता चलता है कि ये पूरा साल हमारी सेहत के मामले में कई तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। पूरे साल कई प्रकार का संक्रामक बीमारियों, हृदय रोग, मच्छरजनित रोगों सहित कई बीमारियों ने समय-समय पर मुश्किलें बढ़ाईं। हम भले ही एक नए साल की तरफ बढ़ रहे हैं पर ये चुनौतियां अभी कम नहीं हुई हैं। इनका खतरा अब भी बना हुआ है।

अध्ययनों से पता चलता है कि कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं, पर्यावरणीय दिक्कतों के कारण हमारी सेहत पर बहुत

नकारात्मक असर हुआ है, लिहाजा कम उम्र में ही लोग न सिर्फ गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, साथ ही मौत का खतरा भी बढ़ा है। इस दिशा में विशेष प्रयास की आवश्यकता है। अगर आप भी बीमारियों से बचाव करते हुए स्वस्थ और लंबी आयु चाहते हैं तो नए साल में कुछ विशेष सुधार की आवश्यकता है।

न्यू ईयर रेजोल्यूशन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, स्वस्थ जीवन के लिए सबसे आवश्यक है कि हम सभी अपनी इम्युनिटी को मजबूत करने के लिए प्रयास करें। ये सतत प्रक्रिया है जिसका मतलब है कि प्रतिरोधक क्षमता को निर्मित करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है। पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम करने से आपकी जीवन प्रत्याशा बढ़ सकती है। लाइफस्टाइल में कुछ आवश्यक बदलाव करके आप लंबी आयु पा सकते हैं। कम उम्र से ही इसके लिए प्रयास शुरू कर देना आवश्यक है, ये आपके लिए न्यू ईयर रेजोल्यूशन भी है।

आहार में प्लाट-बेस्ड चीजों-नट्स को करें शामिल

शोधकर्ता बताते हैं, फलों-सब्जियों, नट्स-सीड्स, साबुत अनाज और बीन्स जैसे विभिन्न प्रकार के पौधों पर आधारित खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बीमारी का खतरा कम हो सकता है और आप दीर्घायु होते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि प्लाट-बेस्ड आहार, समय से पहले मौत के जोखिम को कम करने के साथ कैंसर, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, हृदय रोग, अवसाद जैसी बीमारियों से बचा सकते हैं।

इसी तरह आहार में नट्स को जरूर शामिल करें। ये प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग प्रति सप्ताह कम से कम 3 बार नट्स का सेवन करते हैं, उनमें समय से पहले मृत्यु का जोखिम 39% कम होता है।

शारीरिक रूप से सक्रिय रहें

इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि शारीरिक रूप से सक्रिय रहने से आप स्वस्थ रह सकते हैं और आयु भी बढ़ती है। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट का व्यायाम आपको दीर्घायु बनाने के लिए लाभकारी है। इससे समय से पहले मृत्यु का जोखिम भी 4% कम हो सकता है। अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि व्यायाम करने वाले 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों में शीघ्र मृत्यु का जोखिम 22 फीसदी तक कम देखा गया है।

धूम्रपान-शराब से बिल्कुल दूरी

धूम्रपान न सिर्फ कई प्रकार की गंभीर बीमारियों को बढ़ाता है, ये समय से पहले मृत्यु का कारक भी है। शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वालों में समय से पहले मरने की आशंका तीन गुना अधिक हो सकती है। समीक्षा अध्ययन में पाया गया है कि 40 साल की उम्र से पहले तंबाकू छोड़ने से इसके कारण होने वाली मृत्यु जोखिमों को कम किया जा सकता है। इसी प्रकार से शराब का सेवन लिवर, हृदय और अग्न्याशय की बीमारी को बढ़ा सकता है साथ ही इससे शीघ्र मृत्यु का खतरा भी बढ़ जाता है। शोधकर्ता बताते हैं, अगर इन दोनों आदतों को छोड़ दिया जाए तो लंबी आयु प्राप्त की जा सकती है।

रहना चाहते हैं चिंता-तनाव से मुक्त तो जरूर अपनाएं ये आदतें

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं मौजूदा समय में किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं हैं। कम उम्र के लोग, यहां तक कि स्कूली बच्चों में भी स्ट्रेस-एंग्जाइटी जैसी समस्याओं का निदान किया जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे काफी गंभीर स्थिति मानते हैं। विशेषतौर पर कोरोना महामारी के बाद से मानसिक स्वास्थ्य विकारों के मामलों में काफी तेजी से उछाल आया है। साल 2023 में भी यह बड़ी चुनौती बनी रही।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध आपके संपूर्ण सेहत से है। स्ट्रेस-डिप्रेशन जैसी स्थितियां कई प्रकार के गंभीर रोगों जैसे हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, डायबिटीज के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती हैं। कई अध्ययनों में पाया गया है कि मानसिक स्वास्थ्य विकार आपकी लाइफ एक्सपेक्टेंसी को भी कम कर सकते हैं। कुछ ही दिनों में हम नए साल में कदम रखने जा रहे हैं। भविष्य में बेहतर सेहत के लिए जरूरी है कि हम मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। नए साल में प्रवेश करने से पहले मेंटल हेल्थ को ठीक रखने के लिए खुद से कुछ संकल्प लें, जिससे आपका मन स्वस्थ रहे।

दिनचर्या को ठीक रखें

शारीरिक हो या मानसिक स्वास्थ्य, इसे ठीक रखने के लिए दिनचर्या में सुधार करना बहुत आवश्यक माना जाता है। स्वस्थ-पौष्टिक भोजन करने से लेकर नियमित व्यायाम-योग को दिनचर्या में शामिल करना आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में सहायक हो सकता है। माइंडफुलनेस, आत्म-जागरूकता और ध्यान का अभ्यास हमें वर्तमान की परिस्थितियों को बेहतर ढंग से डील करने में मदद करते हैं। लाइफस्टाइल ठीक रहने से मन शांत रहता है और व्यायाम हैपी हार्मोन्स को बढ़ाने में मदद करते हैं।

स्क्रीन टाइम कम करने का लक्ष्य

दिन की शुरुआत से लेकर रात में सोने तक हम मोबाइल-कंप्यूटर और टीवी जैसे स्क्रीन वाले उपकरणों से घिरे रहते हैं। हालांकि अध्ययनों में पाया गया है कि स्क्रीन पर अधिक समय बिताना मेंटल हेल्थ के लिए कई प्रकार की समस्याओं को बढ़ाने वाला हो सकता है। भोपाल में मनोचिकित्सक डॉ सत्यकांत त्रिवेदी बताते हैं जिन लोगों के दिन का अधिकतर समय किसी प्रकार के स्क्रीन पर बीतता है उनमें स्ट्रेस-एंग्जाइटी जैसी समस्याओं के विकसित होने का खतरा अधिक हो सकता है। यानी कि नए साल में मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए जरूरी है कि जितना हो सके स्क्रीन से दूर रहने की कोशिश करें।

नींद को दें प्राथमिकता

भागदौड़ और तनाव से भरी इस दुनिया में ज्यादातर लोगों के लिए अपनी नींद को पूरा कर पाना कठिन हो गया है। हालांकि ये आदत संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। प्रतिदिन लगभग सात से आठ घंटे की निर्बाध नींद हमें बेहतर महसूस करने में मदद करती है। शोध में पाया गया है कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उनमें स्ट्रेस-एंग्जाइटी होने का जोखिम अधिक होता है। इतना ही नहीं एक रात भी ठीक से नींद पूरी न होने से आप अगले दिन अधिक थकान, चिंतित और कम ऊर्जा महसूस करने लगते हैं।

इन जूस के सेवन से आंखों की बढ़ती है रोशनी, ब्लड प्रेशर भी रहता है कंट्रोल

शरीर को सेहतमंद रखने के लिए दैनिक आहार में फलों-सब्जियों को शामिल करना बहुत आवश्यक माना जाता है। हरी सब्जियों-मौसमी फलों में वे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जिन्हें कई तरह की बीमारियों से सुरक्षा देने में फायदेमंद पाया गया है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दियों के इस मौसम में कई ऐसी सब्जियां भरपूर मात्रा में उपलब्ध होती हैं, जिनका सेवन आंखों के मरीजों से लेकर हाई ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर समस्याओं से परेशान लोगों के लिए विशेष लाभकारी हो सकता है। रोजाना अगर कुछ सब्जियों के जूस को आहार का हिस्सा बना लिया जाए तो इससे विशेष लाभ मिल सकता है।

क्या कहती हैं आहार विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ पूजा नरूला कहती हैं, हम सभी को रोजाना के भोजन से शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। ऐसे में फलों-सब्जियों के जूस का सेवन लाभकारी हो सकता है। गाजर-चुकंदर दो ऐसी सब्जियां हैं, जिन्हें सलाद के रूप में प्रयोग में लाया जाता है। इनके जूस का सेवन भी बहुत फायदेमंद है। एक महीने इनके जूस के सेवन से आप सेहत में बेहतर बदलाव महसूस कर सकते हैं।

आंखों की बीमारियों से बचाता है गाजर का जूस

डाइटिशियन के मुताबिक गाजर उन पोषक तत्वों से भरपूर होता है जिन्हें आंखों के लिए जरूरी माना जाता है। गाजर में बीटा-कैरोटीन होता है, ये एक ऐसा पदार्थ है जिसे शरीर विटामिन-ए में परिवर्तित करता है, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। विटामिन-ए की अत्यधिक कमी से आंखों की रोशनी में कमी या अंधापन हो सकता है। विटामिन-ए मोतियाबिंद और मैक्यूलर डीजनरेशन को रोक सकती है, जो दुनिया में अंधेपन का प्रमुख कारण है।

ब्लड प्रेशर रोगियों के लिए चुकंदर का जूस

सर्दियों में रक्त वाहिकाओं में संकुचन के कारण ब्लड प्रेशर बढ़ने का जोखिम रहता है। चुकंदर का रस आपके रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है। 2022 के मेटा-विश्लेषण में कहा गया है कि चुकंदर के रस से प्राप्त नाइट्रेट, उच्च रक्तचाप वाले रोगियों में सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर को कम कर सकता है। चुकंदर के रस में नाइट्रेट यौगिक होते हैं जो रक्त में नाइट्रिक ऑक्साइड में परिवर्तित हो जाते हैं और रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करने और आराम देने में मदद करते हैं।

इन जूस के और भी कई लाभ

चुकंदर पोटेशियम का भी अच्छा स्रोत है, जो तंत्रिकाओं और मांसपेशियों को ठीक से काम करने में मदद करती है। चुकंदर का जूस पोटेशियम की कमी पूरा करके रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखता है और ब्लड भी नियंत्रित रहता है। इसी तरह से गाजर का जूस स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर पेय है जो आपकी त्वचा के लिए अद्भुत काम कर सकता है। बीटा-कैरोटीन एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो त्वचा कोशिकाओं को स्वस्थ रखने, त्वचा के ऊतकों की मरम्मत करने में भी सहायक है। इससे आपकी त्वचा चिकनी और चमकदार होती है।

इन देशों में हृदय रोगों से मौत का खतरा सबसे अधिक
शोध में इन कारणों को माना गया जिम्मेदार

हृदय रोग वैश्विक स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक हर साल हृदय की तमाम बीमारियों के कारण लाखों लोगों की मौत हो जाती है। एक अन्य अध्ययन के मुताबिक साल 2022 में भारत में हार्ट अटैक के कारण होने वाली मौतों के आंकड़ों में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, साल-दर साल इस रोग का खतरा बढ़ता ही जा रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हृदय रोगों के कई कारण हो सकते हैं। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के अलावा कोरोना महामारी के कारण भी इसका बढ़ा हुआ जोखिम देखा जा रहा है। अध्ययनकर्ता सभी उम्र के लोगों को इससे बचाव के लिए प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं।

इस बीच एक हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने विश्व के कुछ हिस्सों में हृदय रोगों और इसके कारण होने वाली मौतों के खतरे को लेकर सभी लोगों को अलर्ट किया है। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि एशिया, यूरोप, अफ्रीका, मध्य पूर्व में हृदय रोगों से होने वाली मौतों का सबसे जादा खतरा देखा जा रहा है। आखिर इसके क्या कारण हैं, आइए विस्तार से समझते हैं।

बढ़ते हृदय रोगों का कारण

शोधकर्ताओं ने 21 रीजन्स के डेटा का विश्लेषण करने के बाद पाया कि वैश्विक स्तर पर, हृदय रोग से संबंधित मौतों के आंकड़े

1990 में 12.4 मिलियन से बढ़कर 2022 में 19.8 मिलियन पहुंच गए है, जो ऐसी बीमारियों की उच्च दर को दर्शाता है। उन्होंने आगे पाया कि अध्ययन किए गए 204 स्थानों में से 27 में इन मौतों की दर 2015-2022 के बीच में बढ़ी है। उच्च रक्तचाप, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल, आहार संबंधी समस्याओं और वायु प्रदूषण को इसका पांच प्रमुख कारण पाया गया है।

हृदय-स्वस्थ की बढ़ती समस्याएं

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ और इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई), वाशिंगटन के शोधकर्ताओं ने कहा ये आंकड़े वैश्विक जनसंख्या वृद्धि और उम्र बढ़ने के साथ इन रोगों के लिए मेटाबॉलिज्म, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के जोखिमों को भी दर्शाते हैं।

अध्ययन लेखक जॉर्ज ए. मेन्सा ने कहा, साल 2023 हृदय-स्वस्थ और इसके कारण होने वाली समस्याओं के जोखिमों को लेकर काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। वैश्विक स्तर पर इस गंभीर रोग का बढ़ना बड़ा संकेत है, जिसे लेकर सभी को सावधान रहने की आवश्यकता है।

इस्केमिक हृदय रोग बड़ा खतरा

जर्नल ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि इस्केमिक हृदय रोग, कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सीवीडी) के कारण होने वाली मृत्यु दर का प्रमुख कारण बना हुआ है, जो प्रति एक लाख की जनसंख्या पर लगभग 110 मौतों का कारण बन रहा है। इसके बाद ब्रेन हैमरेज और इस्कीमिक स्ट्रोक के कारण सबसे ज्यादा मौतें दर्ज की जा रही हैं। बड़े स्तर पर युवा आबादी भी इसका शिकार हो रही है।

ब्लड प्रेशर पर भी ध्यान देने की जरूरत

शोधकर्ताओं ने बताया मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व के क्षेत्रों में हाई सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर के कारण प्रति एक लाख लोगों में मृत्युदर अधिक देखी जा रही है। इसके अलावा, आहार संबंधी जोखिम के कारण हृदय रोगों का बोझ बढ़ा रहे हैं।

क्या कैंसर का इलाज है? इसके आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : क्या कैंसर लाइलाज है? इसके लक्षण क्या है? क्या आयुर्वेद में इसका उपचार हैं? कृपया कर बताएं! - मानिक राव, वरंगल

उत्तर : कैंसर लाइलाज नहीं है। इससे बहुत ज्यादा डरने की जरूरत नहीं है । 90% से ज्यादा मरीजों में फर्स्ट स्टेज में इलाज हो सकता है । सेकंड स्टेज में लगभग 70% एवं तीसरे स्टेज में 40% मरीजों का इलाज संभव है एक तिहाई से ज्यादा कैंसर तंबाकू या उससे बने उत्पादों की देन है। जबकि एक तिहाई खानपान और रहन-सहन या दूसरे सामाजिक कारको से जुड़े हैं।

भारत में प्रथम और द्वितीय स्टेज में इसका निदान नहीं होने के कारण ही समाज में यह भ्रांति फैली है कि यह लाइलाज है। कैंसर याने ' कर्कटार्बुद ' संक्रामक रोग नहीं है।

कैंसर कोशिकाओं की बेलगाम, अनियमित और असामान्य वृद्धि है, जो शरीर के किसी भी हिस्से, ऊतक या अंग से ज्ञात या अज्ञात कारणों से शुरू हो सकती है। इसकी प्रवृत्ति आसपास के सामान्य उसको में घुसपैठ करने और रक्त वाहिनी में घुस जाने की है। जिससे यह रोग फेफड़ों, यकृत, मस्तिष्क और हड्डियों जैसे कुछ अंगों या पूरे शरीर के हिस्सों में फैल जाता है - इसे मेटास्टेसिस कहते हैं। कैंसर की यह अवस्था खतरनाक होती हैं।

कैंसर का आयुर्वेद में इलाज है। रोग यदि समस्त लक्षणों के साथ प्रकट होता हो तब चिकित्सा मुश्किल हो जाती है। ऊंझा का कैंकोनिल जंतुघ्न, पूयप्रतिरोधी, सड़न व दुष्ट व्रण को सुधारने वाला होने के कारण यह कैंसर की प्रथम अवस्था और द्वितीय अवस्था में देने से काफी राहत देता है। इससे सड़नयुक्त कैंसर के घाव, गांठें व कैंसर के अन्य उपद्रव खत्म होने लगते हैं। इसके संग ऊंझा कांचनार गुग्गुलु व ऊंझा महामंजिष्ठादिक्वाथघन टैबलेट देने से जल्दी ही राहत मिलती हैं। औरा अनाकार्सिन टेबलेट भी कैंसर की श्रेष्ठ औषधी है । अपने आयुर्वेद चिकित्सक की राय पर ही दवा ले।

प्रश्न : पिछले वर्ष से मुझे सियाटिका सता रहा है । कमर से सीधे पैर तक दर्द बना रहता है। धीरे-धीरे पैर की तीन उंगलियों में सूनापन आ गया है। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार हैं? - श्रीमती स वि ता रेड्डी, कामा रेड्डी

उत्तर : जो पीड़ा कमर के अधः पृष्ठ भाग से प्रारंभ होकर, जंघा के अग्रभाग से गुजरती है तथा पैर के मध्य अधोभाग एवं पाद के मध्य भाग तक जाती है उसे गृध्रसीवात यानी सियाटीका कहते हैं । पैर की तीन उंगलियों में नंबनेस यानी सूनापन आने का कारण है गृध्रसी नाड़ी का शोथग्रस्त होना। आयुर्वेद में इस स्थिति का उपचार है।

एकौषधि में : * निर्गुंडी (सम्हालु) के पत्तों का काढ़ा 14 से 28 मिलीलीटर दिन में तीन बार प्रयोग करें ।अवश्य राहत मिलेगी।

* रसोन पिंड (लहसुन का पेस्ट) 1 ग्राम की मात्रा में 250 मिली लीटर दूध के साथ दिन में तीन बार लेने से सियाटीका में बहुत आराम मिलता है।

* ऊंझा त्रयोदशांग गुग्गुलु दो से चार गोली, ऊंझा वातगजांकुश रस एक एक गोली दिन में तीन बार गुनगुने पानी से ,भोजन के बाद सेवन करने से आराम मिलता है।

* उंझा महारास्नादि क्वाथ 20 मिलीलीटर की मात्रा में ,आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेने से काफी आराम मिलता है।

* औरा रुमाटाईज तैल या ऊंझा महानारायण तेल से मालिश करने से आराम मिलता है।

कष्ट के समय आराम बेहद जरूरी है । वातवर्धक आहार -विहार से बचना आवश्यक है। सीधी ठंडी हवा, ज्यादा हलचल, रात्रि जागरण से बचें । गरिष्ठ भोजन से बचें। कंदमूल जैसे आलू, रतालू, अरबी आदि ना खाएं । चिकित्सा योग्य वैद्य के संरक्षण में कराएं ,अवश्य आराम होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है डॉक्टर कहता है कि मेरी ताप तिल्ली बढ़ गई है। हमेशा पेट सख्त रहता है। खून की कमी है ।थकावट जल्दी आती है, हल्का ज्वर भी बना रहता है ।आयुर्वेदिक उपचार बताएं। -अमरनाथ , महबूबनगर

उत्तर : ताप तिल्ली यानी स्प्लीन अमाशय के पास स्थित लाल रंग की एक पोली ग्रंथि है, जो भ्रूण अवस्था में लाल रक्ताणु निर्माण, युवावस्था में लसीकाणु- श्वेताणु निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य करती है । यह रक्त भंडारण वह लाल रखता हूं कि कब्रगाह है । यह उसमें से हिमोग्लोबिन को अलग करती है। तिल्ली को प्लीहा भी कहते हैं। यह विषम ज्वर(मलेरिया), काला ज्वर, जलोदर , रक्त कैंसर एवं रक्ताल्पता में बढ़ जाती है। इन लोगों को रक्त परीक्षण व विशेष जांच से सुनिश्चित किया जा सकता है।

बढ़ी हुई तिल्ली और उससे उत्पन्न थकान कमजोरी का आयुर्वेद में उपचार है । विषमज्वरान्तक लौह टिकिया या ऊंझा ताप्यादि लौह टिकिया व ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया के संग भोजन के बाद उबालकर ठंडे किए पानी से देवें। औरा लिविन्झ टैबलेट भी इसमें अति हितकारी है। भोजन के बाद रोहितकासव, अमृतारिष्ट व ऊंझा पुनर्नवासव - तीनों की 10-10 मिलीलीटर दवा को 3 गुना पानी में मिलाकर देवें। यह किसी भी प्रकार की प्लीहा वृद्धि, उदर रोग, गुल्म, रक्ताल्पता, उग्र शोथ व कमजोरी थकान को दूर करता है । औषधि सेवन काल में अचार, तले पदार्थ , तीखे मिर्च मसाले , व नमक का परहेज करें। बासी भोजन ना करें । दिवाशयन से बचें। अवश्य लाभ होगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा
email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

यूरोप को पीछे छोड़ भारत बना एडवांस

अब नहीं है ब्रिटेन-फ्रांस के पास कोई चांस

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)।बीते 3 दशक में भारत ने गजब दौर देखा है. इस दौरान देश ने नरसिम्हा राव के 'उदारीकरण', अटल बिहारी वाजपेयी के 'शाइनिंग इंडिया' और फिर मनमोहन सिंह के 'भारत निर्माण' को देखा. अब बीते 10 साल के दौरान देश ने पिछले 30 सालों का सबसे मजबूत नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में देखा. उनकी इकोनॉमिक पॉलिसी को दुनिया सिर्फ देख ही नहीं रही, बल्कि उससे हैरान भी है. आखिर आज भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने के मुहाने पर कैसे पहुंच गया है? सरकार को भरोसा है कि 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होगा. साल 2047 तक यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन जाएगा. बीते 3 दशकों में भारत ने इकोनॉमिक मोर्चे पर यूरोप की आर्थिक महाशक्तियों को पीछे छोड़ा है, यह कोई कोरी कल्पना नहीं है. ये दो महाशक्तियां फ्रांस और ब्रिटेन हैं. करीब 31 साल पहले जो ग्लोबल इकोनॉमी की तस्वीर थी, वो अब कुछेक जगहों को छोड़कर पूरी तरह से बदल चुकी है. भारत अब फ्रांस और ब्रिटेन से इतना आगे निकल चुका है कि अब इन दोनों देशों का भारत की इकोनॉमी को ओवरटेक करने का कोई चांस ही नहीं है. आइए इन तीन दशकों को भारत, ब्रिटेन और फ्रांस के आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं.

पहले बात 31 साल पहले की करते हैं. जब दुनिया की इकोनॉमी अमेरिका, चीन और यूरोपीय देशों के इर्द-गिर्द ही घूमती थी. उस समय भारत की इकोनॉमी का नाम कहीं भी नहीं लिया जाता था. आंकड़ों की बात करें तो वर्ल्ड ऑफ स्टैटिसटिक्स के अनुसार फ्रांस की इकोनॉमी साल 1992 में 1.4 ट्रिलियन डॉलर की थी. उस समय फ्रांस ब्रिटेन की इकोनॉमी से भी आगे था. तब ब्रिटेन की इकोनॉमी 1.2 ट्रिलियन डॉलर की थी. वहीं बात भारत की करें तब यह दोनों देशों के मुकाबले में कहीं भी नहीं था. तब देश में नरसिम्हा राव की सरकार थी और देश के वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे. उस दौर में भारत ने अपनी इकोनॉमी को ओपन किया और दुनिया के तमाम देशों की कंपनियों का स्वागत करते हुए ग्लोबलाइजेशन का ऐलान किया. उस समय देश की कुल जीडीपी मात्र 0.28 ट्रिलियन डॉलर की थी. अब आप समझ सकते हैं कि आखिर भारत ने दोनों के साथ कैसे मुकाबला किया और कितनी तेजी के साथ इन दोनों देशों को पछाड़ने का सफर तय किया.

बदल गई ग्लोबल इकोनॉमी की तस्वीर

साल 2023 खत्म हो चुका है. दुनिया की ग्लोबल इकोनॉमी की तस्वीर बदल चुकी है. आंकड़ें और मिजाज भी बदल चुका है. आज भारत दुनिया की टॉप-5 सुपर इकोनॉमिक पावर में से एक है. देश की इकोनॉमी 4 ट्रिलियन डॉलर के मुहाने पर खड़ी है. जी हां, भारत की जीडीपी 3.73 ट्रिलियन डॉलर की हो चुकी है. जबकि यूरोप के सबसे बड़े देशों में शुमार फ्रांस की इकोनॉमी भी सिर्फ 3 ट्रिलियन डॉलर के आस-पास ही है, लेकिन वह भारत से काफी पीछे हैं. मौजूदा समय में फ्रांस की इकोनॉमी 3.05 ट्रिलियन डॉलर है. वहीं बात ब्रिटेन की करें तो मौजूदा समय में ब्रिटेन की इकोनॉमी 3.33 ट्रिलियन डॉलर है. जोकि भारत से काफी कम है.

2024 में 4 ट्रिलियन का आंकड़ा होगा पार!

कई अनुमानों में कहा जा रहा है कि भारत की जीडीपी साल 2024 में 4 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लेगी. वैसे इस साल भारत की इकोनॉमी के सामने कई चुनौतियां भी हैं. जैसे जियो पॉटिकल टेंशन की वजह से ग्लोबल इकोनॉमी में अस्थिरता का असर. भारत समेत दुनिया के 50 राष्ट्रध्यक्षों के चुनाव भी आने वाले दिनों में इकोनॉमी को थोड़ा हिलाएंगे. अमेरिका भी इस साल ब्याज दरों में कटौती करेगा. जो इकोनॉमी को तो बूस्ट देगा, लेकिन इसका फायदा ऐसे दौर में ग्लोबल इकोनॉमी और भारत को मिल सकेगा. यह भविष्य के गर्भ में छिपा है.

उसके बाद भी एक्सपर्ट कह रहे हैं कि तमाम चुनौतियों के बाद भी भारत की इकोनॉमी पर उतना असर देखने को नहीं मिलेगा, जितना कयास लगाए जा रहे हैं.वर्ल्ड बैंक से लेकर आईएमएफ और ओईसीडी तक भारत को दुनिया में फास्टेस्ट इकोनॉमी का तमगा पहना चुके हैं. साल 2024 में भी यही होने वाला है. ओईसीडी के अनुसार भारत की इकोनॉमी वित्त वर्ष 2025 में 6.1 फीसदी पर रह सकती है. जबकि आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक के अनुसार यह आंकड़ा 6.1 फीसदी से लेकर 6.5 फीसदी तक रह सकता है. अगर बात आरबीआई की करें तरे वित्त वर्ष 2024 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी पर रह सकती है. जबकि वित्त वर्ष 2025 की पहली तीन तिमाहियों में ग्रोथ 6.7 फीसदी, 6.5 फीसदी और 6.4 फीसदी रह सकती है।

सोने और चांदी की कीमतें सपाट देश की राजधानी का भाव

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)।दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने का भाव 63,920 रुपये प्रति 10 ग्राम पर अपरिवर्तित रहा। चांदी भी इस दौरान 78,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। दिल्ली सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 63,920 रुपये प्रति 10 ग्राम पर अपरिवर्तित रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय बाजार से ताजा संकेतों के अभाव में घरेलू बाजारों में सोने की कीमतो में कोई बड़ा फरबदल नहीं हुआ। एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में सोने का फरवरी अनुबंध 101 रुपये की बढ़त के साथ 63,304 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। हालांकि, एक्सचेंज पर चांदी के मार्च अनुबंध की कीमत 74 रुपये की गिरावट के साथ 74,356 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स पर सोना हाजिर शुक्रवार को 2,063 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। सोमवार को नए साल की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार बंद रहे।

सर्दियों की शुरुआत के साथ कम हुई पेट्रोल और डीजल की खपत, दिसंबर में बढ़ी एलपीजी की मांग

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)।सर्दियों की शुरुआत के साथ ही देश में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में दिसंबर में गिरावट दर्ज की गई। ईंधन बाजार के 90 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण रखने वाली तीन सरकारी कंपनियों की पेट्रोल बिक्री दिसंबर 2023 में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 1.4 प्रतिशत घटकर 27.2 लाख टन रह गई, जबकि डीजल की मांग 7.8 प्रतिशत घटकर 67.3 लाख टन रह गई। उत्तर भारत में सर्दियों के मौसम की शुरुआत के कारण एयर कंडीशनिंग की मांग में कमी आई है। मासिक आधार पर पेट्रोल की बिक्री 4.9 प्रतिशत घट गई, जबकि नवंबर में यह 28.6 लाख टन थी। डीजल की मांग भी मासिक आधार पर 0.8 प्रतिशत कम रही, जो नवंबर में 67.9 लाख टन थी। डीजल भारत का सबसे अधिक खपत वाला ईंधन है, सभी पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में इसका लगभग 40 प्रतिशत योगदान है। देश में डीजल की कुल बिक्री में परिवहन क्षेत्र की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है। पिछले कुछ महीनों में ईंधन की खपत में तेजी देखी गई है। अक्टूबर में पेट्रोल और डीजल दोनों की मांग बढ़ी थी, लेकिन महीने डीजल की खपत 7.5 प्रतिशत गिर गई। दिसंबर 2023 के दौरान पेट्रोल की खपत कोविड-19 से प्रभावित दिसंबर 2021 की तुलना में 7.1 प्रतिशत अधिक थी और महामारी से पहले दिसंबर 2019 की तुलना में 21.5 प्रतिशत अधिक थी।

साल के पहले दिन बाजार ने ऑलटाइम हाई बनाया

सेंसेक्स ने 72,561 और निफ्टी ने 21,834 का स्तर छुआ, वोडा-आइडिया दो दिन में 23% चढ़ा

मुंबई, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के पहले दिन यानी 1 जनवरी 2024 को शेयर बाजार ने नया ऑलटाइम हाई बनाया। सेंसेक्स 72,561 और निफ्टी 21,834 के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद इसमें थोड़ी गिरावट देखने को मिली और सेंसेक्स 31 अंक की बढ़त के साथ 72,271 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 10 अंक की बढ़त रही, यह 21,741 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 13 में तेजी देखने को मिली है। वहीं वोडाफोन आइडिया के स्टॉक में लगातार दूसरे कारोबारी दिन तेजी देखने को मिली है। यह 5.94% के तेजी के साथ 16.95 रुपए पर बंद हुआ। दो दिन में यह स्टॉक करीब 23% बढ़ा है। अडाणी ग्रुप के सभी 9 शेयरों में भी तेजी रही।

बीते साल सेंसेक्स 18% और निफ्टी 19% चढ़ा

बीते साल यानी 2023 में शेयर बाजार में अच्छी तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 18.10% और निफ्टी 19.42% चढ़ा। दोनों ही इंडेक्स पर सबसे ज्यादा चढ़ने वाला शेयर टाटा मोटर्स रहा। टाटा मोटर्स ने 2023 में निवेशकों के पैसों को करीब दो गुना कर दिया। 2 जनवरी को यह शेयर 394 रुपए का था, जो 2023 के आखिरी कारोबारी दिन यानी 29 दिसंबर को बढ़कर 779 रुपए का हो गया था। वहीं मिडकैप और स्मॉल कैप इंडेक्स करीब 45% चढ़े।

शनिवार और रविवार के अलावा 2024 में 14 दिन नहीं होगा कारोबार

2024 में शनिवार और रविवार के अलावा 14 दिन शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा।

शेयर बाजार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर, 8 मार्च को महा शिवरात्रि, 25 मार्च को होली, 29 मार्च गुड फ्राइडे, 11 अप्रैल ईद, 17 अप्रैल रामनवमी, 1 मई महाराष्ट्र दिवस, 17 जून बकरीद, 17 जुलाई मुहर्रम, 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस, 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती, 1 नवंबर पर दिवाली, 15 नवंबर गुरुनानक जयंती और 25 दिसंबर को क्रिसमस पर शेयर बाजार बंद रहेगा।

2023 के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले साल 2023 के आखिरी कारोबारी दिन यानी 29 दिसंबर को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स करीब 170 अंक की गिरावट के साथ 72,240 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में भी 47 अंक की गिरावट रही, यह 21,731 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी देखने को मिली थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु....	05-36 बजे
चंद्र-	सिंह	में	मकर..	07-44 बजे
मंगल	धनु	में	कुंभ...	09-34 बजे
बुध-	धनु	पें	मीन...	11-12 बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	12-48 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	वृष--	14-32 बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	16-32 बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	18-45 बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	20-56 बजे
			कन्या..	23-03 बजे
			तुला....	01-09 बजे
			वृश्चिक.	03-20 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-50 सूर्यास्त. -17-49
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 17 -10 - तक उपरान्त सप्तमी
मास - पौष कृष्ण पक्ष , मंगलवार 02 January
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी - 11 - 41 - तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - सौभाग्य - 05 - 32- तक उपरान्त शोभन
करण- वणिज - 17 -10 - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल -17-13

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:06 से 16:29 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:50 - 08:11	अशुभ	काल..	17:52 - 19:29	अशुभ
उत्पात	08:11 - 09:34	अशुभ	लाभ.	19:29 - 21:06	शुभ
चंचल	09:34 - 10:57	शुभ	उत्पात	21:06 - 22:43	अशुभ
लाभ	10:57 - 12:20	शुभ	शुभ	22:43 - 24:20	शुभ
अमृत	12:20 - 13:43	शुभ	अमृत	24:20 - 01:57	शुभ
काल	13:43 - 15:06	अशुभ	चंचल	01:57 - 03:34	शुभ
शुभ	15:06 - 16:29	शुभ	रोग	03:34 - 05:11	अशुभ
रोग	16:29 - 17:50	अशुभ	काल	05:11 - 06:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें । वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी । अपने दोस्तों के बीच लोकप्रिय होने के लिए थोडा नम्र बनना होगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफी गहन प्रतीत होगी । आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा । आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे? हालाँकि तुरंत कोई भी फैसला लेने के स्थान पुर रूककर और सोच समझकर कदम उठाना ही सही होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेह्तर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा ।आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कमाई हो ऐसी, जीएसटी से सरकारी खजाने में डाले 19.63 लाख करोड़

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)।साल 2023 में सरकार को जीएसटी से रिकॉर्ड कमाई हुई है. दिसंबर के महीने की बात करें तो 8वां मौका है जब जीएसटी कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुआ है. वहीं पूरे साल के कुल कलेक्शन की बात करें तो सरकारी खजाने में करीब 19.63 लाख करोड़ रुपया आ चुका है. अगर बात मौजूदा वित्त वर्ष की बात करें तो करीब 15 लाख करोड़ का कलेक्शन देखने को मिला है. जबकि बीते वित्त वर्ष समान अवधि में यही कलेक्शन 13.40 लाख करोड़ रुपए हुआ था. वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में 1.66 लाख करोड़ रुपए औसत कलेक्शन हुआ है. जोकि बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 1.49 लाख करोड़ रुपए का कलेक्शन देखने को मिला था.दिसंबर 2023 में ग्रॉस जीएसटी रेवेन्यू 1,64,882 करोड़ रुपए देखने को मिला है, जिसमें से सीजीएसटी 30,443 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 37,935 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 84,255 करोड़ रुपए (माल के इंपोर्ट पर कलेक्शन 41,534 करोड़ रुपए के साथ) है. सेस 12,249 करोड़ रुपए (वस्तुओं के आयात पर कलेक्शन 1,079 करोड़ रुपए के साथ) शामिल है. वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह मौजूदा कैलेंडर ईयर का 8वां और फाइनेंशियल ईयर का सातवां महीना है जब कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ रुपए से अधिक है. दिसंबर 2023 का राजस्व पिछले साल के इसी महीने के जीएसटी राजस्व से 10.3 प्रतिशत अधिक है.वहीं राज्यों की करें तो चंडीगढ़, उत्तराखंड हरियाणा और उत्तरप्रदेश में जीएसटीटी कलेक्शन दिसंबर के महीने में पिछले साल समान अवधि के मुकाबले 10 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. अरुणाचल प्रदेश में जीएसटी कलेक्शन में 67 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है. लद्दाख में यह इजाफा 127 फीसदी का देखने को मिला है. लक्ष्यद्वीप में यह बढ़ोतरी 300 फीसदी से ज्यादा की हो गई है. वैसे महाराष्ट्र में जीएसटी कलेक्शन सबसे ज्यादा 26814 करोड़ रुपए का हुआ है जोकि सबसे ज्यादा है. उसके बाद बारी कर्नाटक की है. जहां पर 11759 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ है. इन दोनों के अलावा किसी भी राज्य में जीएसटी कलेक्शन 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नहीं हुआ.

ई-रुपी ने 10 लाख डेली ट्रांजैक्शन का आंकड़ा पार किया

इसके लिए बैंक अकाउंट की जरूरत नहीं, मोबाइल वॉलेट में रहती है करेंसी

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी ई-रुपी के जरिए एक दिन में ट्रांजेक्शन की संख्या 10 लाख के पार चली गई है। करेंसी ने यह रिकॉर्ड बीते 27 दिसंबर 2023 को बनाया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस बात की जानकारी दी है। एक एम्प्लॉई को लिखे लेटर में शक्तिकांत दास ने बताया कि यूपीआई की सक्सेस अब इंटरनेशनल मॉडल बन चुका है। ई-रुपी के मामले में भी हमने बड़ी ग्रोथ की है। आरबीआई ने 1 दिसंबर 2022 को रिटेल यूजर्स के लिए सीबीडीसी रिटेल लॉन्च किया था। जुलाई 2023 में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने कहा था कि सेंट्रल बैंक 2023 के आखिर तक 1 मिलियन डिजिटल करेंसी ट्रांजेक्शन के रिकॉर्ड तक पहुंचने का टारगेट रखा है।

क्या है डिजिटल ई-रुपी ?

सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी को शॉर्ट में ई-रुपी कहा जाता है। यह कागज करेंसी का डिजिटल रूप है, जो क्रिप्टो करेंसी की तरह ब्लॉक-चेन टेक्नोलॉजी पर बेस्ड है। इसकी वैल्यू मौजूदा करेंसी के बराबर ही होती है। यह 100, 200 या 500 रुपए के नोट की तरह ही सरकार का एक लीगल टेंडर है, जिसे कोई लेने से इनकार नहीं कर सकता है। ई को मोबाइल वॉलेट में ही रखा जा सकता है। इसे रखने के लिए बैंक खाते की जरूरत नहीं होती है। ये दो तरह की है- सीबीडीसी होलसेल और सीबीडीसी रिटेल।

डिजिटल वैलेट में रहेगा सीबीडीसी ?

ई-रुपया ट्रांजैक्शन में बैंक अकाउंट की जरूरत नहीं होती है। आरबीआई फिजिकल करेंसी की जगह सीधे डिजिटल वॉलेट में पैसा (ई) ट्रांसफर करता है। इसका मतलब है कि आप अभी जिस तरह से अपने जेब या लेदर वॉलेट में नोट रखते है, उसकी जगह वॉलेट में ई-रुपया रखेंगे और ट्रांजैक्शन कर सकेंगे। ये डिजिटल वॉलेट बैंक की ओर से जारी किया जाता है।यहां यह लेना जरूरी है कि अन्य पेमेंट सिस्टम जैसे फोन-पे, पेटीएम,गूगल-पे में ट्रांजेक्शन के बाद बैंक सेटलमेंट की जरूरत होती है, यानी इन प्लेटफॉर्म पर आपका ट्रांजैक्शन कम से कम एक बैंक से होकर गुजरता है। जबकि ई सीधे कैश की तरह क्यूआर कोड स्कैन कर के किया जा सकता है।

एटीएफ के रेट हुए कम, एविएशन कंपनियां घटा सकती हैं हवाई किरायों के दाम!

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। 2024 की शुरुआत हो गई है और आज नए साल में घरेलू ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने राहत दी है। आज 1 जनवरी 2024 से एटीएफ या एविएशन टर्बाइन फ्यूल के दामों में कटौती लागू हो गई है। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की वेबसाइट पर एटीएफ के बदले दाम जारी कर दिए गए हैं। एटीएफ या जेट फ्यूल के दामों में चार हजार रुपये से लेकर कुछ और दामों की कटौती की गई है। दिल्ली देश की राजधानी नई दिल्ली में जेट फ्यूल या हवाई ईंधन के रेट 1.06 लाख रुपये प्रति किलोलीटर से घटकर 1.01 लाख रुपये प्रति किलोलीटर पर आ गए हैं। 4162.5 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती इस महीने एटीएफ के दाम में देखी गई है जो कि 4 फीसदी की कटौती है। इस महीने एटीएफ के दाम 1,01,993.17 रुपये प्रति किलोलीटर पर आ गए हैं जो कि 1,06,155.67 रुपये प्रति किलोलीटर पर थे। इससे पहले नवंबर में एटीएफ के दाम 1,11,344.92 रुपये प्रति किलोलीटर पर थे। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एविएशन टर्बाइन फ्यूल 95,372.43 रुपये प्रति किलोलीटर पर आ गए हैं। कोलकाता कोलकाता में एटीएफ के रेट आज पहली जनवरी से 1,10,962.83 रुपये प्रति किलोलीटर पर आ गए हैं।चेन्नई चेन्नई में जेट फ्यूल के रेट 1,06,042.99 रुपये प्रति किलोलीटर पर आ गए हैं।नए साल के पहले दिन हवाई यात्रा करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर हो सकती है क्योंकि एटीएफ के रेट घटने का फायदा एविएशन कंपनियों के शेयरों को भी मिल सकता है और घरेलू हवाई कंपनियों के एयर टिकट के दाम भी कम हो सकते हैं।

पैन कार्ड लिंक नहीं होने पर बंद हो जाएगा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अकाउंट? क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)।क्या आपका भी एसबीआई में अकाउंट है? अगर हां, तो ये खबर आपके काम की हो सकती है।दरअसल, कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक मेसेज तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि अगर आपने अपने अकाउंट को पैन कार्ड से लिंक नहीं किया तो आपका अकाउंट ब्लॉक कर दिया जाएगा।अगर आपको भी इस तरह का कोई मैसेज मिला है तो उसपर विश्वास करने से पहले इस मैसेज की सच्चाई जान लें।इस मामले पर जानकारी देते हुए पीआईबी फैक्ट चेक ने बेहद गंभीर खुलासे किए हैं.इस मामले पर प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर ट्वीट करके जानकारी दी है कि पिछले कुछ दिनों से फ्रॉड करने वाले स्टेट बैंक के नाम पर लोगों को मैसेज भेज रहे हैं ।

2023 में तुअर दाल 44 रुपए महंगी हुई, सिलेंडर सस्ता

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)।साल 2023 खत्म हो चुका है। बीते साल कुछ चीजों की महंगाई ने लोगों को खूब सताया। 2023 में तुअर दाल 110 रुपए से बढ़कर 154 रुपए किलो पर पहुंच गई। वहीं इस साल चावल 37 रुपए से बढ़कर 43 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है।इसी तरह हर घर में रोजाना उपयोग होने वाले सामान जैसे दूध, शक्कर, टमाटर और प्याज जैसी चीजों के दाम भी इस साल बढ़े हैं। हालांकि बीते साल गैस सिलेंडर और सोयाबीन तेल सहित कई अन्य चीजों के दाम में गिरावट भी देखने को मिली है।

महंगाई बढ़ने के कारण क्या हैं?

महंगाई के बढ़ने का सीधा-सीधा मतलब आपके कमाए पैसों का मूल्य कम होना है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7% है, तो आपके कमाए 100 रुपए का मूल्य 93 रुपए होगा। ऐसे कई फैक्टर हैं जो किसी इकोनॉमी में कीमतों या महंगाई को बढ़ा सकते हैं।

आमतौर पर, महंगाई प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ने, प्रोडक्ट और सर्विसेज की डिमांड में तेजी या सप्लाई में कमी के कारण होती है। महंगाई बढ़ने के 6 बड़े कारण होते हैं: डिमांड पुल इन्फ्लेशन तब होती है जब कुछ प्रोडक्ट और सर्विसेज की डिमांड अचानक तेजी से बढ़ जाती है। कॉस्ट-पुश इन्फ्लेशन तब होती है जब मटेरियल कॉस्ट बढ़ती है। इसे कंज्यूमर को पास कर दिया जाता है। यदि मनी सप्लाई प्रोडक्शन की दर से ज्यादा तेजी से बढ़ती है, तो इसका परिणाम महंगाई हो सकता है। कुछ इकोनॉमिस्ट सैलरी में तेज बढ़ोतरी को भी महंगाई का कारण मानते हैं। इससे प्रोडक्शन कॉस्ट बढ़ती है। सरकार की पॉलिसी से भी कॉस्ट पुश या डिमांड-पुल इन्फ्लेशन हो सकती है। इसलिए सही पॉलिसी जरूरी है। कई देश इंपोर्ट पर ज्यादा निर्भर होते हैं वहां डॉलर के मुकाबले करेंसी का कमजोर होना महंगाई का कारण बनता है।

कमजोर करेंसी और जंग ने बढ़ाई महंगाई

भारत में महंगाई के कारणों की बात करें तो डॉलर की तुलना में रुपया कमजोर होकर 83 के स्तर के पार पहुंच गया है। डॉलर महंगा होने से भारत का आयात और महंगा होता जा रहा है और इससे घरेलू बाजार में चीजों के दाम भी बढ़ रहे हैं।

8 राज्यों में विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव और यूसीसी

राम मंदिर उद्घाटन के अलावा 2024 में बहुत कुछ होने वाला है

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह, लोकसभा का मुकाबला, सात राज्यों में विधानसभा चुनाव, 370 निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में पहला चुनाव। 2024 की तैयारियों पर एक सरसरी नज़र डालने से यह स्पष्ट हो जाता है कि नया वर्ष भारतीय राजनीति के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहने वाला है। कुछ बड़े प्रश्न भी उभर कर सामने आता है। जैसे- क्या भाजपा के जीत का रथ तीसरे कार्यकाल में भी जारी रहेगा या विपक्ष अपने विभिन्न मतभेदों के बावजूद एक साथ आएगी और एक ऐसा विकल्प सामने रखेगी जो भाजपा की विशाल चुनाव मशीनरी की ताकत को मात दे सके? आइए जानते हैं भारतीय राजनीति की दृष्टि से इस वर्ष कौन-कौन से महत्वपूर्ण इवेंट देखने को मिलेंगे।

राम मंदिर का उद्घाटन

कई लोगों का तर्क है कि 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी मस्जिद का विध्वंस वह क्षण था जिसने भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी। अब, भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल की तैयारी कर रही है। नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री पद का चेहरा हैं। पिछले चुनाव में भाजपा 303 सीट जीतने में कामयाब रही थी। भाजपा 22 जनवरी को राम मंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारी में लगी है। 30 दिसंबर को पीएम मोदी ने पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन, एक नए हवाई अड्डे का उद्घाटन किया और एक रैली को संबोधित किया। संबोधन से पता चला कि 22 जनवरी को मंदिर खुलने पर क्या-क्या होने की संभावना है।

पीएम मोदी के संबोधन में छिपे संदेश का विश्लेषण " हिंदुत्व प्लस है"। जैसा कि अयोध्या में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण किया गया है, राम मंदिर शहर में परंपरा और आधुनिक विकास (विकास) का संगम जैसा दिखाई देगा, यह सत्तारूढ़ भाजपा के दृष्टिकोण से देश की 'राष्ट्रीय महानता' के लिए जरूरी है।

लोकसभा चुनाव

पिछले पांच वर्षों में भाजपा ने जो फैसले लिए, जो कल्याणकारी योजनाएं लेकर आई और कार्यक्रम किए, उन सब पर जनता इस वर्ष में फैसला सुनाएगी। साथ ही विपक्षी इंडिया गठबंधन द्वारा पेश विकल्प पर भी विचार करेगी। ये सब अप्रैल-मई में हो सकता है। हालांकि "जल्दी चुनाव" के बारे में भी थोड़ी चर्चा है। इस वर्ष भाजपा से क्या उम्मीद की जाए, पार्टी अपनी संगठनात्मक शक्ति के दम पर और कमजोर विपक्ष का सामना करते हुए, तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार दिख रही है। भाजपा के एक अंदरूनी सूत्र के मुताबिक, अगर भाजपा जीतती है तो कुछ पुराने चेहरों की छुट्टी की जा सकती है और नए लोगों को मंत्रालय दिया जा सकता है। अभी, विपक्षी इंडिया गठबंधन

एक ऐसे मुद्दे के तलाश में है जिससे भाजपा का मुकाबला किया जा सके। साथ ही उसे सीट बंटवारे और आंतरिक विरोधाभाषों से भी जूझना है। इससे पहले कभी भी भारतीय राजनीति की सबसे पुरानी पार्टी (कांग्रेस) इतने लंबे समय तक राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष में नहीं रही थी। इसने अपने लंबे इतिहास में हिंदी क्षेत्र में इतनी चुनावी गिरावट कभी नहीं देखी थी। पार्टी शायद उम्मीद कर रही होगी कि उसकी पूर्व से पश्चिम भारत न्याय यात्रा से मदद मिलेगी। क्या यह पार्टी कैडर को सक्रिय करेगा, लोगों के बीच एक नैरेटिव सेट करेगा और सबसे जरूरी बात क्या उससे राजनीतिक लाभ मिल पाएगा? कांग्रेस नेता राहुल गांधी 14 जनवरी को यात्रा पर रवाना होने वाले हैं।

लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव भी

देश के प्रत्येक राज्य अपनी अनूठी राजनीतिक स्थिति है। जिन चार राज्यों में लोकसभा चुनाव के साथ चुनाव होने हैं, वे अपनी-अपनी लड़ाई के लिए कमर कस रहे हैं।

आंध्र प्रदेश: यह राज्य वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस का गढ़ है। 2019 में पार्टी ने 175 सदस्यीय विधानसभा में 151 सीटें और 25 लोकसभा सीटों में से 22 सीटें जीतीं थी। जबकि एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) 23 सीटों और तीन लोकसभा सीटों पर सिमट गई थी। इस बार, टीडीपी वाईएसआर कांग्रेस से मुकाबला करने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा रही है। पार्टी का मानना है कि बीते सितंबर में कथित कौशल विकास घोटाले में नायडू की गिरफ्तारी से उनके लिए सहानुभूति पैदा हुई है। नायडू के बेटे एन लोकेश ने भी दिसंबर की शुरुआत में अपनी यात्रा "युवा गलाम (युवाओं की आवाज)" पूरा किया है। ऐसा कर के उन्होंने अपने आउटरीच प्रयासों को आगे बढ़ाया है।

ओडिशा: जैसे-जैसे सत्तारूढ़ बीजू जनता दल चुनाव में उतर रही है, पार्टी उड़िया गौरव या अस्मिता पर जोर दे रही है। लेकिन पार्टी के लिए यह आसान होने की संभावना नहीं है क्योंकि भाजपा ने यहां चुनावों के लिए "दो महीने की लंबी कार्ययोजना तैयार की है" और बीजद के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार किया है। दोनों दलों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और बीजद सभी प्रमुख मुद्दों पर केंद्र को समर्थन देता रहा है।

सिक्किम: 2019 में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम), जो उस समय विपक्ष में था, उसने 32 विधानसभा सीटों में से 17 पर जीत हासिल की थी। मौजूदा सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट ने 15 सीटें जीतीं। प्रेम सिंह तमांग सीएम बने। एसकेएम भाजपा के उत्तर पूर्व विकास गठबंधन (एनईडीए) का हिस्सा है। इस बार भी मुकाबला कांटे का होने की उम्मीद है।

अरुणाचल प्रदेश: पिछले चुनाव में भाजपा को 57 सीटों में से 41 सीटें मिलीं थी। जनता दल (यूनाइटेड) ने सात सीटें पाकर आश्चर्यचकित कर दिया था। दिसंबर 2020 में जदयू के छह विधायक भाजपा में शामिल हो गए। और अगस्त 2022 में बिहार में भाजपा और जदयू के बीच गठबंधन टूटने के बाद जदयू के एकमात्र विधायक टेसम पोंगटे भाजपा में शामिल हो गए। देखना होगा कि क्या बीजेपी का पूर्वोत्तर विस्तार जारी रहता है।

इस वर्ष के अंत में तीन अन्य महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव तय हैं।

महाराष्ट्र: 2019 के नतीजों के बाद से राज्य में अप्रत्याशित परिवर्तन देखने को मिले हैं। तब भाजपा और शिवसेना (संयुक्त) सहयोगी थीं। वे अलग गए हैं। महाविकास अघाड़ी बनी। सेना में बगावत के साथ अलग महाविकास अघाड़ी की सरकार गिर गई। अब, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ शिवसेना भाजपा के साथ सत्ता में है। उनके साथ एक नए सहयोगी भी हैः राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का अजीत पवार गुट। राज्य का विधानसभा कार्यकाल नवंबर 2024 में समाप्त हो रहा है। महाराष्ट्र में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार जैसे दिग्गज और वर्तमान डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस जैसे प्रभावशाली नेता सक्रिय हैं। इन उतार-चढ़ाव और समीकरणों के बीच, राज्य में चुनाव रोमांचक होने की उम्मीद है। चुनाव के बाद का परिदृश्य भी उतना ही दिलचस्प हो सकता है।

झारखंड: 15 नवंबर, 2000 को बिहार से अलग होने के बाद से झारखंड ने छह मुख्यमंत्रियों और तीन बार राष्ट्रपति शासन देखा है। केवल एक सीएम, रघुबर दास, अपना पूरा कार्यकाल (2014 से 2019) पूरा करने में कामयाब रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख और राज्य के सीएम हेमंत सोरेन भी अपना कार्यकाल पूरा करना चाह रहे हैं। हालांकि, वह वर्तमान में ईडी की कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। बीजेपी भी राज्य में पहले से कहीं ज्यादा सक्रिय है। बाबूलाल मरांडी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से बीजेपी ने आक्रामक तरीके से जेएमएम को निशाने पर ले लिया है। विधानसभा का कार्यकाल जनवरी 2025 में समाप्त हो रहा है।

हरियाणा: पिछली बार बीजेपी को हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों में से 40 सीटें मिली थीं और वह बहुमत से पीछे रह गई थी। दुष्यन्त चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी के सहयोग से भाजपा सत्ता में आयी। जेजेपी को 20 सीटें मिली थीं। मनोहर लाल खटटर सीएम बने थे। इन पांच वर्षों में गठबंधन ने कई मुद्दों को निपटाया। कई बार गठबंधन टूटने की भी अटकलें लगीं। चुनाव तक गठबंधन रहती ये तो देखना होगा। विधानसभा का कार्यकाल नवंबर में समाप्त हो रहा है। 11 दिसंबर, 2023 को सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करके तत्कालीन राज्य जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को समाप्त करने के मोदी सरकार के अगस्त 2019 के फैसले पर सर्वसम्मति से अपनी मुहर लगा दी। इसने "जल्द से जल्द" राज्य का दर्जा बहाल करने का भी आदेश दिया और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने के लिए 30 सितंबर, 2024 की समय सीमा तय की है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे निरस्त किए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर के लोगों को प्रतिनिधित्व नहीं मिला है – यह मुद्दा राज्य में पार्टियों द्वारा लगातार उठाया जाता है। न्यायालय ने राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की है, लेकिन केंद्र द्वारा इस मुद्दे पर कैसे विचार किया जाएगा, यह बातचीत का मुख्य विषय बनने की उम्मीद है।

यूसीसी को लेकर क्या हो सकता है?

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के प्रस्ताव को तब से बल मिला है जब पीएम मोदी ने चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में एक रैली में इसके पक्ष में बात की थी। जुलाई में, यूसीसी के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए एक संसदीय स्थायी समिति की बैठक हुई। 2022 में अपने चुनावी वादे पर अमल करते हुए, भाजपा ने उत्तराखंड के लिए यूसीसी मसौदा तैयार करने के लिए मई में विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट भी दे दी है और कानून का मसौदा तैयार है। उम्मीद है कि पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार आने वाले महीनों में यूसीसी के कार्यान्वयन पर चर्चा और अनुमोदन के लिए एक विशेष सत्र बुलाएगी।

हिट एंड रन कानून के खिलाफ 8 राज्यों में हड़ताल

एमपी में ड्राइवर्स ने ट्रक खड़े किए, राजस्थान-छत्तीसगढ़ में प्राइवेट गाड़ियां भी नहीं चलीं

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नए हिट एंड रन कानून के विरोध में सोमवार को देश के 8 राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, यूपी, उत्तराखंड, पंजाब और गुजरात में बस और ट्रक ड्राइवर हड़ताल पर हैं।

भारतीय न्याय संहिता 2023 में हुए संशोधन के बाद हिट एंड रन के मामलों में दोषी ड्राइवर पर 7 लाख रुपए तक का जुर्माना और 10 साल तक कैद का प्रावधान है।

मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य शहरों में बसें नहीं चल रही हैं। राजस्थान में आधे दिन तक प्राइवेट गाड़ियां नहीं चलाई गईं। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में ट्रक ड्राइवरों ने सड़क पर वाहन खड़े कर टायरों में आग लगा दी।

बिहार की राजधानी पटना समेत प्रदेश के कई जिलों में प्रदर्शन हो रहा है। वहीं उत्तराखंड, पंजाब और यूपी में भी ट्रक ड्राइवरों ने चक्का जाम किया।

हिट एंड रन कानून पर विचार करे सरकार

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने हिट एंड रन कानून को सख्त बनाने का विरोध किया है। संगठन के आह्वान पर ही चक्का जाम और हड़ताल शुरू हुई है। एआईएमटीसी की अगली बैठक 10 जनवरी को होगी। इसमें फैसला लिया जाएगा कि अगर सरकार उनकी मांगें नहीं मानती है, तो किस तरह से सरकार के सामने अपना पक्ष रखा जाए।

एआईएमटीसी के अध्यक्ष अमृत मदान ने कहा कि हिट एंड रन कानून के पीछे सरकार का इरादा अच्छा है, लेकिन प्रस्तावित कानून में कई खामियां हैं। इन पर दोबारा सोचने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान परिवहन क्षेत्र और ट्रक चालकों का है। भारत इस समय वाहन चालकों की कमी से जूझ रहा है, लेकिन सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। ऐसे में 10 साल की सजा के प्रावधान के बाद अब ट्रक ड्राइवर नौकरी छोड़ने को मजबूर हो गए हैं।

ट्रकों की हड़ताल से जरूरी चीजों के दाम बढ़ेंगे

इस हड़ताल का आम आदमी पर सीधा असर देखने को मिलेगा। ट्रकों की हड़ताल होने से दूध, सब्जी और फलों की आवक नहीं होगी और कीमतों पर इसका सीधा असर देखने को मिलेगा। वहीं, पेट्रोल-डीजल की सप्लाई रुक जाएगी, जिससे लोकल ट्रांसपोर्ट और आम लोगों को आवाजाही में दिक्कत होगी।

भारत में 28 लाख से ज्यादा ट्रक हर साल 100 अरब किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करते हैं। देश में 80 लाख से ज्यादा ट्रक ड्राइवर हैं, जो हर दिन जरूरत का सामान एक शहर से दूसरे शहर ट्रांसपोर्ट करते हैं।

डिप्टी सीएम ने जिला प्रशासन के साथ की बैठक

कबीरधाम, 1 जनवरी (एजेंसियां)। कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के विधायक व डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने सोमवार को पहली बार जिला प्रशासन की बैठक ली। यह बैठक कलेक्टोरेट कार्यालय में सोमवार सुबह नौ से 12 बजे तक चली। बैठक में उन्होंने शासन की योजनाओं की समीक्षा किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि केन्द्र सरकार के सभी योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन होना चाहिए। लोगों तक शासन के सभी योजना का लाभ मिले, इस पर विशेष ध्यान दे। इसके अलावा विजय शर्मा ने बैठक में एक-एक अधिकारियों से परिचय भी लिया। ज्यादातर अधिकारियों को डिप्टी सीएम विजय शर्मा पूर्व से ही जानते हैं। क्योंकि, विधायक बनने से पूर्व में वे कबीरधाम जिला पंचायत के सदस्य थे। ऐसे में लोगों के आवेदन, समस्या को लेकर कलेक्टोरेट कार्यालय में आते-जाते थे।

सड़कों पर कोई सिकंदर तो कोई भूत बनकर निकला

मनेंद्रगढ़ में बहरूपियों की अनोखी परेड, नए साल के स्वागत में 1990 से आयोजन

मनेंद्रगढ़, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में साल के आखिरी दिन बहरूपिया महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें कलाकार कई वेशभूषाओं में अपनी कला का प्रदर्शन करते दिखे। शहर के मुख्यमार्ग से होकर गुजरने वाले परेड को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ जुटी। कोई भूत तो कोई सिकंदर की ड्रेस में आकर्षण का केंद्र रहा। पुराने साल की विदाई और नए साल के स्वागत पर यह आयोजन पिछले 3 दशक से हो रहा है। मनेंद्रगढ़ सांस्कृतिक मंच के बैनर तले चल रहे इस प्रतियोगिता में कलाकार ने एकल और समूह वर्ग में अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। करीब 70 प्रतिभागी आयोजन में हिस्सा लेते हैं। इस प्रतियोगिता ने देशभर में ख्याति अर्जित की है। इस आयोजन में लगभग 300 से अधिक व्यापारियों ने अपने-अपने

दुकान से प्रतिभागियों के लिए सामग्री दी। इसमें ग्रुप और सिंगल कैटेगरी में इनाम दिए गए। सिंगल कैटेगरी में पहला इनाम स्कूटी रखा गया। इसके अलावा एलईडी, ड्रेसिंग टेबल, कूलर, इंडेक्शन, अलमारी, साइकिल समेत कई इनाम रखे गए हैं। प्रतियोगिता के प्रतिभागी शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरे। प्रतिभागियों को प्रदर्शन के आधार पर अंक देने के लिए नगर पालिका तिराहा, गुरूनानक चौक, स्टेट बैंक तिराहा, न्यायालय के सामने, जेकेडी रोड, रेलवे स्टेशन के पास निर्णायकों के स्टॉल लगाए गए थे। मनेंद्रगढ़ में बहरूपिया प्रतियोगिता की शुरुआत 1990 में प्रगति मंच के बैनर तले की गई थी। 2019 तक प्रगति मंच के बैनर तले आयोजन किया जाता था। कोविड काल में दो साल प्रगति मंच ने ये आयोजन नहीं किया। इसके बाद 2022 में इस आयोजन को सांस्कृतिक मंच ने आगे बढ़ाया। इस साल भी आयोजन को लेकर प्रगति और सांस्कृतिक मंच दोनों ने आवेदन दिया था।

भाजपा का दावा, कल्पना सोरेन बनेंगी झारखंड सीएम

निशिकांत बोले- अब हेमंत इस्तीफा देकर पत्नी को सीएम बनाएंगे, गवर्नर लें कानूनी सलाह

रांची, 1 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जेएमएम के गांडेय विधायक सरफराज अहमद ने कल अचानक इस्तीफा दिया। तुरंत इस इस्तीफे को स्वीकार भी कर लिया गया। अब कहा जा रहा है हेमंत सोरेन सरकार एक बार फिर संकट में है। इस संकट से उबरने के लिए मुख्यमंत्री रास्ता तलाश रहे हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया है कि हेमंत मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे, झारखंड की अगली मुख्यमंत्री उनकी पत्नी कल्पना सोरेन होंगी।

गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने इस्तीफे के पीछे की पूरी कहानी को समझाते हुए एक के बाद एक कई पोस्ट किए हैं। उन्होंने लिखा, गांडेय विधायक सरफराज अहमद ने विधानसभा से इस्तीफा दिया, इस्तीफ़ा स्वीकार हुआ। हेमंत सोरेन जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे, झारखंड की अगली मुख्यमंत्री उनकी पत्नी कल्पना सोरेन जी होंगी । नया साल सोरेन परिवार के लिए कष्टदायक है। इस ताजा घटनाक्रम की कड़ी ईडी की सातवीं और आखिरी नोटस से जुड़ रही है, जिसका जवाब देने की मियाद खत्म हो चुकी है।

ईडी का सातवां समन कैसे बन रहा है आधार

इस ट्वीट के साथ निशिकांत दुबे ने इशारा किया है कि कैसे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब तक ईडी की पूछताछ से बचते रहे हैं। पर्वतन निदेशालय ने हेमंत सोरेन को सातवां समन भेजा था। इस समन में मुख्यमंत्री से ही पूछताछ की जगह, वक्त और तारीख तय करने के लिए कहा था।

मुख्यमंत्री को जवाब के लिए रविवार तक का समय दिया गया था, हेमंत सोरेन ने इस समन का भी कोई जवाब नहीं दिया। ऐसे में संभावना है कि अब ईडी हेमंत सोरेन से पूछताछ के लिए कोई बड़ा फैसला ले सकती है। ऐसे में मुख्यमंत्री अपने पद के लिए किसी की तलाश में हैं। चर्चा है कि इस सीट से कल्पना सोरेन चुनाव लड़ेंगी और उन्हें मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

जांच से बच रहे हैं सीएम

जांच एजेंसी ने समन में लिखा है कि वे जान-बूझकर इस मामले

की जांच से बच रहे हैं और समन की अवहेलना कर रहे हैं। अगर अब जान-बूझकर समन की अवहेलना की जाती है तो ईडी के पास पीएमएलए की धारा के तहत उचित कार्रवाई करने का अधिकार है। समन में यह भी कहा गया है कि छह समन जारी करने पर भी आपकी ओर से निराधार कारण बताया गया और आप ईडी कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए। इस वजह से जांच में बाधा आ रही है।

ईडी ने बताया आधार

भानु प्रताप के घर से मिले दस्तावेज के संबंध में होनी है पूछताछः ईडी ने लिखा है कि बड़गाईं अंचल के उपनिरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद के घर से छापेमारी में जमीन से जुड़े कई अहम दस्तावेज मिले थे। ईडी उसकी जांच कर रहा है। इसी मामले में पूछताछ के लिए समन जारी किया गया है। आपकी संपत्ति का भी विवरण प्राप्त करना है, इसलिए पूछताछ जरूरी है। क्योंकि यह सरकारी दस्तावेजों से छेड़छाड़ का मामला है।

दरअसल, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन जारी होने के बाद ही सीएम हेमंत सोरेन ने ईडी से समन वापस लेने को कहा था।उन्होंने कहा था कि हमने पहले ही अपनी संपत्ति की जानकारी दे दी हैं। अगर वह गुम हो गया है तो वे फिर से इसे उपलब्ध करा सकते हैं। गौरतलब है कि इससे पूर्व अवैध खनन मामले में ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए समन जारी किया था। उस दौरान वे ईडी के समक्ष उपस्थित हुए थे और ईडी के सभी प्रश्नों का जवाब दिया था।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार कार, 6 की मौत

जमशेदपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर में सोमवार सुबह सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। 2 की हालत गंभीर है। सभी नए साल पर पिकनिक मनाने जा रहे थे। हादसा बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में सर्किट हाउस साइन मंदिर के पास सुबह के 5.15 मिनट के आसपास हुआ। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि कार में 8 लोग सवार थे। बिष्टुपुर थाना इलाके के बाद कार पेड़ से टकरा गई। हादसे के बाद कुछ लोगों के शव गाड़ी में ही फंसे रहे। बाद में गाड़ी के कटर से काटकर शवों को निकाला गया। हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी का इंजन 10 फीट दूर पड़ा मिला। सीएम हेमंत सोरेन ने हादसे पर दुख जताया है। टाटा इंडिगो में आठ लोग सवार थे। कार की रफ्तार तेज थी कार पहले पहले पोल से और फिर पेड़ से टकरा गई। हादसे में घटनास्थल पर ही पांच लोगों की मौत हो गई। कार के परखच्चे उड़ गए। प्रशासन ने दो लोगों को और प्रशासन के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने कार से एक व्यक्ति को बाहर निकाला। अब तक मिली जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी है। दो लोग इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हैं जिनका इलाज जमशेदपुर एमजीएम अस्पताल में चल रहा है। सभी 6 शवों को फिलहाल एमजीएम अस्पताल में रखा गया है।

गांडेय विधायक ने दिया इस्तीफा

गिरिडीह, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मुक्ति मोर्चा के गांडेय विधानसभा से विधायक डॉ सरफराज अहमद ने इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे को स्वीकार करते हुए झारखंड विधानसभा ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। उनके इस्तीफे के बाद विधानसभा में 31 दिसंबर 2023 से पद रिक्त हो गया है। विधायक ने फोन पर हुई बातचीत में बताया कि नाराजगी जैसी कोई बात नहीं है। मैंने निजी कारण से इस्तीफा दिया है। मैं जेएमएम के साथ हूं और अभी भी राज्य में पार्टी का उपाध्यक्ष हूं। इस्तीफे की चर्चा के बाद कई तरह की अफवाह थी। केंद्रीय कमेटी में उपाध्यक्ष बनाए गए डॉ सरफराज ने साल 2019 में कांग्रेस पार्टी छोड़ जेएमएम में शामिल हुए थे।

मुझसे मिलने आएं तो गुलदस्ता नहीं सिर्फ एक फूल ही दें

रायपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नया कदम उठाते हुए सकारात्मक संदेश दिया है। उन्होंने नये वर्ष 2024 पर प्रदेशवासियों से अनुरोध करते हुए कहा कि मुझसे मिलने आएं तो पुष्पगुच्छ नहीं सिर्फ एक फूल ही भेंट करें। सीएम ने कहा कि नववर्ष के अवसर पर और आगे जब भी उनसे भेंट करने आएं, तो बड़े पुष्प गुच्छ देने के बजाय केवल एक पुष्प देकर मिल सकते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मेरे लिए यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा। उन्होंने प्रदेशवासियों को नववर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। कहा कि, नया वर्ष सभी लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए। नया साल नई उम्मीदें लेकर आता है। छत्तीसगढ़ में नयी सरकार प्रदेशवासियों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए सकारात्मक ऊर्जा के साथ आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छत्तीसगढ़ की जनता को दी गई गारंटी को पूरा करने के लिए सरकार संकल्पित है।

मतदान बूथ पर होंगी सभी जरूरी सुविधाएं

रांची, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के निर्देश और पहल पर आगामी लोकसभा आम चुनाव, 2024 हेतु राज्य के सभी मतदान केन्द्रों पर जरूरी न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की कवायद शुरू कर दी गयी है। दरअसल वर्तमान में झारखंड राज्य के मतदान केंद्रों में जरूरी न्यूनतम सुविधाओं की स्थिति क्या है, इसको लेकर सोशल औडिट स्टेट यूनिट की मदद से थर्ड पार्टी सामाजिक अंकेक्षण कराए जाने का निर्णय लिया गया है। देश में संभवतः यह पहला अवसर है जब निर्वाचन विषयों को लेकर स्वतंत्र सामाजिक ऑडिट करवाया जा रहा हो। इस पहल को लेकर सीईओ के. रवि कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग का हमेशा से निर्देश रहा है कि मतदान के दिन मतदान केंद्रों पर न केवल सभी जरूरी न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध हों बल्कि इन सभी केंद्रों पर त्यौहार जैसा माहौल हो।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया अगर उकसाएं तो उन्हें तबाह कर दो

किम जोंग ने अपनी सेना को दिया आदेश

प्योंगयांग, 1 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी सेना को आदेश दिया है कि अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया कोई उकसावे वाली कार्रवाई करें तो वह उन्हें पूरी तरह से तबाह कर दें। उत्तर कोरियाई मीडिया के अनुसार, किम जोंग उन ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उत्तर कोरिया में सत्ताधारी पार्टी की पांच दिवसीय बैठक चल रही है। इसी बैठक के दौरान शनिवार को किम जोंग उन ने बताया कि साल 2024 में तीन और सैन्य जासूसी सैटेलाइट लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। बीते नवंबर में ही उत्तर कोरिया ने अपने पहले सैन्य जासूसी सैटेलाइट का सफल प्रक्षेपण किया था। रविवार को किम जोंग उन ने उत्तर कोरियाई सेना के कमांडिंग अफसरों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करने की जरूरत है। किम ने कहा कि 'हमारी सेना को सभी जरूरी कदम उठाकर हमारे खिलाफ कार्रवाई करने वाले देशों को पूरी तरह से तबाह कर देना चाहिए और इसके लिए उन्हें पलभर नहीं हिचकना चाहिए।' कोरियाई तानाशाह ने कहा कि 'कोरिया गणराज्य ताकत के माध्यम से वास्तविक, स्थायी शांति का निर्माण कर रहा है, न कि एक विनम्र शांति का, जो प्रतिद्वंद्वी की सद्भावना पर निर्भर करती है।' किम ने दक्षिण कोरिया की आलोचना करते हुए उसे 'औपनिवेशिक अधीनस्थ राज्य' बताया, जिसका समाज 'यांकी संस्कृति से कलंकित' है। उन्होंने कहा सेना को संघर्ष की स्थिति में 'दक्षिण कोरिया के पूरे क्षेत्र को कब्जाने के लिए परमाणु हथियारों सहित सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करना चाहिए। बता दें कि उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन चीन और रूस के साथ मिलकर अपनी सेना को मजबूत बनाने में जुटे हैं। साथ ही उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को भी बढ़ाने में जुटे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तर कोरिया के पास 20-30 परमाणु बमों से लेकर 100 से ज्यादा बम तक हो सकते हैं। हालांकि कई रक्षा विशेषज्ञ ऐसा मानते हैं कि उत्तर कोरिया के सामने अभी भी कुछ तकनीकी चुनौतियां हैं, जिसकी वजह से वह इंटर-कॉन्टिनेंटल मिसाइल बनाने में सफल नहीं हुआ है। इसकी कम दूरी की परमाणु मिसाइलें जापान और दक्षिण कोरिया को निशाना बना सकती हैं।

डेनमार्क की क्वीन माग्रेथ-II ने पद छोड़ने की घोषणा की

52 साल शासन किया, बेटे प्रिंस फ्रेडरिक को राजगद्दी सौंपेंगी

कोपेनहेगन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। डेनमार्क की महारानी माग्रेथ-II ने रविवार देर रात पद छोड़ने की घोषणा की। उन्होंने नए साल को लेकर दिए गए अपने संबोधन में कहा कि वह इसी महीने 14 जनवरी को अपना पद छोड़ देंगी। वो अपने बेटे क्राउन प्रिंस फ्रेडरिक आंद्रे हेनरिक को राजगद्दी सौंपेंगी।

क्वीन माग्रेथ-II ने 14 जनवरी 1972 में पिता किंग फ्रेडरिक IX के निधन के बाद सिंहासन संभाला था। 52 साल बाद वो यह पद छोड़ रही हैं। ब्रिटेन की क्वीन एलिजाबेथ-II के बाद क्वीन माग्रेथ-II यूरोप में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली दूसरी शासक के तौर पर जानी जाती हैं।

पीठ की सर्जरी के बाद पद छोड़ने का ख्याल आया

83 साल की क्वीन मार्ग्रेथ की फरवरी 2023 में पीठ की सर्जरी हुई थी। इसके बाद से उनके मन में पद छोड़ने का ख्याल आया। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा- पीठ की सर्जरी के बाद भविष्य के बारे में विचार करने का समय मिला। मुझे लगने लगा कि अब अपने बेटे को ताज की जिम्मेदारियां सौंपने का वक्त आ गया है। मैंने तय कर लिया है कि 14 जनवरी 2024 पद छोड़ने और बेटे को जिम्मेदारी सौंपने का सही समय होगा।

फरवरी 2023 में भारत आए थे प्रिंस फेडरिक

डेनमार्क के प्रिंस फेडरिक आंद्रे हेनरिक और प्रिंसेस मेरी एलिजाबेथ फरवरी 2023 में आगरा पहुंचे थे।

दोनों ने ताजमहल और आगरा किला देखा और इस दौरे को लेकर विजिटर डायरी में कमेंट भी लिखा था। इस दौरान उन्होंने फोटोशूट भी कराया था।

हमास ने मांगा 1 महीने का सीजफायर

बदले में बंधकों की रिहाई के लिए तैयार, जंग में अब तक 172 इजराइली सैनिक मारे गए

काहिरा/ तेल अवीव, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बैकडोर डिप्लोमैसी के तहत इजराइल और हमास की बातचीत चल रही है। कतर की वेबसाइट 'अल अरबी अल जदीद' की रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी टाइम्स ऑफ इजराइल ने दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक- पिछले हफ्ते इजिप्ट के डेलिगेशन ने इजराइल की सीक्रेट विजिट की थी। इस दौरान सीजफायर को लेकर गंभीर बातचीत हुई। दूसरी तरफ, कतर के मीडिएटर्स ने इजराइल को बताया है कि हमास तमाम बंधकों की रिहाई के लिए तैयार है, लेकिन वो एक महीने का सीजफायर चाहता है।

जंग खत्म होनी चाहिए

इजिप्ट का दल तेल अवीव पहुंचा तो इसने इजराइली सरकार के सामने जंग को पूरी तरह खत्म करने के लिए बातचीत की। यह कोशिश इसलिए अहम हो जाती है, क्योंकि इजराइल कई बार कह चुका है कि वो हमास के पूरे खात्मे के पहले जंग बंद नहीं करेगा। अब कतर और इजिप्ट के मीडिएटर्स सीजफायर के लिए नया फ्रेमवर्क बना रहे हैं। इजिप्ट के एक अफसर ने कहा- हालात इस वक्त बेहद पेचीदा और मुश्किल हैं। इजिप्ट चाहता है कि इजराइली सेना गाजा से पूरी तरह हटे और इसके बाद सभी पक्ष समझौता करें और हमास अमन की गारंटी दे। दूसरी तरफ, कतर के एक सोर्स ने कहा- हमास बंधकों की रिहाई के लिए तैयार है, लेकिन उसकी मांग है कि इजराइल कम से कम एक महीने के सीजफायर की गारंटी दे। फिलिस्तीन अथॉरिटी का भी रोल अहम हो सकता है। हालांकि, इजराइल इस बारे में झुकने को तैयार नहीं है। यही सबसे बड़ी दिक्कत है। इसी रिपोर्ट में कहा गया है- इजराइल और अमेरिका अच्छी तरह जानते हैं कि हमास अब ज्यादा देर टिक नहीं सकता। लिहाजा, वो अपनी ताकत बचाए रखने के लिए सीजफायर और होस्टेज फ्री करने की बात कर रहा है। इजराइल उसे राहत नहीं देना चाहता, वो ताकत के बल पर बंधकों को छुड़ाना चाहता है।

गाजा में एक कॉम्पलेक्स को तबाह करने के बाद लौटते इजराइली सैनिकों की है। यहां एक स्कूल पर रेड के दौरान घातक हथियार और डॉक्यूमेंट्स भी मिले हैं। गाजा में एक कॉम्पलेक्स को तबाह करने के बाद लौटते इजराइली सैनिकों की है।

यहां एक स्कूल पर रेड के दौरान घातक हथियार और डॉक्यूमेंट्स भी मिले हैं।

भारतवंशी परिवार की मौत के मामले में पांच दिन बाद भी खाली हाथ पुलिस

आलीशान बंगले में मृत मिले थे तीन लोग

वॉशिंगटन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के मैसाच्युसेट्स में भारतीय मूल के एक अमीर परिवार के तीन सदस्यों के मृत पाए जाने की घटना में अभी भी पुलिस के हाथ खाली हैं। बताया जा रहा है कि मौत के मामले में जांच चल रही है। बता दें, एक दंपति और उनकी बेटी अपने 50 लाख डॉलर के बगले में मृत पाए गए थे। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि पुलिस को शक है कि यह मामला घरेलू हिंसा का हो सकता है।

नॉरफॉक डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी (डीए) माइकल मॉरिससी ने बताया था कि 57 साल के राकेश कमल, उनकी 54 साल की पत्नी टीना और 18 वर्षीय बेटी एरियाना गुरुवार शाम करीब साढ़े सात बजे अपने डोवर स्थित घर में मरे मिले। टीना और उनके पति रिक नाम की कंपनी चलाते थे। इससे पहले वे एडुनोवा नामक एक निष्क्रिय शिक्षा प्रणाली कंपनी चलाते थे। जिला अटॉर्नी ने इस घटना को प्राथमिक दृष्टि से घरेलू हिंसा बताया था। उन्होंने कहा था कि कमल के शव के पास से एक बंदूक मिली है। हालांकि उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया था कि तीनों को गोली मारी गई है या नहीं। मॉरिससी ने कहा था कि वह जांच रिपोर्ट सामने आने का इंतजार कर रहे हैं। उसके बाद ही यह सच आएगा कि यह हत्या का या आत्महत्या का मामला है।

अटॉर्नी माइकल ने बताया था कि घटना का उस वक्त पता चला एक रिश्तेदार ने परिवार की जानकारी लेने की सोचा। दो-तीन से परिवार के सदस्यों को किसी ने नहीं देखा था और न ही किसी की बात हुई थी। इसके बार एक रिश्तेदार कमल के घर पहुंचे तो पता चला की तीनों नहीं रहे। घटना की जांच कर रहे मॉरिससी ने बताया था कि फिलहाल इस परिवार का आपसी किसी झगड़े का या कोई और मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि न कोई पहले की पुलिस रिपोर्ट है और न ही कोई और बात सामने आई है, जिससे पता चले कि दंपति ने हत्या क्यों की।

बहुत अमीर था परिवार

एक रिपोर्ट के अनुसार, कमल परिवार बहुत अमीर था। वह जिस आलीशान हवेली में रह रहा था उसकी कीमत लगभग 54.5 लाख डॉलर है। बताया जा रहा है कि इस हवेली को परिवार ने एक साल पहले मैसाच्युसेट्स स्थित विल्सनडेल एसोसिएट्स एलएलसी को 30 लाख डॉलर में बेच दिया था। दंपति ने 2019 में 40 लाख डॉलर में 19,000 वर्ग फुट की संपत्ति खरीदी थी, जिसमें 11 बेडरूम हैं।

दिवालिया घोषित होने का एप्लिकेशन रद्द हुआ

कमल परिवार में साल 2022 से आर्थिक संकट चल रहा था। सितंबर 2022 में परिवार ने दिवालिया घोषित किए जाने के लिए अप्लाई किया था। हालांकि इस साल अक्टूबर में सही फॉर्म और दस्तावेजों की कमी की वजह से उनका आवेदन रद्द हो गया था। कमल परिवार के घर में करीब 11 कमरे हैं और ये डोवर शहर की एक प्राइवेट रोड पर बना है। टीना ने 2016 में अपनी एक कंपनी खोली थी, जो 2021 में बंद हो गई। ये कंपनी स्टूडेंट्स को अपने ग्रेड्स बेहतर करने में मदद करती थी। सबसे महंगे स्कूल में पढ़ती थी उनकी बेटी एरियाना ने भी मैसाचुसेट्स के सबसे महंगे स्कूलों में से एक मिल्टन एकेडमी से पढ़ाई की थी। उसने वरमॉन्ट के मिडिलबरी कॉलेज में न्यूरोसाइंस की पढ़ाई के लिए एडमिशन लिया था।

अपना ही बोया काट रहा पाकिस्तान!

2023 में आतंकी घटनाओं में हुईं सबसे ज्यादा मौतें

इस्लामाबाद, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद फैलाने के लिए कट्टरपंथी तत्वों को अपने यहां पाला पोसा, लेकिन अब यही कट्टरपंथी तत्व उसके लिए सिरदर्द बन गए हैं। बता दें कि भारत के लिए आतंकवाद के बीज बोने वाला पाकिस्तान आज खुद आतंकवाद से पीड़ित है। पाकिस्तान के दो थिंक टैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि वहां आतंकवाद से संबंधित हिंसा में मरने वालों का आंकड़ा साल 2023 में बीते छह सालों में सबसे ज्यादा रहा।

पाकिस्तान में 2023 में आतंकी घटनाओं में 1524 लोगों की मौत हुई

पाकिस्तान के थिंक टैंक सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) की सालाना रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में 789 आतंकी हमलों और आतंक रोधी कार्रवाई के दौरान 1524 लोगों की मौत हुई और 1463 लोग घायल हुए। मरने वालों में 1000 आम नागरिक थे और अन्य सुरक्षा बलों के जवान। आतंकी घटनाओं में मृतकों का आंकड़ा बीते छह साल में सबसे ज्यादा है। इससे पहले साल 2018 में इतनी मौतें हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में साल 2021 के बाद से लगातार तेजी आ रही है। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान आतंकी हिंसा के केंद्र बने हुए हैं।

बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में सबसे ज्यादा हिंसा

पाकिस्तान में हुए कुल आतंकी हमलों में से 84 फीसदी हमले इन दो राज्यों में हुए हैं। वहीं मरने वाले 90 फीसदी लोग भी इन्हीं दो राज्यों से थे। वहीं पंजाब और सिंध प्रांत में सिर्फ आठ फीसदी आतंकी घटनाएं हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान में 56 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और 2022 में जहां पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में 980 लोग मारे गए थे, 2023 में ये आंकड़ा 1524 तक पहुंच गया। पंजाब और सिंध में भले ही आतंकी घटनाएं कम हुई हैं लेकिन सिर्फ इन राज्यों के आंकड़ों के अनुसार इसमें 96 फीसदी की तेजी आई है। वहीं सिंध में 26 प्रतिशत लोग ज्यादा मारे गए हैं।

खास बात ये है कि पाकिस्तान में हुईं आतंकी घटनाओं में सिर्फ 17 फीसदी प्रतिबंधित संगठनों जैसे तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान, बलोच लिबरेशन आर्मी और इस्लामिक स्टेट खोरासान ने अंजाम दी हैं। पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों के खिलाफ 197 ऑपरेशन चलाए, जिनमें 545 आतंकी मारे गए। एक अन्य थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉनफ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज ने भी अपनी सालाना रिपोर्ट में भी पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में तेजी का दावा किया है। इसकी रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में साल 2023 में हर महीने 53 आतंकी हमले हुए, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 32 था।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति फिर आए विवादों में

इस बार गर्लफ्रेंड को स्टेज पर किया किस, दर्शक भी रह गए हैरान

ब्यूनस आयर्स, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर माइली शुक्रवार को अपनी गर्लफ्रेंड फातिमा फ्लोरेज के नए संगीत कार्यक्रम में पहुंचे। यहां राष्ट्रपति ने अपनी गर्लफ्रेंड को किस किया, जिसका वीडियो अब पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। फ्लोरेज इस दौरान गोल्डेन लियोटार्ड पहने हुए थे। इस दौरान राष्ट्रपति स्टेज पर उनके साथ थे। स्थानीय समाचार आटलेट क्लेरिन के मुताबिक राष्ट्रपति रात 9.40 बजे रॉक्सी थिएटर पहुंचे। राष्ट्रपति माइली ने कथित तौर पर कार्यक्रम के टिकट के लिए अपनी जेब से भुगतान किया था।

अपनी गर्लफ्रेंड को किस करने से पहले उन्होंने स्टेज पर एक भाषण दिया। राष्ट्रपति ने यहां लोगों से कहा कि अर्जेंटीना के लिए कठिन समय आने वाला है। लेकिन देश को आगे बढ़ना होगा। यह पहली बार नहीं है जब कपल ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर किस किया है। नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए मतदान खत्म होने के बाद लाइव टेलीविजन पर भी वह कुछ इसी तरह दिखे थे। माइली के साथ थिएटर में उनकी बहन करीना और उनके सुरक्षा प्रमुख भी शामिल हुए। राष्ट्रपति की गर्लफ्रेंड एक लोकप्रिय हास्य कलाकार हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से राष्ट्रपति को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया और कुछ समय बाद उनके साथ चली गईं। अपने तत्कालीन पति से अलग होने के बाद वह राष्ट्रपति से एक टॉक शो में मिली थीं। तब से दोनों एक दूसरे के साथ रिश्ते में हैं। इंटरव्यू के दौरान फातिमा ने मजाक में उनसे कहा था कि आप इस महत्वपूर्ण भूमिका के लिए बेहद अकेले हैं। अक्टूबर में दोनों फिर टॉक शो में गए, जहां उन्होंने बताया कि वह एक दूसरे को डेट कर रहे हैं।

श्रम कानून का उल्लंघन करने पर नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस दोषी करार

छह महीने की जेल

ढाका, 1 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में श्रम कानूनों का उल्लंघन करने पर नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को दोषी ठहराया गया है। इसको लेकर देश में राजनीति तेज हो गई है। उनके समर्थकों ने आरोप लगाया कि यह पूरी कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। अभियोजक खुर्शीद आलम खान ने कहा कि प्रोफेसर यूनुस और उनके तीन ग्रामीण टेलीकॉम सहयोगियों को श्रम कानूनों के तहत दोषी ठहराया गया हैं, जिन्हें मामले में छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई हैं। लोगों को गरीबी से बाहर निकालने वाले माइक्रोफाइनेंस बैंक के लिए जाने वाले मुहम्मद यूनुस पर प्रधानमंत्री शेख हसीना ने गरीबों के शोषण का आरोप लगाया है। अगस्त माह में बराक ओबामा और बान की मून सहित विश्व की कई हस्तियों ने यूनुस के न्यायिक उत्पीड़न की आलोचना की थी। इसको लेकर एक बार फिर बांग्लादेश में राजनीति तेज हो गई हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 2006 के नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के खिलाफ कई बार तीखे हमले किए हैं। शेख हसीना लगातार मोहम्मद यूनुस की आलोचक रही हैं। पिछले वर्ष अगस्त माह में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबाम और पूर्व संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की मून सहित 160 वैश्विक हस्तियों ने युनूस के खिलाफ की गई न्यायिक कार्रवाई को लेकर निंदा की थी। साथ ही कहा था कि उनकी सुरक्षा और स्वतंत्रता का डर हैं। आलोचक बांग्लादेशी अदालतों पर हसीना सरकार द्वारा लिए गए फैसलों पर मुहर लगाने का आरोप लगा रहे हैं।

दुनिया में 2024 का ग्रैंड वेलकम

लंदन में ड्रोन-लाइट शो, जापान में 108 बार मंदिर की घंटी बजाई गई

लंदन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया भर में 2024 शुरू होने का जश्न मनाया जा रहा है। लंदन में आतिशबाजी के साथ नए साल का स्वागत किया गया। टेम्स नदी के पास लाखों लोग जमा हुए। 12 हजार से ज्यादा पटाखे जलाए गए। यहां 600 ड्रोन और 430 लाइट्स का इस्तेमाल करते हुए एक शो हुआ। म्यूजिक पर डांस करते हुए लोगों ने जश्न मनाया।

वहीं, जापान में परंपरा के मुताबिक नए साल पर बौद्ध मंदिरों में 108 बार घंटी बजाईं। इसके लिए टोक्यो में त्सुकिजी मंदिर के बाहर हजारों लोग जमा हुए। इस दौरान लोगों को गर्म दूध और सूप दिया गया। लोग प्रार्थना करते भी नजर आए। अमेरिका, साउथ कोरिया, नॉर्थ कोरिया, जापान, मिस्र, साउथ अफ्रीका, ग्रीस, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, ब्राजील में भी नए साल का जश्न मना।

चीन में लोगों ने जमी हुई झील पर नए साल का जश्न मनाया। बीजिंग में शिचाहाई झील ठंड की वजह से जम गई है यहां का तापमान जीरो डिग्री से माइनस 2 डिग्री के बीच पहुंच गया है।

चीन में नए साल के जश्न पर पटाखों पर लगे बैन के चलते लोगों ने अलग अंदाज में सेलिब्रेट किया। लोग फ्रोजन झील पर स्केटिंग और स्कीइंग करते नजर आए। वहीं, कुछ लोगों ने रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर सड़कों पर डांस किया। साथ ही आसमान में स्काई लैंटर्न छोड़े।

पेरिस में आर्क डी ट्रायम्फ के ऊपर आतिशबाजी के साथ 2024 का स्वागत किया गया। यहां मल्टीडायमेंशनल लाइट शो हुआ। इसमें पेरिस का इतिहास दिखाया गया। इसे देखने लाखों लोग जमा हुए। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पेरिस में 90 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया।

नए साल पर हॉन्गकॉन्ग में अब तक की सबसे बड़ी आतिशबाजी हुई। यहां 'न्यू ईयर न्यू लीजेंड' थीम पर 12 मिनट तक आतिशबाजी का इवेंट हुआ। इस दौरान हाईराइज बिल्डिंग्स की छतों से भी एकसाथ आतिशबाजी की गई।

भारत के साथ बिगड़ते रिश्तों के बीच चीन का दौरा करेंगे राष्ट्रपति मुइजू

बड़े एलानों की संभावना

माले, 1 जनवरी (एजेंसियां)। चीन और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजू के बीच बीजिंग में द्विपक्षीय वार्ता के लिए बातचीत चल रही है जो कुछ ही हफ्तों में हो सकती है। अगर यह वार्ता होती है तो मोहम्मद मुइजू चीन आने वाले मालदीव के पहले राष्ट्रपति होंगे। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपतियों ने भारत को अपने पहले दौरे के तौर पर चुना था, लेकिन मुइजू ने सीओपी28 शिखर सम्मेलन में दुबई पहुंचने से पहले तुर्किये का दौरा किया था। यहां तक की कट्टर भारत विरोधी नेता मोहम्मद वाहीद ने 2012 में और इसके दो साल बाद अब्दुल्ला यामीन ने भी अपना पहला दौरा भारत का ही किया था। हालांकि, चीन तीसरा ऐसा देश होगा जहां मालदीव के नए राष्ट्रपति यात्रा करेंगे। मुइजू के तुर्किये दौरे ने चीन और भारत को यह दिखा दिया कि मालदीव अब अपने विकास के लिए दोनों में से किसी भी देश पर निर्भर नहीं है। भारत समर्थक पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह के पद से हटने के बाद चीन ने नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजू को आमंत्रित करने में समय बर्बाद नहीं किया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मुइजू को भारत से भी आमंत्रण मिला है या नहीं। मुइजू की यह यात्रा एचएडीआर गतिविधियों के लिए मालदीव को भारत द्वारा उपहार में दिए गए नौसैनिक हेलिकॉप्टरों के संचालन में शामिल भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने के मुइजू के आग्रह के बीच होगी। हालांकि, भारत इसके लिए एक व्यावहारिक समाधान की उम्मीद कर रहा है। सीओपी28 सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के बाद मुइजू ने कहा कि भारत अपने सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने के लिए तैयार है।

लाल सागर में अब यमन के हूतियों की खैर नहीं

अमेरिका के बाद उतरेगी ब्रिटेन की नेवी, एक साथ होंगे हमले

लंदन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान के हूती विद्रोहियों के खिलाफ लाल सागर में अब ब्रिटेन उतरने की योजना बना रहा है। संडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक लाल सागर में लगातार हूती विद्रोही समुद्री यातायात को रोक रहे हैं, जिसे देखते हुए ब्रिटेन अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य अभियान में शामिल हो सकता है। रिपोर्ट में ब्रिटेन सरकार के सूत्र का हवाला दिया गया है। सूत्र ने कहा कि ब्रिटेन, अमेरिका और संभवतः एक अन्य यूरोपीय देश जल्द ही समुद्र या यमन में हूतियों के खिलाफ एक साथ हवाई हमले शुरू करेंगे। सूत्र ने कहा कि यूके सरकार की ओर से कोई भी कार्रवाई सीमित लेकिन महत्वपूर्ण होगी। हूती विद्रोही लाल सागर शिपिंग लेन में इजरायल से जुड़े जहाजों पर बार-बार हमला कर रहे हैं। इन्हें ईरान की तरफ से समर्थन मिला हुआ है। हूतियों का कहना है कि वह फिलिस्तीन के समर्थन में हैं और इस कारण इजरायल से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से इजरायल लगातार गाजा पर बम बरसा रहा है। लाल सागर दुनिया के प्रमुख व्यापारिक मार्गों में से है। वैश्विक व्यापार का 12 फीसदी इस रास्ते से होता है। हूती विद्रोहियों के खतरे को देखते हुए लाल सागर में अमेरिका को इस महीने की शुरुआत में बहुराष्ट्रीय नौसैनिक टास्क फोर्स स्थापित करना पड़ा। अदन की खाड़ी से लाल सागर में जाने के लिए बेहद पतले बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से गुजरना पड़ता है, जहां हूती विद्रोही एक्टिव हैं।

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने लिए थे ये 7 बड़े फैसले

अब भजनलाल सरकार उठाने जा रही बड़ा कदम

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के पिछले छह माह के फैसलों की समीक्षा की जाएगी। विधानसभा चुनाव से पहले गहलोत सरकार ने चुनाव से छह माह के भीतर संस्थाओं, सामाजिक संगठन, अस्पताल, स्कूल सहित अन्य कई ट्रस्टों को रियायती दर पर 324 मामलों में जमीन आवंटन किए।

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के पिछले छह माह के फैसलों की समीक्षा की जाएगी। विधानसभा चुनाव से पहले गहलोत सरकार ने चुनाव से छह माह के भीतर संस्थाओं, सामाजिक संगठन, अस्पताल, स्कूल सहित अन्य कई ट्रस्टों को रियायती दर पर 324 मामलों में जमीन आवंटन किए। इनमें से 216 मामलों में तो आवंटन का फैसला आचार संहिता से ठीक 19 दिन पहले ही किया गया। कोटा और जोधपुर में इनकी संख्या ज्यादा है। भीलवाड़ा में एक पूर्व मंत्री की संस्था को जमीन आवंटन का मामला भी गरमाया हुआ है। इसके अलावा नए जिलों के गठन के अलावा कई अन्य बड़े फैसले भी लिए गए।

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने भी मंत्री पद की शपथ लेने के बाद बयान दिया कि राजनीतिक रूप से जो फैसले पूर्ववर्ती सरकार ने लिए थे, उन सभी की समीक्षा करेंगे। हालांकि, जनहित से जुड़ी हुई योजनाएं और काम यथावत चलते रहेंगे। सीएम भजनलाल शर्मा भी पहले यह कह चुके हैं कि जनकल्याणकारी योजनाएं बंद नहीं करेंगे। दरअसल, पिछले दो-तीन सरकारों के कार्यकाल से यही रिवाज चलता रहा है।

इन फैसलों पर रहेगा फोकस

- स्कूल, अस्पताल सहित करीब 300 संस्थाओं, ट्रस्ट को रियायती दर जमीन आवंटन। जयपुर के बाद कोटा, जोधपुर में सबसे ज्यादा आवंटन।
- कांग्रेस सरकार में 19 नए जिलों का गठन किया गया।
- सोलर एनर्जी कंपनियों को करीब 2 हजार हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई।
- उद्योग विभाग के जरिए प्रदेश में निवेश करने वाली कंपनियों को कस्टमाइज्ड पैकेज।
- कुछ डवलपमेंट प्रोजेक्ट, जो सवालों के घेरे में हैं और सरकारी एजेंसियां ही सवाल उठा चुकी हैं।
- विभिन्न समाजों के बोर्ड गठन, जो चालीस से ज्यादा हैं।
- महिलाओं को मुफ्त स्मार्टफोन वितरण।

आचार संहिता से पहले इन मामलों में दिखाई रफ्तार

चुनाव आचार संहिता 9 अक्टूबर को लगी थी और तत्कालीन सरकार ने इससे 19 दिन पहले 20 सितंबर को 24 जिलों में 216 जमीन आवंटन का फैसला किया। इनमें जोधपुर के सबसे ज्यादा 44 मामले थे। इनके अलावा जयपुर, उदयपुर, कोटा, सवाईमाधोपुर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, पाली, अजमेर, सिरोही, केकड़ी, बालोतरा, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, अलवर, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़, दौसा, बालोतरा, सीकर, बांसवाड़ा, फलौदी, बूंदी शामिल हैं।

चर्चा में यह आवंटन

जयपुर शहर में ही एक निजी विश्वविद्यालय, मेडिकल ट्रस्ट व एक अस्पताल को 5 लाख वर्गमीटर से ज्यादा (करीब 200 बीघा) जमीन का आवंटन किया गया है। इस जमीन की उस समय बाजार कीमत करीब 670 करोड़ रुपए आंकी गई थी, जबकि आवंटन दर के अनुसार 70 करोड़ रुपए में दी गई।

पिछली सरकार के ये 7 मंत्री लगाते गए मुहर

जमीन आवंटन मामलों को लेकर गहलोत सरकार ने 7 मंत्रियों की मंत्रिमण्डलीय एम्पावर्ड कमेटी बनाई हुई थी। इसमें तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल, मंत्री परसादी लाल मीणा,मंत्री रामलाल जाट, ममता भूपेश, भजनलाल जाटव, शकुंतला रावत, राजेन्द्र सिंह यादव शामिल थे।

नए साल पर भजनलाल सरकार ने पूरा किया चुनावी वादा

450 रुपए में सिलेंडर, किसे और कैसे मिलेगा

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के लोगों को भजनलाल सरकार बड़ा तोहफा देने जा रही है। अब से प्रदेश के लोगों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर मिलने जा रहा है। बता दें कि भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में 450 रुपये में सिलेंडर देने का वादा किया था। इसके बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने एक कार्यक्रम में कहा था कि 1 जनवरी 2024 से राजस्थान के बीपीएल और उज्जवला योजना के कनेक्शनधारियों को 450 रुपए में सिलेंडर मिलेगा।

इस योजना का लाभ गरीब परिवार की महिलाओं को मिलेगा। ऐसी महिलाएं जो बीपीएल श्रेणी में हैं उन्हें सबसे पहले इस योजना का लाभ मिलेगा। इसके अलावा पीएम उज्जवला योजना के लाभार्थियों को भी इस योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत एक साल में 12 सिलेंडर सस्ती दर पर मिलेंगे। बता दें कि प्रदेश में कुल 70 लाख उज्जवला कनेक्शन और 4 लाख बीपीएल कार्ड धारक हैं।

ऐसे मिलेगा योजना का लाभ

इस योजना का लाभ लेने के लिए सभी लाभार्थियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविरों में जाकर पंजीयन कराना होगा।

भारत सरकार विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से 39 जनकल्याणकारी योजनाएं जनता तक पहुंचाएगी। जिसमें सस्ते गैस सिलेंडर की योजना भी है। इस योजना के तहत सिलेंडर लेते समय पूरे 903 रुपए आपको देने पड़ेंगे लेकिन इसके बाद सब्सिडी की रकम लाभार्थियों के खातों में भेजी जाएगी।

बता दें कि भाजपा ने इस योजना का नाम बदलकर इंदिरा गांधी गैस सब्सिडी योजना से रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना कर दिया है।

इससे पहले इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना की शुरुआत 1 अप्रैल 2023 को लागू हुई थी। इस योजना के तहत गहलोत सरकार 500 रुपए में सस्त सिलेंडर दे रही थी। अब भजनलाल सरकार 450 रुपए में सस्ता सिलेंडर देगी। सरकार के इस निर्णय के बाद हर महीने 52 करोड़ रुपए का वित्तीय बोझ सरकार पर पड़ेगा। बता दें कि केंद्र सरकार की ओर से उज्जवला कनेक्शनधारियों को 300रुपए की सब्सिडी दी जाती है।

नववर्ष पर रैनबसेरों का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री, कहा- लोगों की सेवा पुण्य का काम है

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नववर्ष के आगमन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल ने रामनिवास बाग एवं जेके लोन अस्पताल के पास स्थित रैनबसेरों में रह रहे लोगों से मिलकर उनसे हालचाल पूछे। उन्होंने रैनबसेरों में व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं प्रबंधकों एवं कार्मिकों को रैनबसेरों को स्वच्छ और साफ रखने एवं सभी मूलभूत सुविधाऐं उपलब्ध कराने के दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने रैनबसेरों में रह रही महिलाओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही सभी रैनबसेरों के पास मोबाइल शौचालय खड़े करने के आदेश दिए। रैनबसेरों के आसपास बने गड्ढों को भी तुरंत भरने के आदेश उन्होंने दिए ताकि किसी को चोट ना लगे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई निराश्रित व्यक्ति इस ठंड के मौसम में खुले में ना सोए। इसके लिए रैनबसेरों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। एंट्री रजिस्टर अच्छे से मेंटेन किया जाना चाहिए। उन्होंने व्यवस्था देख रहे कार्मिकों से कहा कि रैनबसेरों में रह रहे जरूरतमंद लोगों की सेवा करना पुण्य का कार्य है, इसे सेवाभाव के साथ किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न रैनबसेरों में रह रहे लोगों की समस्याएं सुनीं एवं राज्य सरकार द्वारा सभी प्रकार का सहयोग देने हेतु आश्वस्त किया।

12वीं पास सोशल मीडिया से बांट रहा था फर्जी डिग्रियां

देश के 9 राज्यों से जुड़े गिरोह के लोग एक-दूसरे का चेहरा तक नहीं जानते थे

जोधपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। एक कॉल सेंटर चलाने वाले 12वीं पास ने राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश में फर्जी डिग्रियों का गिरोह फैला रखा था। खास बात ये थी कि गिरोह में शामिल लोग एक-दूसरे को जानते तक नहीं थे और सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से फर्जी डिग्री बांटी गई।

दरअसल, अशोक कुमार गुप्ता ने थाने में कोर्ट के जरिए रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाना पुलिस ने 21 दिसंबर को पुलिस ने नागौर के संजय कॉलोनी हाल माता का थान 80 फीट रोड गांधी नगर निवासी नरेश प्रजापत (28) को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने नरेश से पूछताछ के बाद पुलिस 26 दिसंबर को दिल्ली के बुराड़ी संत नगर निवासी मदनलाल को गिरफ्तार कर जोधपुर लेकर आई।

पुलिस ने सबसे पहले नरेश के ठिकानों की तलाशी ली। जहां से 15 से ज्यादा कॉलेज व यूनिवर्सिटी की फर्जी डिग्री बरामद की गई। यहां से पूछताछ में सामने आया कि नरेश इन फर्जी डिग्री को दिल्ली में रहने वाले मदनलाल नाम के युवक से तैयार करवाता था। नरेश मदनलाल से कभी मिला नहीं था। लेकिन वह सोशस मीडिया से उससे कनेक्ट था। इसी आधार पर पुलिस मदनलाल के कॉल सेंटर तक पहुंच गई।

आरोपियों के पास से उत्तराखंड शिक्षा परिषद रूड़की के बीए और एमएस, मेवाड़ यूनिवर्सिटी गंगरार (चित्तौड़गढ़) की बीएससी, श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी छतरपुरा एमपी की बीएड औ आईईसी यूनिवर्सिटी हिमाचल प्रदेश की बीएससी की डिग्री मिली है। नरेश और मदनलाल ने बताया कि इनके दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, उतराखंड, यूपी, बिहार, जम्मू कश्मीर व उड़ीसा तक तार फैले हुए है।

दोनों मिलकर तीन साल से लोगों को ठग रहे थे

मदनलाल दिल्ली में लोगों को अलग-अलग कोर्स में एडमिशन दिलवाने का फ्रॉड करने के लिए एक कॉल सेंटर ऑपरेट करता है। सबसे बड़ी बात यह है कि तीन साल से नरेश व मदनलाल मिलकर युवाओं को चूना लगा रहे है। दोनों एक दूसरे का चेहरा तक नहीं पहचानते थे। पूछताछ में इन दोनों से देशभर में इन तरह के कोर्स का झांसा देने वाले कई लोगों के नाम सामने आया है। पुलिस ने अब अलग-अलग टीमों ने इन लोगों को पकड़ने के लिए भेजा है।

दिल्ली में कॉल सेंटर, कर्मचारी को टारगेट

जोधपुर पुलिस की टीम ने पुरानी दिल्ली के बुराड़ी संत नगर निवासी मदनलाल पुत्र नरेनूराम को उसके कॉल सेंटर से गिरफ्तार किया। मदनलाल ने कॉल सेंटर में 30 कर्मचारी लगा रखे थे। इन सभी को महीने के 25 युवाओं को फसाने का टारगेट दिया हुआ था। इन लोगों के पास सभी प्रदेशों के लोगों के मोबाइल नम्बर का डाटा पड़ा था, जिससे यह लोग कॉल करते थे।

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि नरेश व मदनलाल की आपस में दोस्त सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। मदनलाल के पास जब भी कॉल सेंटर पर जोधपुर या आस-पास के क्षेत्रों से कोर्स की इंक्वायरी आती थी तो वह उन लोगों का नरेश से सम्पर्क करवा देता था। इन दोनों के बीच हमेशा सोशल मीडिया से ही बातचीत होती थी। दोनों एक दूसरे से कभी मिले नहीं थे।

मदनलाल ही तैयार करता था फर्जी मार्कशीट

पूछताछ में सामने आया है कि युवाओं को धोखा देने के लिए फर्जी मार्कशीट मदनलाल दिल्ली में बनाता था। नरेश उसे सोशल मीडिया पर मार्कशीट, कैंडिडेट की जानकारी भेज देता था। इसके बाद मदनलाल उन मार्कशीट को तैयार कर नरेश को भेज देता था।

पुलिस ने मदनलाल व नरेश के पढ़ाई की कुंडली निकाली है। हैरानी की बात यह है कि जिस नरेश ने युवाओं को बड़े – बड़े कोर्स का झांसा दिया है। वह खुद 12वीं पास है। वहीं मदनलाल ने एलएलबी कर रखी है और कई कोर्स भी कर रखे है। हालांकि पुलिस इन दोनों की मार्कशीट व सर्टिफिकेट की जांच करवा रही है।

फर्जी मार्कशीट बनवाने वालों पर भी नजर

पुलिस ने बताया कि जैसे-जैसे फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह के सदस्य को पकड़ा जा रहा है। इनके द्वारा तैयार की गई फर्जी मार्कशीट बनवाने वालों के नाम भी सामने आ रहे है। पुलिस इस मामले में मार्कशीट बनवाने वालों को भी बराबर का अपराधी मान रही है। हालांकि अभी पुलिस सिर्फ इन गिरोह के सदस्यों से पूछताछ कर रही है।

कुड़ी भगतासनी थाना प्रभारी देवेंद्रसिंह ने बताया कि फर्जी मार्कशीट मामले में पकड़ने गए नरेश प्रजापत व दिल्ली के मदनलाल को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया है। दोनों से पूछताछ में कई स्टेट की चेन सामने आया है। थाने से एक पुलिस दल इस गिरोह से जुड़े हुए और आरोपियों पकड़ने के लिए रवाना की गई है। उनके पकड़ में आने के बाद आगे की चेन सामने आएगी।

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने मंत्री पद संभालते ही विभाग पर दिया बड़ा बयान, सुनकर हर कोई चौंका

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। सांसद से विधायक और अब मंत्री बने राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आज मंत्री पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने दिया बड़ा बयान।

सांसद से विधायक और अब मंत्री बने राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आज नए साल 2024 के पहले दिन सोमवार को शुभ मुहूर्त में मंत्री पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बड़ा बयान दिया। राजस्थान के मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा, विभाग कोई भी हो हमें पूरी तरह से सरकार चलानी है। अधिकारियों, कर्मचारियों और हम सभी की जिम्मेदारी है कि राजस्थान की जनता की सेवा करें। संविधान भी यही कहता है कि जो भी जिम्मेदारी हो उसे पूरी तरह से निभाएं, ये 5 साल राजस्थान के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। बहुत इंतजार के बाद राजस्थान मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है। इसमें 22 मंत्री बनाए गए है। जिन्हें अभी विभाग नहीं मिले हैं।

राजस्थान की जनता की सेवा का मिला मौका

राज्यवर्धन राठौड़ ने आज पदभार ग्रहण करने के बाद कहा एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। राजस्थान की जनता की सेवा का मौका दिया गया। पीएम, सीएम के नेतृत्व में राजस्थान का उत्थान करना है। विभाग कोई सा भी है, जिम्मेदारी के साथ सरकार चलानी है। अधिकारियों, मंत्रियों की सभी की जिम्मेदारी है।

भजनलाल सरकार के प्रशासनिक अमले को मिला नया 'बास'

ज़िम्मेदारी संभालते ही कह डाली बड़ी बात

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रशासनिक बेड़े के नए 'मुखिया' सुधांश पंत ने आज सुबह अपनी नई ज़िम्मेदारी संभाल ली। राजधानी जयपुर में सचिवालय स्थित मुख्य सचिव चेंबर में निवर्तमान मुख्य सचिव उषा शर्मा ने अपना वर्क चार्ज औपचारिक रूप से नए मुख्य सचिव पंत को सौंप दिया। बेहद सादे 'हैंड ओवर, टेक ओवर' कार्यक्रम में कुछ अन्य अधिकारी और सीएस स्टाफ मौजूद रहा।

पदभार संभालने से पहले सुधांश पंत ने सचिवालय पहुंचकर सबसे पहले मुख्य द्वार पर स्थापित श्री गणेश भगवान की प्रतिमा को नमन किया। गणेश वंदना के बाद वे अपना दायित्व संभालने के लिए सीधे अपने कक्ष में दाखिल हुए।

नए सीएस सुधांश पंत ने पदभार ग्रहण के मौके पर मीडिया से बातचीत की और अपनी प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने सबसे पहले नए साल की शुभकामनाएं देने के साथ ही नई ज़िम्मेदारी के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताया। पंत ने कहा कि

राज्य के लोगों को राहत मिल सके, इसे ध्यान में रखते हुए पूरी लगन और निष्ठा से काम करेंगे और फैसले लेंगे।

पंत ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत की कल्पना साकार की जाने की पूरी कोशिश रहेगी। साथ ही वित्त विभाग के अधिकारियों से चर्चा करके वित्तीय स्थिति मजबूत करने पर काम होगा। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि केंद्र से तालमेल अच्छा रहेगा और राज्य को पूरा सहयोग मिलता रहेगा।

केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी संभालने के बीच राज्य में मुख्य सचिव बनाए जाने का सिलसिला जारी है। पूर्व में राजीव महर्षि और उषा शर्मा के बाद अब सुधांश पंत तीसरे ऐसे सीएस हैं जो केंद्र में प्रतिनियुक्ति बीच में छोड़कर मुख्य सचिव बने हैं। राजस्थान कैडर के 1991 बैच की आईएएस ऑफिसर सुधांश पंत का सीएस कार्यकाल लगभग 3 साल 2 माह तक रहने वाला है।

इससे पहले केंद्रीय सचिव रहे राजीव महर्षि जहां वर्ष 2013 से वर्ष 2014 तक करीब 11 महीने मुख्य सचिव रहकर फिर दिल्ली चले गए, तो वहीं उषा शर्मा ने केंद्र में प्रतिनियुक्ति बीच में छोड़कर 31 जनवरी 2022 को सीएस पद संभाला था। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने जून 2023 में उनका कार्यकाल 6 महीने बढ़ाया था। अब केंद्र प्रतिनियुक्ति बीच में छोड़कर सुधांश पंत भी सीएस बन गए हैं।

सुधांश पंत प्रदेश के 45वें मुख्य सचिव बन गए हैं। गौरतलब है कि प्रदेश के सबसे पहले सीएस बनने का गौरव के. राधाकृष्णन (13 अप्रेल 1949 से 2 मई 1950) को हासिल है।

नए साल पर जोधपुर पुलिस की अनूठी पहल

दूध पिलाकर दिन की शुरुआत, बाल्टी-केतली लेकर लाइन में दिखे लोग

जोधपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। नया साल 2024 शुरू हो गया है। नए साल के पहले दिन की शुरुआत लोग अपने-अपने तरीके से करते हैं, लेकिन राजस्थान की जोधपुर पुलिस ने नए साल पर एक अनूठी पहल की। जोधपुर पुलिस ने साल के पहले दिन लोगों को दूध पिलाया। पुलिस ने भामाशाहों के सहयोग से शहर के प्रमुख चौराहे पर आमजन को दूध पिलाया और नया साल मनाते हुए शराब का सेवन नहीं करने की अपील की। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त भोपाल सिंह लखावत से बताया कि नववर्ष पर शराब की बजाय दूध पीने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। जहां-जहां दूध का स्टाल लगाया गया, वहां-वहां भारी भीड़ नजर आई। कुछ लोग तो मौके पर दूध पीने के साथ-साथ बाल्टी ओर केतली लेकर नजर जाए, जिसमें डलवाकर लोग दूध अपने घर भी ले गए।

कोलकाता के पार्क स्ट्रीट में नए साल का स्वागत करने के लिए उमड़े लोगों ने जमकर डांस किया। चेन्नई में भी न्यू ईयर सेलिब्रेशन देर रात तक चला। लोगों ने एक दूसरे को बधाई देते हुए जमकर डांस किया। कामराज सलाइ और मरीना बीच पर लोग जश्न में डूबे दिखे। आईटी सिटी बेंगलुरू में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के जोश को संडे ने दोगुना बना दिया।

ट्रॉले में पीछे से घुसी कार

दो महिलाओं की मौत, वाहन चालक सहित चार घायल

मंदसौर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। मंदसौर में सीतामऊ में 8 लेन मार्ग पर सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में राजस्थान के बांसवाड़ा निवासी दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि चालक सहित चार लोग घायल हो गए। जिन्हें मंदसौर जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि आगे चल रहे ट्रॉले के टायर फूटने से पीछे से आ रही कार ट्रॉले में घुस गई। कार सवार कोटा से रतलाम की ओर जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार मंदसौर के सीतामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम बेलारी के यहां सुबह करीब 6 बजे गरोठ से रतलाम की ओर जा रही कार क्रमांक RJ03-UA-4681 आगे जा रहे ट्रॉले क्रमांक RJ33-जीए-4026 में पीछे से जा घुसी। इस हादसे में कार में सवार रुचि पति भोपेश उपाध्याय (55), दीपिका पति ज्योतिर्मय त्रिवेदी (42) दोनों निवासी मोहन कॉलोनी, बांसवाड़ा (राजस्थान) की मौके पर मौत हो गई। वहीं भोपेश पिता चंदूलाल उपाध्याय (57), भावनी पिता भोपेश उपाध्याय (25), नित्या पिता ज्योतिर्मय त्रिवेदी (17) सभी निवासी मोहन कॉलोनी, बांसवाड़ा (राजस्थान) व कार चालक रियाज़ पिता सिराज मुसलमान (50) निवासी बांसवाड़ा (राजस्थान) घायल हो गए। सूचना पर सीतामऊ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को मंदसौर जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां घायलों का इलाज जारी है।

लुटेरों ने सराफा व्यापारी को लहूलुहान कर लूटे 20 लाख के जेवर

छतरपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। सिविल लाइन पुलिस की निष्क्रियता के चलते न केवल चोर बल्कि अब लूटेरे भी बेखौफ होकर संगीन अपराध को अंजाम दे रहे हैं। सराफा व्यापारी से २ बाइक पर सावर 4 बदमाशों ने 15 से 20 लाख की लूट कर डाली। बदमाश इतने बेखौफ थे कि पहले व्यापारी को डंडे से मारकर लहुलुहान कर दिया फिर सोने-चांदी से भरे बैग और व्यापारी की बाइक को भी लूटकर फरार हो गए।

परिजनों की मदद से घायल जिला अस्पताल लाया गया। वारदात की सूचना मिलने पर एसपी अमित सांघी घायल का हाल जानने अस्पताल पहुंचे, वहीं उन्होंने घटना स्थल का भी निरीक्षण किया।

आबू में रात का पारा जीरो पहुंचा

अगले चार दिनों तक घने कोहरे की चेतावनी

जयपुर, 1 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में सर्दी के तेवर आने वाले दिनों में और तेज होंगे। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों में अगले चार दिनों तक घना कोहरा रहेगा। इस दौरान विजिबिलिटी 50 मीटर से कम रहने की आशंका है। इधर सर्दी के असर को बढ़ता देख प्रशासन ने रैनबसेरों का इंतजाम बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी नववर्ष पर रैनबसेरों के इंतजामों का जायजा लिया।

राजधानी जयपुर की बात करें तो यहां दिन का तापमान भी तेजी से घटा है और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री दर्ज किया गया है। सीकर में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री और अलवर में 5.8 डिग्री रहा। हालांकि यहां धूप नहीं निकलने से सर्दी का प्रभाव बढ़ गया है।

प्लास्टिक के इस्तेमाल के खिलाफ शपथ लें अधिकारी : करीमनगर कलेक्टर

करीमनगर, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर पामेला सत्पथी चाहती थीं कि जिले के अधिकारी नए साल के अवसर पर प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ शपथ लें, बिजली बचाएं और भोजन की बर्बादी से बचें।

जिला स्तरीय अधिकारियों, राजस्व संघों के सदस्यों, टीएनजीओ संघों और जनता ने सोमवार को यहां कलक्ट्रेट सभागार में नववर्ष के अवसर पर कलक्टर को बधाई दी। इस अवसर पर बोलते हुए, वह जिले में प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के अलावा घरों, कार्यालयों और बाजारों में एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को कम करना चाहती हैं। सभी जिला पदाधिकारी प्लास्टिक के उपयोग से दूर रहें।

बिजली बचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने अधिकारियों को काम पूरा होने के बाद पंखे, लाइट, एयर कंडीशन (एसी) बंद करने की सलाह दी। उन्होंने भोजन को 'परब्रम्ह स्वरूपम' करार देते हुए लोगों को खाना बर्बाद न करने की सलाह दी. लोग खाना खाने के बाद बचा हुआ खाना या तो छोड़ देते हैं या फिर फेंक देते हैं। हालाँकि, लोग यह भूल जायेंगे कि इससे दूसरों का पेट भरेगा। भोजन को फेंकने में एक मिनट लगता है लेकिन उस भोजन को पैदा करने में महीनों और साल लग जाते हैं। इसलिए लोगों को खाना बर्बाद नहीं करना चाहिए।

जिले को स्वच्छ रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कॉलेज के अलावा सभी कार्यालयों को भी साफ-सुथरा रखा जाना चाहिए और वह चाहती हैं कि अधिकारी और लोग वर्ष 2024 में इन तीन पहलों को लागू करें।

बीआरएस शासन के दौरान 1.61 लाख नौकरियां भरी गईं : विनोद कुमार

करीमनगर, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता बी. विनोद कुमार ने कहा कि तेलंगाना, जो लंबे संघर्ष के बाद हासिल किया गया था, पिछली बीआरएस सरकार द्वारा सभी मोर्चों पर विकसित किया गया था।

उन्होंने कहा कि अलग राज्य आंदोलन की मुख्य अवधारणा जैसे पानी, धन और नौकरियां बीआरएस के 10 साल के शासन के दौरान पूरी हुईं, उन्होंने कहा कि 1.61 लाख पदों के लिए भी भर्ती की गई थी। सोमवार को यहां बीआरएसवी के राज्य नेता जक्कुला नागराजू द्वारा आयोजित नए साल के जश्न में बोलते हुए, विनोद कुमार ने कहा कि सिंचाई परियोजनाएं, जो पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश में अधूरी छोड़ दी गई थीं, उन्हें बीआरएस सरकार ने सूखी ज़मीनों के लिए गोदावरी नदी के पानी की आपूर्ति के साथ पूरा किया।

2014 से पहले, राज्य में 7,000 मेगावाट क्षमता वाली बिजली उत्पादन इकाइयाँ उपलब्ध थीं। अलग राज्य बनने के बाद यह बढ़कर 25,000 मेगावाट हो गया था। आईटी के अलावा उद्योग क्षेत्र का भी बड़े पैमाने पर विकास हुआ। यह कहते हुए कि बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पिछले दस वर्षों के दौरान राज्य को विकास में शीर्ष स्थान पर ले गए थे, विनोद कुमार ने उम्मीद जताई कि नए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी राज्य को सभी मोर्चों पर आगे ले जाएंगे। इस अवसर पर मेयर वाई सुनील राव, पूर्व विधायक सुंके रविशंकर, जिला पुस्तकालय अध्यक्ष पोन्नम अनिल और अन्य उपस्थित थे।

वाईएस शर्मिला आंध्र प्रदेश की राजनीति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी : वीएच

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी से मुलाकात करते हुए पूर्व पीसीसी अध्यक्ष वी.हनुमंत राव, निज़ाम परिवार के सदस्य नवाब मीर उस्मान अली खान व अन्य।

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव ने कहा है कि वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला आंध्र प्रदेश की राजनीति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी। सोमवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए वीएच ने कहा कि उन्होंने पहले कहा था कि शर्मिला आंध्र प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन करेंगी। आंध्र प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए अच्छी खबर है। शर्मिला ने कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया है। मैंने पहले भी कहा है कि उसे वहां लड़ना होगा जहां वह हार चुकी है। शर्मिला को आंध्र प्रदेश की राजनीति में जाना चाहिए ताकि लोगों की सोच बदले। उन्होंने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश में भी कांग्रेस पार्टी को मजबूत किया जाना चाहिए। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लोग भाई-बहन की तरह एक साथ हैं। शर्मिला को एपी कांग्रेस नेताओं द्वारा आमंत्रित किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी की राज्य सरकार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी की छह गारंटी योजनाओं की घोषणा के साथ, तेलंगाना के लोगों ने बीआरएस पार्टी को करारा जवाब दिया है। सीएम रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में बीआरएस सरकार के दौरान हो रहे अन्याय को सामने लाया।

जिलों में बैठकें आयोजित करना और केसीआर के खिलाफ लोगों का विरोध सामने लाना। लोगों ने हम पर भरोसा जताया है।

वीएच ने कहा कि उन्हें तेलंगाना में अगले संसदीय चुनाव में बहुमत से सीटें जीतनी होंगी। राज्य सरकार के खिलाफ उनकी टिप्पणियों के लिए पूर्व मंत्री हरीश राव पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार ने धरणी पोर्टल के नाम पर गरीबों की जमीनें छीन लीं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में उनके द्वारा किये गये सभी वादे पूरे किये जायेंगे।

तीसरी तिमाही में अबतक के सर्वोत्तम प्रदर्शन के साथ एनएमडीसी ने नववर्ष 2024 की शुरुआत की

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खनन क्षेत्र की दिग्गज नवरत्न कंपनी एनएमडीसी ने दिसम्बर, 2023 के दौरान लौह अयस्क का 4.48 मिलियन टन उत्पादन और 4.19 मिलियन टन की बिक्री की है । दिसम्बर, 2022 की तुलना में उत्पादन में 24% की वृद्धि और बिक्री में 26% की वृद्धि दर्ज करते हुए कंपनी ने स्थापना के बाद दिसम्बर माह का अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

साथ ही, वित्तवर्ष 24 की तीसरी तिमाही में अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एनएमडीसी ने लौह अयस्क का 12.22 एमटी उत्पादन और 11.42 एमटी बिक्री की है । वित्तवर्ष 23 की तीसरी तिमाही की तुलना में उत्पादन में 15% की वृद्धि और बिक्री में 19% की वृद्धि हुई है। एनएमडीसी का दिसंबर 2023 तक संचयी उत्पादन 31.79 एमटी रहा जबकि बिक्री 31.97 एमटी रही। कंपनी के इतिहास में दिसंबर 2023 तक अब तक के सबसे अधिक संचयी उत्पादन और बिक्री के साथ, एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में तीव्र गति के साथ प्रवेश किया है। संचयी आंकड़ों में गत वर्ष की इसी अवधि से उत्पादन में 18% और बिक्री में 24% की वृद्धि देखी गई है। अपनी टीम को बधाई देते हुए अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) ने कहा, यह प्रदर्शन एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमताओं और मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण में एनएमडीसी के रणनीतिक निवेश का प्रतिफल है। तीसरी तिमाही में असाधारण प्रदर्शन के साथ वर्ष 2024 में प्रवेश करने से वित्त वर्ष के लिए उत्पादन और बिक्री लक्ष्यों को प्राप्त करने में हमारा विश्वास बढा है।

अक्षत कलश का शिव मंदिर में स्वागत

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा श्री राम लला धाम से आए अक्षत कलश का शिव मंदिर में अनेक भक्तों ने कलश के माध्यम से श्री रामजी के आशीर्वाद का आनंद लाभ उठाया। इस समय गोविंद मोदी, महावीर प्रसाद अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, पंकज संघी, प्रदीप बंसल, सतनारायण मोदी, शैलेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, सतीश बंसल, सुरेश गोयल, संजय गुप्ता, गोपाल मोदी, निश्चित अग्रवाल, श्रीमती नीता मोदी आदि उपस्थित थे।

सिरपुर विधायक ने किया पीएम कौशल विज्ञान योजना कौशल केंद्र का उद्घाटन

सिरपुर कागज़नगर, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर विधायक डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने आज कस्बे के जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रधानमंत्री कौशल विज्ञान योजना (पीएमकेवीवाई 4.0) के तहत कौशल केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार प्रत्येक कौशल केंद्र में प्रमोशन पाने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी पर लगभग 20 हजार रुपये खर्च करती है, साथ ही उन्होंने बताया कि सभी छात्रों को इस कौशल केंद्र का भरपूर उपयोग करना चाहिए, ताकि उन्हें रोजगार मिल सके। इससे पहले जवाहर नवोदय ने नए साल पर छात्रों के साथ केक काटकर जश्न मनाया। इस कार्यक्रम में नवोदय विद्यालय के प्राचार्य चक्रपाणि, शिक्षक रामैया, अनिल, राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य कोंगा सत्यनारायण, विधानसभा संयोजक गोलापल्ली वीरभद्र चारी, गोलेम वेंकटेश, मुथु अशोक, पारुपल्ली रानी, सावित्री और अन्य ने भाग लिया।

प्रमोशन से बढ़ेगी जिम्मेदारी : जिला एसपी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एसपी ने हेड कांस्टेबल से एएसआई पद पर पदोन्नत हुए पुलिसकर्मियों को बधाई दी। बी. रमेश, के. अनिल कुमार, के. चंद्र शेखर, ए. साईं बाबा, जमाल अहमद, के. जिन्हें कुमरम भीम आसिफाबाद जिला सिविल डिवीजन में हेड कांस्टेबल के रूप में कार्यरत एएसआई के रूप में पदोन्नत किया गया। जिला पुलिस मुख्यालय कार्यालय में वेणु गोपाल को जिला एसपी के. सुरेश कुमार आईपीएस ने सम्मानित किया। इस मौके पर एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग में पदोन्नति के माध्यम से स्तर के साथ-साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है। और लोगों के बीच पुलिस विभाग के प्रति विश्वास और सम्मान बढ़ाने के लिए बढ़ी हुई जिम्मेदारी को अनुशासित तरीके से संभालना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठों के आदेशानुसार कड़ी मेहनत कर पुलिस विभाग का नाम रोशन करने को कहा। उन्होंने कहा कि हर किसी को लोगों की सेवा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए और अगर आप कड़ी मेहनत करेंगे तो आपको हमेशा अच्छी पहचान मिलेगी।

नए लक्ष्य निर्धारित कर काम करना चाहिए : जिला एसपी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नए साल 2024 के मौके पर जिले के एसपी के सुरेश कुमार ने कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस मुख्यालय कार्यालय में जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ केक काटा और उन्हें नए साल की शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर एसपी ने कहा कि पिछले साल पुलिस विभाग ने न केवल कई नए विकास और उन्नत तकनीक उपलब्ध कराई, बल्कि कर्मचारियों के पूर्ण प्रदर्शन में भी बहुत योगदान दिया। कानून एवं व्यवस्था पुलिस अधिकारियों को हर समय लोगों के बीच रहने और उनकी समस्याओं को कानूनी ढांचे के भीतर हल करके लोगों के साथ अच्छे संबंध बनाने का अवसर मिलता है।

बुनियादी पुलिसिंग प्रणाली को अपनाकर लोगों से अधिक संपर्क करने का सुझाव दिया गया है। इस नये वर्ष में भी एडशैली के अधिकारी एवं कर्मचारी नये व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करें। उन्होंने कहा कि अक्सर तनावपूर्ण परिस्थितियों में किए जाने वाले काम के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने उन अधिकारियों की विशेष सराहना की जिन्होंने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव को बिना किसी अप्रिय घटना के स्वतंत्र और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए कड़ी मेहनत की।

उसी प्रकार आगामी चुनाव के लिए भी अधिकारी एवं कर्मचारी तैयार रहें।इस कार्यक्रम में आसिफाबाद डीएसपी एम. वेंकट रमण, खगजनगर डीएसपी करुणाकर, डीसीआरबी डीएसपी रमेश, जिले के सीआई और एसआई शामिल हुए।

एक विशेष कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता गोविंद राठी का सम्मान करते हुए उनके समर्थक।

आरकेपेट जेडी में श्री अयप्पा स्वामी पूजा में भाग लेते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, नितिन, मुकेश सिंह, नितिन जायसवाल, राकेश गौड़ व अन्य।

भैंसा में अयोध्या तीर्थ से आए अक्षत का घर-घर वितरण किया गया। वितरण करती हुईं फुले नगर हिंदू महिला संघ की सदस्याएं।

हिन्दू सेवा संघ तेलंगाना के मुख्यालय बालानगर में नववर्ष एवं अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर बनने के उपलक्ष्य में संघ की चेयरमैन प्रतिभा तिवारी, अध्यक्ष प्रमोद मोदी, युवा अध्यक्ष विक्रम तिवारी के तत्वावधान में स्वामी जगन्नाथ, दाउ बलराम एवं माता सुभद्रा की पूजा-अर्चना तथा अन्नदान किया गया। अवसर पर उपस्थित हैं पुजारी एवं रथयात्रा इंचार्ज नंदु, प्रमोद शर्मा, गोविन्द, राजु नायक, कालिया एवं अन्य।

सिखवाल ब्राह्मण समाज वैश्विक संगठन द्वारा काचीगुडा रेल्वे स्टेशन से 13 दिन की श्रृंगऋषि महोत्सव, भागवत कथा एवं विभिन्न तीर्थस्थालों की यात्रा के लिए लगभग 300 से अधिक धर्मप्रेमियों ने शारदा पीठ श्रृंगेरी धाम (कर्नाटक) के लिए प्रस्थान किया।

8 ग्राम एम्फेटामाइन ड्रग जब्त, महिला ड्रग सप्लायर समेत 5 गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने सोमवार को एक महिला ड्रग सप्लायर को चार अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से आठ ग्राम एम्फेटामाइन दवा जब्त की। गिरफ्तार किए गए लोगों में संतोषनगर निवासी आयशा फिरदौस (21), चदरघाट के क़िज़रुद्दीन अनस (21), मोहम्मद अफ्फान (21), अयाज़ खान (21) और शाहबाज़ शरीफ (21) शामिल हैं, जो सैदाबाद के निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक, आयशा मुंबई गई और गिरफ्तार किए गए चार अन्य लोगों के लिए ड्रग लेकर आई। महिला नियमित रूप से विभिन्न राज्यों का दौरा कर रही थी और ड्रग्स खरीदकर शहर में ग्राहकों को बेच रही थी।

महिला गिरफ्तार किए गए चारों व्यक्तियों की नियमित आपूर्तिकर्ता है। एक अधिकारी ने कहा, महिला से ड्रग्स खरीदने वाले कुछ और लोगों की पहचान की गई है और उनके खिलाफ भी जल्द ही कार्रवाई शुरू की जाएगी। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

नेताजीनगर सिद्धार्थगुड़ी मंदिर में आयोजित अयप्पा स्वामी पड़ी पूजा व अन्नदानम कार्यक्रम में भागलेते हुए शशि स्वामी, बेटू, अर्जुन, किरण, रंजीत, नानू, रामू स्वामी व जेपी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

जापान में भूकंप ...

रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कॉन्टिनेंटल प्लेट्स के साथ ओशियनिक टेक्टॉनिक प्लेट्स भी मौजूद हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है।

इनके असर से ही सुनामी आती है और वोल्केनो भी फटते हैं।

दुनिया के 90 प्रतिशत भूकंप इसी रिंग ऑफ फायर में आते हैं। यह क्षेत्र 40 हजार किलोमीटर में फैला है। दुनिया में जितने सक्रिय ज्वालामुखी हैं, उनमें से 75 प्रतिशत इसी क्षेत्र में हैं। 15 देश- जापान, रूस, फिलीपींस, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, कनाडा, अमेरिका, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, कोस्टा रिका, पेरू, इक्वाडोर, चिली, बोलिविया रिंग ऑफ फायर की जद में हैं।

हर साल दुनिया में कई भूकंप आते हैं, लेकिन इनकी तीव्रता कम होती है। नेशनल अर्थक्वेक इंफॉर्मेशन सेंटर हर साल करीब 20,000 भूकंप रिकॉर्ड करता है। इसमें से 100 भूकंप ऐसे होते हैं जिनसे नुकसान ज्यादा होता है। भूकंप कुछ सेकेंड या कुछ मिनट तक रहता है। अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा देर तक रहने वाला भूकंप 2004 में हिंद महासागर में आया था। यह भूकंप 10 मिनट तक रहा था।

इसरो का एक्सपोसैट ...

ये पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंट मॉड्यूल के रूप में इस्तेमाल होगा।

इसरो चेयरमैन एस सोमनाथ ने बताया कि रॉकेट की चौथी स्टेज को एक्सपेरिमेंट के लिए 650किमी ऊपर रखा जा सकता था, लेकिन इससे स्पेस में डेब्री (कचरा) क्रिएट होती। इसी कारण हम चौथी स्टेज को 350किमी की ऑर्बिट में लेकर आए, ताकि यह एक्सपेरिमेंट के बाद नष्ट हो जाए।

वहीं उन्होंने इस साल के मिशन्स को लेकर कहा कि 2024 का साल गगनयान का होगा। इस साल गगनयान मिशन की 2 टेस्ट फ्लाइट होगी, जिसके बाद अनमैन्ड मिशन प्लान किया गया है। इसके अलावा कई सारे अन्य मिशन है। इसरो के लिए ये साल काफी हेक्टिक होने वाला है।

हमारे वैज्ञानिकों की बदौलत 2024 की शानदार शुरूआत हुई। यह लॉन्च हमारे स्पेस सेक्टर के लिए जबरदस्त न्यूज है और यह इस क्षेत्र में भारत की क्षमता को बढ़ाएगा। देश को अभूतपूर्व ऊंचाई तक ले जाने के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और संपूर्ण अंतरिक्ष जगत को बहुत शुभकामनाएं।

3 महीने में ...

यह अपने आप में रिकॉर्ड होगा। राज्य ने 2022-23 में केवल 26,849 करोड़ रुपये कर्ज लिया था। यानी अगले तीन माह में वह पिछले पूरे साल के कर्ज से भी 39.68 प्रतिशत ज्यादा कर्ज ले रही है। कर्नाटक तो पिछले पूरे साल से 127 प्रतिशत राशि केवल तीन माह में उठा लेगी। छत्तीसगढ़ ने तो पिछले साल कर्ज ही नहीं लिया था। राज्य सरकार ने पुराना कर्ज ही 2,227 करोड़ रुपये चुकाया था। इस बार वह तीन माह में 11,000 करोड़ की बड़ी राशि बतौर कर्ज लेने जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

2024 में इंडियन स्पोर्ट्स के टॉप चैलेंजेस: इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया से मुश्किल टेस्ट सीरीज; मेंस-विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप और ओलिंपिक्स भी इसी साल

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। एक जनवरी 2024, साल का पहला ही दिन और इंटरनेशनल क्रिकेट में आज कोई मुकाबला नहीं होने वाला। हालांकि इस पूरे साल स्पोर्ट्स फैंस के लिए क्रिकेट और स्पोर्ट्स के बहुत से बड़े इवेंट्स होंगे।

इंडियन फैंस के लिए तो साल 2024 बहुत ज्यादा खास हो सकता है। क्योंकि इसी साल टीम इंडिया क्रिकेट में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5-5 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। 2024 में मेंस और विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के साथ अंडर-19 वर्ल्ड कप भी होना है।

2024 में ही सबसे बड़े मल्टिस्पोर्ट इवेंट ओलिंपिक गेम्स भी आयोजित किए जाएंगे। जिसमें 32 स्पोर्ट्स के 10 हजार से ज्यादा एथलीट्स हिस्सा लेंगे। इस बार भारत के पास 10 मेडल से ज्यादा जीतने की चुनौती है। जानते हैं नए साल में इंडियन स्पोर्ट्स को किन-किन चैलेंजेस का सामना करना है।

1. विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप सितंबर में

इंडिया विमेंस टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी-20 की सीरीज खेल रही है। टेस्ट में भारत को, जबकि वनडे में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। अब 3 टी-20 की सीरीज 5 से 9 जनवरी तक चलेगी। इसी फॉर्मेट का वर्ल्ड कप भी इसी साल सितंबर-अक्टूबर के दौरान बांग्लादेश में खेला जाएगा।

इंडिया विमेंस टीम पिछले कुछ सालों से टी-20 वर्ल्ड कप में अच्छा परफॉर्म कर रही है। टीम 2018 से लगातार 3 बार नॉकआउट में पहुंची। 2020 में तो टीम रनर-अप भी रही, इस बार भारत से वर्ल्ड कप जीतने की उम्मीद रहेगी। विमेंस टीम इंडिया साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज से लिमिटेड ओवर्स की सीरीज भी खेलेगी।

2. मेंस टीम इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज खेलेगी

मेंस क्रिकेट टीम नए साल का पहला मुकाबला ही साउथ अफ्रीका से टेस्ट के रूप में खेलेगी। 2 टेस्ट की सीरीज में टीम इंडिया 1-0 से पिछड़ रही है। 3 जनवरी से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट को जीतकर टीम नए साल की शुरुआत जीत के साथ कर सकती है।

इंग्लैंड से 5 मैचों की सीरीज 25 जनवरी से शुरू हो कर 11 मार्च तक चलेगी। इंग्लैंड 5 टेस्ट खेलने के लिए भारत आएगी। दोनों टीमों के बीच भारत में 3 साल बाद टेस्ट सीरीज होगी, 2021 में पिछली सीरीज टीम इंडिया ने 3-1 के अंतर से जीती थी। इस बार बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड आएगी। स्टोक्स की कप्तानी में टीम अपने आक्रामक बैटिंग अप्रोच से न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज हरा चुकी है। ऐसे में टीम इंडिया के लिए इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज साल का पहला बड़ा चैलेंज रहेगा।

भारत इस साल श्रीलंका से उन्हीं के घर में वनडे और टी-20 की सीरीज खेलेगा। फिर बांग्लादेश और न्यूजीलैंड से अपने घर में टेस्ट सीरीज रहेगी, जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। इन्हें जीत कर टीम लगाता तीसरी बार डब्ल्यूटीसी के फाइनल में अपनी दावेदारी मजबूत कर सकती है।

साल के आखिर में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट की सीरीज खेलने जाएगी। सेना (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में ऑस्ट्रेलिया एकमात्र ऐसी टीम है जो पिछले 10 साल से भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है। टीम को आखिरी जीत 2014 में अपने ही होम ग्राउंड पर मिली थी। तब से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 4 सीरीज 2-1 के अंतर से हरा दी। इनमें 2 भारत में और 2 ही ऑस्ट्रेलिया में रही। ऐसे में 5 टेस्ट की सीरीज भारत के सा थ - सा थ ऑस्ट्रेलिया के लिए भी चैलेंजिंग हो सकती है।

साल 2024 के टॉप स्पोर्टिंग इवेंट्स

वेंट	कब	खेल
मलेशिया ओपन	9-14 जनवरी, कुआलालम्पुर	बैडमिंटन
ऑस्ट्रेलियन ओपन	14-28 जनवरी, मेलबर्न	टेनिस
AFC एशियन कप	12 जनवरी से 10 फरवरी, कतर	फुटबॉल
भारत-पाक (डेविस कप)	3-4 फरवरी, इस्लामाबाद	टेनिस
विमेंस प्रीमियर लीग	फरवरी-मार्च	क्रिकेट
ऑल इंग्लैंड ओपन	12-17 मार्च, लंदन	बैडमिंटन
IPL	मार्च-मई	क्रिकेट
फ्रेंच ओपन	20 मई से 9 जून, पेरिस	टेनिस
यूरो कप	14 जून से 14 जुलाई, जर्मनी	फुटबॉल
कोपा अमेरिका कप	20 जून से 14 जुलाई, फ्लोरिडा	फुटबॉल
ओलिंपिक्स स्पोर्ट्स	26 जुलाई से 11 अगस्त, पेरिस	मल्टी
थॉमस कप	27 अप्रैल से 5 मई, चीन	बैडमिंटन
विंबलडन	1-14 जुलाई, लंदन	टेनिस
US ओपन	26 अगस्त से 8 सितंबर, USA	टेनिस

3. टी-20 वर्ल्ड कप जून में होगा

मेंस क्रिकेट इवेंट में साल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में होगा। टूर्नामेंट 4 से 30 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। पहली बार आईसीसी के इस टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। 5-5 टीमों को 4 अलग ग्रुपों में बांटा जाएगा, यहां से सुपर-8 की टीमें तय होंगी। इस ग्रुप की 4 टॉप टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जिसे जीतने वाली टीमें 30 जून को फाइनल खेलेंगी।

भारत ने 2007 में पहला ही टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। लेकिन तब से टीम इस फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में चैंपियन नहीं बन सकी। टीम इंडिया 2014 में एक बार रनर-अप रही, जबकि 2016 और 2022 में टीम को सेमीफाइनल से बाहर होना पड़ा। टीम ने 2013 के बाद से कोई ICC ट्रॉफी भी नहीं जीती। टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर अपने आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म करना चाहेगी लेकिन उनके सामने इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टॉप टीमों की चुनौती रहेगी।

4. मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप भी इसी साल

मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप साल 2024 का पहला आईसीसी टूर्नामेंट रहेगा। 19 जनवरी से साउथ अफ्रीका में खेला जाने वाला इवेंट 11 फरवरी तक चलेगी। इसमें 16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें 4-4 टीम के 4 ग्रुप में बांटा गया है। हर 2 साल में होने वाले टूर्नामेंट का इस बार 15वां एडिशन होगा।

5. फरवरी से मई तक चलेगा डब्ल्यूपीएव और आईपीएल

भारत का अपना मेंस और विमेंस फ्रेंचाइजी क्रिकेट टूर्नामेंट इस साल फरवरी से मई तक चलेगा। विमेंस प्रीमियर लीग के 20 फरवरी के बाद शुरू हो कर मार्च के दूसरे सप्ताह तक खत्म होने की संभावनाएं हैं। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग के मार्च के आखिरी सप्ताह से मई के दूसरे सप्ताह तक खत्म होने की संभावनाएं हैं। फिलहाल दोनों ही टूर्नामेंट की तारीखें सामने नहीं आई हैं।

6. ओलिंपिक गेम्स 2024

दुनियाभर के खेल और एथलीट्स का सबसे बड़ा ग्लोबल मल्टी स्पोर्ट्स ओलिंपिक्स भी इसी साल होगा। इवेंट 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में आयोजित होंगे। इस बार 32 स्पोर्ट्स के 329 इवेंट्स खेले जाएंगे, जिसमें 10,500 से ज्यादा एथलीट्स पार्टिसिपेट करेंगे। भारत के एथलीट्स हॉकी, बैडमिंटन, रेसलिंग, शूटिंग, बॉक्सिंग और एथलेटिक्स जैसे इवेंट्स में मेडल जीतने की दावेदारी पेश करेंगे।

भारत के पास 10 मेडल जीतकर अपना बेस्ट प्रदर्शन करने का चैलेंज है। देश ने 2021 के टोक्यो ओलिंपिक में एक गोल्ड समेत 7 मेडल जीतकर ओलिंपिक में अपना बेस्ट प्रदर्शन किया था। तब नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर देश को 13 साल बाद ओलिंपिक गेम्स का स्वर्ण पदक दिलाया था। उनसे पहले 2008 में अभिनव बिंद्रा ने शूटिंग में गोल्ड जीता था।

7. यूरो कप भी इसी साल

दुनियाभर के टॉप स्पोर्ट्स पर नजर डालें तो फुटबॉल का यूरो कप इसी साल 14 जून से 14 जुलाई तक जर्मनी में होगा। इसी दौरान कोपा अमेरिका कप भी 20 जून से 14 जुलाई तक फ्लोरिडा में आयोजित किया जाएगा। फुटबॉल में भारत एएफसी एशियन कप में हिस्सा लेगा, जिसमें कतर और ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े देश भी हिस्सा लेंगे। टेनिस में 3 से 4 फरवरी के बीच भारत और पाकिस्तान में डेविस कप का मुकाबला पाकिस्तान के इस्लामाबाद शहर में होगा। टेनिस के चारों ग्रैंड स्लैम इस साल भी अपने समय पर होंगे।

पहले मैच में हार के बाद एक्शन में राहुल द्रविड़

बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को दिए गुरू मंत्र, केपटाउन में गजब होने वाला है!

केपटाउन, 1 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका इस सपने के साथ गई थी कि वह इस बार यहां टेस्ट सीरीज जीतेगी और इतिहास रचेगी. टीम इंडिया को हालांकि पहले टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ भारत का यहां पहली टेस्ट सीरीज जीतने का सपना टूट गया. अब टीम इंडिया ज्यादा से ज्यादा सीरीज बराबर करा सकती है. ये दो मैचों की टेस्ट सीरीज है जिसका दूसरा मैच तीन जनवरी से केपटाउन में शुरू हो रहा है. इस मैच को लेकर टीम इंडिया काफी गंभीर है और टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने नेट्स सेशन पर कुछ खिलाड़ियों के साथ खास तौर पर बात की.

राहुल द्रविड़ इस दौरे के लिए काफी गंभीर थे. इस बात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि टीम इंडिया जब साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रही थी तब टेस्ट टीम के अधिकतर खिलाड़ी इंटरा-स्क्वायड मैच खेल रहे थे. वनडे टीम में कोचिंग स्टाफ भी अलग था क्योंकि द्रविड़ की कोचिंग टीम टेस्ट टीम के साथ थी और तैयारी पर जोर दे रहे थी.

इन दो खिलाड़ियों पर ध्यान दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम इंडिया केपटाउन पहुंच गई है. टीम ने नेट्स सेशन किया. इसमें टीम के हेड कोच द्रविड़ कुछ खिलाड़ियों के साथ खास तौर पर बात करते नजर आए. बीसीसीआई ने टीम के नेट्स सेशन का एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें साफ देखा जा सकता है कि द्रविड़ सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के साथ बात कर रहे हैं. द्रविड़ ने इन दोनों के साथ अच्छी-खासी बातचीत की. प्रसिद्ध कृष्णा ने सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में डेब्यू किया था लेकिन वह प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे. उन्होंने पहली पारी में 20 ओवर गेंदबाजी की थी और 93 रन देकर सिर्फ एक विकेट ले पाए थे. वहीं जायसवाल का बल्ला भी ज्याद चला नहीं था. पहली पारी में उनके बल्ले से 17 रन निकले थे तो वहीं दूसरी पारी में उन्होंने पांच रन बनाए थे. द्रविड़ ने उनसे भी बात की.

साउथ अफ्रीका में गेंदबाजी करना और बल्लेबाजी करना दोनों दूसरी टीमों के लिए काफी मुश्किल होता है, खासकर उपमहाद्वीप की टीमों के लिए. द्रविड़ साउथ अफ्रीका कई बार आए हैं और इसलिए वह अपने अनुभव से खिलाड़ियों को बता रहे हैं कि यहां कैसा खेल खेला जाए. गेंदबाजों को यहां अलग लाइन-लैंग्थ के साथ गेंदबाजी करनी होती है. वहीं बल्लेबाजों के लिए साउथ अफ्रीका की उछाल भरी पिचों से तालमेल बिठाने में परेशानी होती है. पहले मैच में ये साफ देखा गया था और इसी कारण भारत को इस मैच में पारी से हार का सामना करना पड़ा था.

ये 6 खिलाड़ी इस साल रहेंगे इतिहास की सबसे बड़ी उम्मीद

नीरज चोपड़ा, निखत, ऐश्वर्य प्रताप, पंत और सात्विक-चिराग की जोड़ी पर होगी नजरें

नई दिल्ली, 1 जनवरी (एजेंसियां)। इस साल दो आईसीसी टूर्नामेंट और ओलिंक गेम्स है। 26 जुलाई से 11 अगस्त तक भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलिंपिक में दावेदारी ठोकेंगे। वहीं आईसीसी के दो बड़े टूर्नामेंट है। जून में पुरुष और सितंबर-अक्टूबर में महिला टी-20 वर्ल्ड कप होने हैं। पहली बार अमेरिका में आईसीसी इवेंट होने हैं। ऐसे में इस साल 6 खिलाड़ियों जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा, मुक्केबाज निखत जरीन, शूटर ऐश्वर्यप्रताप सिंह तोमर, क्रिकेटर ऋषभपंत और बैडमिंटन डबल्स में सात्विक-चिराग पर सबकी नजरें रहेंगी।

पेरिस गोल्ड के साथ 90 मीटर पार का लक्ष्य

ओलिंपिक चैम्पियन जैवलिन थ्रोअर नीरज का लक्ष्य गोल्डन डबल बनाने का होगा। 26 साल के नीरज फिलहाल द. अफ्रीका में ट्रेनिंग कर रहे हैं। वे 85 दिन तक अफ्रीका में रहेंगे। उसके बाद ओलिंपिक की तैयारी के लिए यूरोप जाएंगे। वे ओलिंपिक से पहले 90 मीटर थ्रो पार करना चाहते हैं।

इस साल डबल गोल्ड मेडल जीतने पर निखत की नजरें

दो बार की वर्ल्ड चैम्पियन बॉक्सर निखत के पास इस साल दो बड़े टूर्नामेंट में गोल्ड जीतने का मौका रहेगा। पहले कजाखस्तान में वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में उतरेंगी, जहां वे गोल्डन हैट्रिक बना सकती हैं। लाइट फ्लाईवेट कैटेगरी की निखत कह चुकी हैं कि ओलिंपिक गोल्ड उनका सपना है, जिसके लिए पेरिस में उतरेंगी।

एशियाड के सबसे सफल शूटर का अब ओलिंपिक का सपना

22 साल के युवा निशानेबाज ऐश्वर्य एशियन गेम्स में दो गोल्ड, एक सिल्वर, एक ब्रॉन्ज लेकर सबसे सफल शूटर रहे। एंड्यूरेंस पावर बनाए रखने के लिए टेबल टेनिस की मदद लेने वाले ऐश्वर्य का सपना ओलिंपिक गोल्ड जीतना है। एयर राइफल शूटर 2023 में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना चुके हैं।

बैडमिंटन का पहला गोल्ड दिला सकती है सबसे सफल जोड़ी

सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने साल 2023 में एशियन गेम्स, एशियन चैम्पियनशिप में गोल्ड जीते। इसके अलावा 3 ओपन टूर्नामेंट में भी चैम्पियन बनी।वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-1 बन चुकी यह जोड़ी इस समय जिस फॉर्म में है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि यह जोड़ी देश को बैडमिंटन का पहला ओलिंपिक गोल्ड दिला सकती है।

डेढ़ साल बाद करेंगे मैदान पर वापसी

2022 दिसंबर में कार दुर्घटना में बुरी तरह घायल हुए रिषभ पंत को मैदान से दूर हुए 1 साल से भी ज्यादा समय हो चुका है।

नए साल में आईपीएल से वापसी करेंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें रिटेन किया है और बतौर कप्तान उनका 2.0 वर्जन भी नजर आ सकता है। आईपीएल से टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी करेंगे।

अमेरिकन प्रीमियर लीग में आयोजकों से विवाद

पुलिस ने अंपायर्स को खदेड़ा, स्टेडियम मालिक और बैटिंग टीम के खिलाड़ियों ने बारी-बारी से अंपायरिंग की

पीयरलैंड, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की घरेलू टी20 लीग अमेरिकन प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन के सेमीफाइनल में आयोजकों और अंपायर्स के बीच झड़प हो गई, जिससे पुलिस बुलाने की नौबत आ गई। पुलिस ने बहस के बाद अमेरिका में आईसीसी पैनल के अंपायर विजय प्रकाश समेत 3 मैच ऑफिशियल को मैदान के बाहर खदेड़ दिया। मैच शुरू होने में आधे घंटे से ज्यादा की देरी हुई। 10 ओवर के मैच में स्टेडियम मालिक के भाई और बल्लेबाजी कर रही टीम के खिलाड़ियों ने बारी-बारी से अंपायर की भूमिका निभाई।

लीग का दूसरा सीजन 19 दिसंबर से टेक्सास में चल रहा है। भारत, पाकिस्तान, विंडीज, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका के नाम वाली 7 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अंपायर्स से मिली जानकारी के मुताबिक, लीग ने उन्हें 10 दिन के काम के बदले मिलने वाले लगभग 12.48 लाख रुपए का भुगतान नहीं किया।

अपना खर्च भी उन्हें खुद ही वहन करना पड़ रहा था। ऐसे में उन्होंने आगामी मैचों में अंपायरिंग करने से मना कर दिया। वहीं, लीग ने अंपायरों पर सेमीफाइनल मैच रोककर अतिरिक्त भुगतान के लिए ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। लीग के अनुसार, अंपायर 25 लाख रुपए का एडवांस मिलने के बाद भी ज्यादा पैसों की मांग कर रहे थे, जिससे पुलिस बुलानी पड़ी। पिछले सीजन में कप्तानी श्रीसंत, सुहैल तनवीर, नबी, बेन कटिंग जैसे नामी खिलाड़ियों ने की थी, जबकि क्रिस गेल की कप्तानी वाली प्रीमियम विंडीज की टीम फाइनल में प्रीमियम पाकिस्तान को हराकर चैम्पियन बनी थी। तब टूर्नामेंट के सभी मुकाबले स्थानीय बेसबॉल मैदान पर खेले गए थे।

अब सीजन-2 के मैच टेक्सास स्थित मूसा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे हैं। लीग के मार्केटिंग पोस्टर में भारत-पाकिस्तान मैच को आकर्षक बनाने के लिए 'सुपर शनिवार' कहा गया है।

यूएई ने किया उलटफेर

साल 2023 के आखिरी दिन दूसरे टी-20 में अफगानिस्तान को हराया

शारजाह, 1 जनवरी (एजेंसियां)। शारजाह में खेले जा रहे टी-20 सीरीज में यूएई ने साल 2022 के आखिरी दिन बड़ा उलट फेर किया। यूएई ने दूसरे टी-20 में अफगानिस्तान को 11 रन से हराया। इस जीत के साथ ही यूएई ने 3 मैच की टी-20 सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। पहला मुकाबला अफगानिस्तान ने 72 रन से जीता था। यूएई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए थे। वहीं 167 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की पूरी टीम 19.5 ओवर में 155 रन ही बना सकी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी रही। यूएई ने पावर प्ले यानी 6 ओवर के बाद बिना विकेट खोए 55 रन बना लिए थे। ओपनर मुहम्मद वसीम और आर्यन लाकड़ा ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 52 गेंदों पर 72 रन की साझेदारी हुई। आर्यन लाकड़ा ने 47 गेंदों पर नाबाद 63 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 4 छक्के भी जड़े। वहीं कैप्टन मुहम्मद वसीम ने 32 गेंदों पर 53 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 4 चौके और 6 छक्के जड़े। वसीम के आउट होने के बाद कोई भी बल्लेबाज आर्यन का साथ नहीं दे सका।

6 बैटर दहाई का आंकड़ा नहीं पार कर पाए। इस तरह यूएई ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 166 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह ओमजई और कैस अहमद ने दो-दो विकेट लिए। ओमरजई ने 4 ओवर में 35 रन देकर 2 विकेट और अहमद ने 3 ओवर में 15 रन देकर यूएई के दो खिलाड़ियों को पवेलियन की राह दिखाई। वहीं फजल फारूकी ने 4 ओवर में 25 रन देकर 1 और मोहम्मद नबी ने 2 ओवर में 14 रन देकर 1 विकेट लिए।

अब किसी को नहीं मिलेगी 10 नंबर की जर्सी

खेल डेस्क, 1 जनवरी (एजेंसियां)। अर्जेंटीना ने अपने फुटबॉल कप्तान लियोनल मेसी को बड़ा सम्मान देने का निर्णय किया है। 2022 में टीम को विश्व कप दिलाने वाले मेसी की 10 नंबर की जर्सी को अब कोई खिलाड़ी भविष्य में नहीं पहन सकेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने राष्ट्रीय टीम में 10 नंबर की जर्सी को रिटायर करने का फैसला किया है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना की टीम ने कतर में खेले गए विश्व कप के फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराया था।

स्पैनिश दैनिक मार्का ने अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष क्लाउडियो 'चिक्की' तापिया के हवाले से लिखा, "जब मेसी राष्ट्रीय टीम से रिटायर होंगे, तो उनके बाद किसी और को 10 नंबर की जर्सी पहनने की अनुमति नहीं मिलेगी।

ऑस्ट्रेलियाई बैटर वॉर्नर का टेस्ट-वनडे से संन्यास

सिडनी, 1 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने टेस्ट के साथ ही वनडे से संन्यास लेने की घोषणा की है। वह 3 जनवरी से पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेलेंगे। वॉर्नर के वनडे से संन्यास लेने की पुष्टि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी अपनी ऑफिशियल आईडी से की। वॉर्नर ने सोमवार 1 जनवरी को सिडनी में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में इमोशनल होते हुए कहा कि मैं निश्चित रूप से वनडे क्रिकेट से भी संन्यास ले रहा हूं। यह कुछ ऐसा था, जो मैंने वनडे कप के दौरान कहा था। वनडे वर्ल्ड कप भारत में जीतना बड़ी उपलब्धि है।

'मैं आज उस फॉर्मेट से संन्यास लेने का फैसला लूंगा, जो मुझे दुनियाभर में अन्य लीगों में खेलने की अनुमति देता है और वनडे टीम को थोड़ा आगे बढ़ने में मदद करता है। मुझे पता है कि चैंपियंस ट्रॉफी आ रही है। अगर मैं दो साल के समय में अच्छा क्रिकेट खेल रहा हूं और उन्हें किसी की जरूरत है तो मैं मौजूद रहूंगा।'

वॉर्नर ने वनडे और टेस्ट से संन्यास की घोषणा टी-20 पर ध्यान लगाने के लिए की है। जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वह ऑस्ट्रेलिया टीम का हिस्सा हो सकते हैं। वहीं, वह पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद बिग बैश में सिडनी थंडर के लिए कम से कम चार मैच खेलेंगे। इसके बाद वह आईएलटी 20 में दुबई कैपिटल्स के लिए खेल सकते हैं। आईएलटी 20 लीग में खेलने के लिए उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से एनओसी के लिए अनुरोध किया है। इसमें दुबई टीम का पहला मैच 21 जनवरी को खेला जाएगा।

भारत में पिछले साल खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया के टॉप स्कोरर थे। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप के खेले 11 मैचों में 48.63 की औसत से 535 रन बनाए।

3 दिनों में 40 लाख प्रजा पालन आवेदन प्राप्त

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजा पालन के तहत तेलंगाना सरकार की छह-गारंटी योजना के बारे में जानकारी देते हुए मुख्य सचिव शांति कुमारी ने बताया कि तीन दिनों में 40,57,592 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदन प्रक्रिया 28 दिसंबर को शुरू हुई और आधिकारिक छुट्टियों को छोड़कर, 6 जनवरी तक खुली रहेगी। शांति कुमारी ने बताया कि मुख्य सचिव के निर्देशों के अनुसार, 3,868 ग्राम पंचायतों और 8,697 नगरपालिका वार्डों ने आवेदन संग्रह प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक आयोजित किया। शुक्रवार को, आवेदन जमा करने के दूसरे दिन, अतिरिक्त 812,862 आवेदन आए, जो जनता के बीच उत्साह को दर्शाता है। प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए, मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी किए। कार्यालयों में सुलभ आवेदन पत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया और एक सहज जमा अनुभव सुनिश्चित किया।जैसे-जैसे गति जारी रही, आवेदन अवधि के तीसरे दिन शनिवार को उल्लेखनीय 18,29,107 आवेदन दर्ज किए गए। ये आवेदन 1,991 गांवों और 1,877 नगरपालिका वार्डों से आए थे।

किसान, युवा और महिलाओं के लिए वर्ष 2024 समर्पित : रेवंत

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। सीएम ने पत्र के माध्यम से प्रदेश की जनता को संदेश दिया। यह वर्ष किसानों, महिलाओं और युवाओं को समर्पित किया जा रहा है। सीएम रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना में हर योग्य व्यक्ति को कल्याणकारी लाभ मिलेगा।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि आप सभी के सहयोग से हमने राज्य में जनता की सरकार स्थापित की है। हमने प्रतिबंधों और लोहे की बाड़ को हटा दिया है। हमने लोगों को शासन का हिस्सा बनाया है। हमने लोकतंत्र की बहाली और नागरिकों को स्वतंत्रता के वादे को कायम रखा है। हमने 6 में से 2 गारंटी पहले ही लागू कर दी हैं। बाकी गारंटी हम नए साल में लागू करने के लिए तैयार हैं। सरकार का कल्याण हर उस व्यक्ति को मिलना चाहिए जो इसके हकदार हैं।

हमारी सरकार की आकांक्षा है कि राज्य विकास में सबसे आगे रहे। हम किसानों के मामले में दिए गए हर शब्द के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम पिछले शासनकाल में पंगु हो चुकी शासन प्रणाली को पूरी तरह से साफ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नये वर्ष के अवसर पर राजभवन में राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन से मुलाकात कर बधाई देते हुए सीएम ए. रेवंत रेड्डी व अन्य।

आप सभी के सहयोग से हमने राज्य में जनता की सरकार स्थापित की

लोगों के शासन के अनुसार इस प्रणाली को बहाल करने की क्षमता हमारे पास है। लोगों की आवाज सुनने के लिए प्रजा भवन में प्रजा वाणी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। कार्यकारी प्रणाली में मानवता।

हम जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि हम राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। हमने एक श्वेत पत्र के माध्यम से आर्थिक और बिजली क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति आपके सामने रखी है।

हम जल्द ही इस पर एक श्वेत पत्र भी जारी करेंगे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पिछली सरकार में जो भ्रष्टाचार हुआ, उसके खिलाफ हम निश्चित रूप से कार्रवाई करेंगे। हम तेलंगाना के लोगों की संपत्ति लौटाएंगे, जिनका शोषण किया गया।

नये साल की बधाई के लिए राज्यपाल से मिले सीएम रेवंत

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने नए साल के अवसर पर सोमवार को यहां राजभवन में राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को गुलदस्ता भेंट किया और नये साल की शुभकामनाएं दीं। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, मंत्री सीताक्का और कोंडा सुरेखा और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी राज्यपाल से मुलाकात की और नए साल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने तेलंगाना के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह सोमवार को लगभग 3,500 लोगों से मिलीं।

उन्होंने कहा कि मैंने पहले लोगों को सुझाव दिया था कि वे मेरे स्वागत के लिए गुलदस्ते और शॉल न लाएं, बल्कि छात्रों को देने के लिए नोटबुक लेकर आएं। आज कई लोगों ने मुझे नोटबुक देकर स्वागत किया है। मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे लोगों के प्यार और स्नेह को नहीं भूलना चाहिए।

तमिलिसाई सुंदरराजन ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने राज्यपाल के नाम पर एक व्हाट्सएप चैनल लॉन्च किया है और राजभवन से संबंधित सभी अपडेट चैनल पर होंगे। उन्होंने तेलंगाना के लोगों को इस साल हर काम में सफल होने की सलाह दी।

नए साल पर मंदिरों में रही भक्तों की भारी भीड़

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मंदिरों में सोमवार को नए साल के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल रहा। नए साल के पहले दिन विशेष पूजा-अर्चना करने के लिए भक्त तड़के से ही मंदिरों में उमड़ पड़े। तेलंगाना के यादाद्री, वेमुलावाड़ा, कोमरेली, भद्राद्रि, भद्रकाली और बसारा सहित कई महत्वपूर्ण मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। भक्तों ने प्रसिद्ध चिलकुर बालाजी मंदिर में पूजा करने और आशीर्वाद लेने के लिए कतारें लगाईं। चूंकि मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई, इसलिए अधिकारियों ने आगंतुकों के लिए बैरिकेड्स और पीने के पानी की विशेष व्यवस्था की। मंदिर में भारी भीड़ होने के कारण श्रद्धालुओं की परिक्रमा पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इस बीच, भक्त यदागिरि के एक अन्य प्रसिद्ध मंदिर सी लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में भी उमड़े। भक्तों को निःशुल्क दर्शन के लिए अपनी बारी आने में चार घंटे लगे। मंदिर में विशेष दर्शन में दो घंटे लगे। इसी तरह वारंगल स्थित भद्रकाली मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। आसपास के जिलों से भी लोग इष्टदेव के दर्शन के लिए मंदिर आये।

हैदराबाद में, नए साल की पूर्व संध्या पर मंदिरों में लोगों की भीड़ उमड़ने से जुबली हिल्स और बंजारा हिल्स इलाकों में कुछ समय के लिए यातायात रुक गया। जुबली हिल्स स्थित टीटीडी और पेद्दाम्मा मंदिरों, पुरी के जगन्नाथ मंदिर और बंजारा हिल्स के इस्कॉन मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी। जुबली हिल्स में रोड नंबर 1, 36 और 45 और बंजारा हिल्स में रोड नंबर 1, 2, 3 और 10 पर भारी ट्रैफिक जाम देखा गया।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को दिसंबर में 100% से अधिक संरक्षण प्राप्त हुआ

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की भारी लोकप्रियता ने दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) में एक विशेष श्रेय प्राप्त किया है, वर्ष 2023 में दक्षिण मध्य रेलवे में शुरू की गई सभी चार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में दिसंबर 2023 में 100 प्रतिशत से अधिक संपक्षण पंजीकरण हुए हैं। इसमें मूल्य जोड़ते हुए, एससीआर में जालना से मुंबई सीएसएमटी तक एक और वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू की गई है और इस ट्रेन का नियमित संचालन 1 जनवरी, 2024 से मुंबई से शुरू होता है। चार वंदे भारत (वीबी) की सूची एससीआर में ट्रेनें और उनकी अधिभोग इस प्रकार है-

जनवरी 2023 में शुरू की गई 16 कोचों वाली सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम वीबी एक्सप्रेस लगातार 100% से अधिक यात्रियों के साथ चल रही है। दिसंबर 2023 में सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम की ऑक्यूपेंसी 134% रही है, जबकि विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद एक्सप्रेस की ऑक्यूपेंसी 143% रही है।

अप्रैल 2023 में शुरू की गई आठ कोचों वाली सिकंदराबाद-तिरुपति वीबी एक्सप्रेस भी अपनी शुरुआत के बाद से लगातार पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रही है। भारी प्रतिक्रिया के कारण, 17 मई, 2023 से इस ट्रेन के लिए कोचों को बढ़ाकर 16 कोच कर दिया गया है। दिसंबर में सिकंदराबाद-तिरुपति एक्सप्रेस की ऑक्यूपेंसी 114% थी, जबकि तिरुपति-सिकंदराबाद एक्सप्रेस 105% है।

सितंबर 2023 में शुरू की गई आठ कोचों वाली काचीगुडा-यशवंतपुर वीबी एक्सप्रेस ने भी लोकप्रियता हासिल की है और दिसंबर, 2023 में ट्रेन की ऑक्यूपेंसी 107% है। वापसी दिशा में, यशवंतपुर-काचीगुडा एक्सप्रेस की ऑक्यूपेंसी 110% है। सितंबर 2023 में शुरू की गई आठ कोचों वाली विजयवाड़ा-एमजीआर चेन्नई वीबी एक्सप्रेस ने तिरुपति को जोड़कर विशेष पहचान हासिल की है। इस ट्रेन की ऑक्यूपेंसी 126% दर्ज की गई है, जबकि एमजीआर चेन्नई-विजयवाड़ा एक्सप्रेस 119% दर्ज की गई है।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अपनी सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक यात्रा सुविधा के लिए बहुत लोकप्रिय रही है। यह ट्रेन एसी चेयर कार और एक्जीक्यूटिव क्लास कोचों में पूर्ण बैठने की सुविधा के साथ एक दिन की यात्रा प्रदान करती है। स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन में कई विश्व स्तरीय विशेषताएं हैं जैसे जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे, रिक्लाइनिंग सीटें, सभी कोचों में सीसीटीवी कैमरे, विसरित एलईडी लाइटिंग, हर सीट के नीचे चार्जिंग पॉइंट आदि, जो बेहतर सवारी आराम और अधिक सुरक्षा प्रदान करते हैं। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इस तथ्य पर संतोष व्यक्त किया है कि दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र में शुरू की गई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें पूरी क्षमता के साथ चल रही हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरे क्षेत्र में विभिन्न मार्गों पर शुरू की गई भारत की स्वदेशी सेमी-हाई स्पीड ट्रेन की भारी लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि, रेल यात्रियों की मांगों को पूरा करना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और रेल यात्रियों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी प्रयास जारी रहेंगे।

क्या प्रोटोकाल का उल्लंघन कर रही है कांग्रेस?

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती मेदक जिले में सत्तारूढ़ कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बीच प्रोटोकॉल एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। चूंकि बीआरएस ने पूर्ववर्ती मेदक में 10 विधानसभा सीटों में से सात पर जीत हासिल की थी, इसलिए कांग्रेस को जिले में बीआरएस से निपटना मुश्किल हो रहा है। जब वन और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने संगारेड्डी में एक समीक्षा बैठक की, तो मंच पर सीटों पर कब्जा करने वाले अधिकांश विधायक बीआरएस विधायक थे। नारायणखेड़, मेदक और आंदोल को छोड़कर, बीआरएस ने जिले की शेष सात सीटें हासिल की थीं।

सुरेखा द्वारा कांग्रेस नेता को आमंत्रित करने के बाद पल्ला सरकारी कार्यक्रम से बाहर चले गए। चूंकि बीआरएस के पास तीनों जिला परिषद अध्यक्ष पदों और अन्य प्रोटोकॉल पदों पर भी कब्जा था, इसलिए सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के दौरान मंच पर कांग्रेस नेताओं के लिए बहुत कम जगह थी। हालांकि, विधानसभा चुनाव हारने वाले कांग्रेस नेता प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर मंच पर बैठे हुए थे। जब स्वास्थ्य मंत्री दामोदरा राजा नरसिम्हा ने पटनतेरू का दौरा किया, तो कांग्रेस नेता काटा श्रीनिवास गौड़ ने अमीनपुर में प्रजा पालन कार्यक्रम के दौरान मंच पर जा बैठे। जबकि स्थानीय बीआरएस विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी मंत्री के कार्यक्रम से दूर रहे।चूंकि बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा ने श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर कोमुरावेली यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते समय कांग्रेस नेता कोमुरी प्रताप रेड्डी को मंच पर आमंत्रित किया था, इससे दोनों दलों के बीच विवाद पैदा हो गया। हालांकि बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने प्रोटोकॉल के उल्लंघन की बात कही, लेकिन उन्होंने प्रताप रेड्डी को मंच से भेजने से इनकार कर दिया। अंतत: राजेश्वर रेड्डी बैठक से बाहर चले गये।

इस बीच, बीआरएस विधायक आरोप लगा रहे हैं कि कांग्रेस सरकार सरकारी कार्यक्रमों के फ्लेक्सी, पोस्टर और बैनर पर बीआरएस विधायकों की तस्वीरें नहीं छाप रही है। नरसापुर विधायक वी सुनीता लक्ष्मा रेड्डी ने भी अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रोटोकॉल उल्लंघन का मुद्दा कई बार उठाया। उन्होंने शिकायत की है कि अधिकारियों द्वारा उन्हें सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी नहीं दी जा रही है। बीआरएस विधायक अब इस मुद्दे पर विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत करने की तैयारी कर रहे हैं। लोकसभा और स्थानीय निकाय चुनाव नजदीक आने के साथ ही दोनों पार्टियां अपनी सतर्कता में कोई कमी नहीं रख रही हैं।

लोग हमारी ताकत और उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता : डीजीपी

आईपीएस ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा मनाया गया नववर्ष

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने सोमवार को हैदराबाद में पुलिस मेस में एक भव्य कार्यक्रम के साथ नया साल मनाया। कार्यक्रम का आयोजन आईपीएस ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया था।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रवि गुप्ता, सड़क सुरक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अजनी कुमार, गृह सचिव श्री जितेंदर इंटेलिजेंस प्रमुख श्री बी. शिवधर रेड्डी और श्री गोविंद सिंह इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्तियों में से थे। तेलंगाना के डीजीपी रवि गुप्ता ने अधिकारियों के साथ केक काटा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तेलंगाना पुलिस हमेशा देश के लिए एक आदर्श रही है और राज्य के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसी स्तर पर काम करना जारी रखेगी।

श्री गुप्ता ने सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि मैं आप सभी को बहुत खुश, समृद्ध और स्वस्थ नव वर्ष की शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने तेलंगाना पुलिस की सामूहिक उपलब्धियों के बारे में बात की और कहा कि तेलंगाना पुलिस हमेशा देश में सबसे आगे रही है। हमने एक टीम के रूप में काम किया है और टीम वर्क हमेशा फल देता है। 2023 में बिना किसी अप्रिय घटना के चुनाव, बोनालु और दशहरा के शांतिपूर्ण आयोजन को याद करते हुए, डीजीपी ने कहा कि पुलिस नए साल में भी इसी तरह सतर्क तरीके से काम करती रहेगी। उन्होंने अधिकारियों से साइबर अपराध, ड्रग तस्करों और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों की सुरक्षा और यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए विशेष उपाय करने की भी सलाह दी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पुलिस को ग्रामीण स्तर पर लोगों के साथ अधिक निकटता से जुड़ना चाहिए। रवि गुप्ता ने पुलिस व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और लोकतांत्रिक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लोग हमारी ताकत हैं। उनकी सुरक्षा हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। हम नए साल में उसी समर्पण के साथ काम करेंगे और तेलंगाना पुलिस के प्रदर्शन को एक बार फिर प्रदर्शित करेंगे। देश में सर्वश्रेष्ठ पुलिस बल के रूप में तेलंगाना पुलिस की महिमा हमेशा रहना चाहिए।

एयरपोर्ट मेट्रो, फार्मा सिटी को नहीं किया जाएगा रद्द

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार, 1 जनवरी को उन रिपोर्टों का खंडन किया कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा निर्धारित एयरपोर्ट मेट्रो और फार्मा सिटी योजनाओं को उनकी सरकार ने रद्द कर दिया है। अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक में रेवंत रेड्डी ने कहा कि हम सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए इसे सुव्यवस्थित कर रहे हैं। पिछली सरकार द्वारा प्रस्तावित मार्गों की तुलना में, हम हवाई अड्डे की दूरी और लागत कम कर देंगे।

उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गांधी बस स्टेशन (एमजीबीएस) से पुराने शहर होते हुए शमशाबाद हवाई अड्डे तक एक मेट्रो लाइन बिछाई जाएगी। उन्होंने कहा कि नागोले से एलबी नगर और ओवेसी अस्पताल के माध्यम से चंद्रायन गुट्टा तक, हम हवाई अड्डे तक जाने वाली मेट्रो लाइन से जुड़ेंगे," उन्होंने कहा, यदि आवश्यक हो तो मेट्रो लाइन को मियापुर से रामचंद्रपुरम और माइंड स्पेस से वित्तीय जिले तक बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी टिप्पणी की कि गचीबावली से हवाई अड्डे तक पर्याप्त यात्री यातायात नहीं होगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि हमारी प्रस्तावित नई मेट्रो लाइनों की लागत पिछली सरकार द्वारा प्रस्तावित बजट से कम होगी। हम विशेष रूप से रिंग रोड और क्षेत्रीय रिंग रोड के बीच फार्मा सिटी के रूप में क्लस्टर बनाएंगे। हम इन समूहों को शून्य प्रदूषण के साथ स्थापित करेंगे। रेवंत ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय को राज्य अतिथि गृह में तब्दील किया जाएगा। उन्होंने सभी नामांकित पदों को कांग्रेस पार्टी के लिए काम करने वाले व्यक्तियों से भरने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि अधिकारियों की नियुक्तियों में सामाजिक न्याय कायम रहे।

भारतीय रिज़र्व बैंक

हैदराबाद में बैंक की औषधालयों में दवाओं की आपूर्ति, केडिट स्लिप पर दवाओं की आपूर्ति और हैदराबाद शहर की नगरपालिका सीमा के भीतर बैंक के इच्छित लाभार्थियों को दवाओं की होम डिलीवरी

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद, हैदराबाद में स्थित अपने औषधालयों को दवाओं की आपूर्ति, केडिट स्लिप पर दवाओं की आपूर्ति और हैदराबाद शहर की नगरपालिका सीमा के भीतर बैंक के इच्छित लाभार्थियों को दवाओं की होम डिलीवरी के लिए आपूर्तिकर्ताओं/स्टॉकिस्टों/केमिस्टों से एमएसटीसी वेब पोर्टल के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करता है। करार की अवधि संतोषजनक प्रदर्शन के अधीन एक वर्ष की होगी। करार अवधि के दौरान अपेक्षित खरीद मूल्य ₹ 3.5 करोड़ (तीन करोड़ पचास लाख रुपये मात्र) है।

बैंक हैदराबाद स्थित आपूर्तिकर्ताओं/स्टॉकिस्टों/केमिस्टों से दो-भाग निविदा आमंत्रित करता है जो न्यूनतम पात्रता मानदंडों (पिछले तीन वर्षों के लिए ₹ 1.75 करोड़ (एक करोड़ पचहत्तर लाख रुपये मात्र) के न्यूनतम वार्षिक कारोबार वाले) को पूरा करते हैं और निविदा आमंत्रित करने की सूचना (एनआईटी) दस्तावेज में उल्लिखित नियमों और शर्तों का पालन करने के लिए सहमत हैं। पात्रता के पूर्ण विवरण के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in पर जाएं।

बैंक ई-टेंडरिंग वेब पोर्टल www.mstcecommerce.com के माध्यम से निविदा प्रक्रिया को ऑनलाइन होस्ट करेगा। ऑनलाइन निविदा 03 जनवरी 2024 को सुबह 11:00 बजे से देखने/डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध होगी। टेक्नो कमर्शियल बोली जमा करने की अंतिम तिथि 24 जनवरी 2024 शाम 05:00 बजे है।

भारतीय रिज़र्व बैंक किसी भी आवेदन को स्वीकार करने या प्राप्त किसी भी या सभी आवेदनों को बिना कोई कारण बताए अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्षेत्रीय निदेशक
भारतीय रिज़र्व बैंक
हैदराबाद

आईटीआई को मजबूत बनाने के लिए टाटा का सहयोग

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य में उन्नत कौशल विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए एक रोड मैप तैयार करने के साथ-साथ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में बदलने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति का गठन किया।पैनल को 10 जनवरी तक अपनी सिफारिशें सौंपने के लिए कहा गया था। विशेष मुख्य सचिव (श्रम एवं रोजगार) और चार अन्य आईएएस अधिकारी समिति में होंगे।

समिति सरकारी और निजी दोनों खिलाड़ियों द्वारा संचालित कौशल विश्वविद्यालयों के मौजूदा मॉडल का अध्ययन करेगी और राज्य में 10 कौशल विश्वविद्यालयों के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए क्षेत्र का दौरा करेगी।

टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड राज्य के छात्रों को कौशल प्रदान करने के इस प्रयास में सरकार की मदद करेगी।

टाटा टेक्नोलॉजीज की एक टीम ने इस संबंध में शनिवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, मुख्य सचिव ए शांति कुमारी, उद्योग और आईटी के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन और अन्य के साथ बैठक की और कौशल विकास कार्यक्रम को 2000 करोड़ रुपये का.फंडिंग के साथ लागू करने पर सहमति व्यक्त की।

केटीआर ने की सफाई कर्मचारियों के साथ किया दोपहर का भोजन

पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने तेलंगाना भवन में बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर को गुलदस्ता भेंटकर नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को 2024 नए साल के अवसर पर, पूर्व मंत्री और सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने तेलंगाना भवन में बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष कल्वाकुंतला तारकरामा राव को गुलदस्ता देकर शुभकामनाएं दीं। इसी तरह, हैदराबाद की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने श्रीनिवास यादव को नए साल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बीआरएस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस बीच नए साल के मौके पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने सफाई कर्मचारियों के साथ नया साल मनाया। इस अवसर पर, केटीआर ने पार्टी कार्यालय तेलंगाना भवन में जीएचएमसी स्वच्छता कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक आयोजित की और उनके साथ कुछ देर तक बातचीत की और बाद में उनके साथ दोपहर का भोजन किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। उनके साथ जीएचएमसी मेयर गडवाल विजयालक्ष्मी मौजूद रहीं।

सीएम रेवंत ने इसरो वैज्ञानिकों को बधाई दी

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को भारतीय अंतरिक्ष संगठन (इसरो) द्वारा पीएसएलवी-सी58 रॉकेट के सफल प्रक्षेपण पर खुशी व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने रॉकेट के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो वैज्ञानिकों को बधाई दी और प्रतिष्ठित अंतरिक्ष प्रयोग में भाग लेने वाले सभी लोगों को नए साल की शुभकामनाएं भी दीं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के बाद भारत ब्लैक होल का अध्ययन करने के लिए वेधशाला उपग्रह रखने वाला दूसरा देश बन गया है। नए साल के दिन रॉकेट के सफल प्रक्षेपण के तुरत बाद इसरो ने अंतरिक्ष में भारतीय तिरंगा झंडा फहराया।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि पीएसएलवी-सी58 के प्रक्षेपण के बाद इसरो एक और मील के पत्थर पर पहुंच गया है और कामना करता हूं कि अंतरिक्ष एजेंसी भविष्य में और अधिक उपलब्धियां दर्ज करेगी।

तिरुमला में प्रमुख हस्तियों की भारी भीड़

हैदराबाद, 1 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वैकुंठ द्वार दर्शन के अंतिम दिन तिरुमाला में वीआईपी की कतार लगी रही। चूँकि यह अंग्रेजी वर्ष का पहला दिन था, तिरुमाला वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़ पड़े।नए साल के मौके पर कई मशहूर हस्तियों ने तिरुमाला में भगवान बालाजीके दर्शन किये। सुबह वीआईपी दर्शन के दौरान, भगवान बालाजी के दर्शन के लिए वैकुंठ द्वार में प्रवेश किया। चूंकि यह वैकुंठ द्वार दर्शन का आखिरी दिन था, शारदापीठम उत्तराधिकारी सत्मानंद सरस्वती, तेलंगाना के राज्यपाल तमिल सुंदरा राजन, जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, उपसभापति कोलागाटला वीरभद्रस्वामी, मंत्री गुम्मनुरु जयराम, एपी लोकायुक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति लक्ष्मण रेड्डी, मंत्री मेरुगु नागार्जुन, तमिलनाडु के मंत्री गांधी, हीरो सुमन, तेलंगाना के डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क और सांसद मोपिदेवी वेंकटरमण ने स्वामी के दर्शन किए और प्रार्थना की।

तेलंगाना की राज्यपाल तमिलसाई ने कहा कि तेलंगाना के लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भगवान बालाजी से कामना की है कि सभी लोग खुश रहें। तिरुमला भगवान बालाजी के दर्शन करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि यह साल भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण साल है। उन्होंने कहा कि दुनिया के देशों की समस्याओं को सुलझाने में भारत अहम भूमिका निभाएगा। 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर स्थापना होगी और इस दिन सभी लोगों से अपने घरों में पांच राम ज्योत जलाने के लिए कहा गया है। नए साल के मौके पर फिल्म अभिनेता सुमन ने भगवान बालाजी के दर्शन किए। सुमन ने कहा कि तेलंगाना के एजेंसी क्षेत्रों में गौड़ा जातियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, और वे उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहते हैं और गौड़ा जातियों को एससी सूची में जोड़ना चाहते हैं।

AGROHA BANK
Agroha Co-operative Urban Bank Ltd.
D No 21-1-497 2nd Floor Opp to High Court, Ghansi Bazar, Hyderabad - 500 002
Email -cutomercare@agrohabank.com website : www.agrohabank.com
Mobile No - 70933 26428 Tel - 040-24511322

9.35% For Widow Women, Sr. Citizen & Regd. Charitable Trusts

DEPOSIT INTEREST RATES	RATE OF INTEREST
30 Days - 90 Days	4.35 %
91 Days - 180 Days	4.85 %
181 Days up to 1 Year Above	5.85 %
1 Year up to 3 Years Above	8.60 %
3 Years up to 7 Years	8.85 %
Above 7 Years & up to 10 Years	7.50 %
For Senior Citizen, Widow Women (Men - 60 Years) (Women - 58 Years), Regd.Charitable Trust (For Deposits above one (1) Year)	0.50 % Extra on Table Rate

Ratan Gupta Chairman
Vijay Gupta Vice Chairman
Nandkishor Baheti CEO - 93473 50523
MEENAKSHI

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.